শর্মা হার্ডওয়েৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 121 | गुवाहाटी | सोमवार, 27 नवंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सेवा नियमित होने से शिक्षकों को लाभ होगा : डॉ. रनोज पेगू — पेज 3

राष्ट्र निर्माण में जब सबका साथ होगी तभी सबका विकास संभव : प्रधानमंत्री — पेज 4

प्रधानमंत्री मोदी गरीब परिवारों के प्रति चिंतित व समर्पित : मेनका — पेज 5

सालाना एक लाख 80 हजार आय वाले परिवारों की लड़कियों को मुफ्त शिक्षा — पेज 8

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
दुर्जनों के साथ भलाई करना सज्जनों के साथ बुराई करने के समान है।
– सादी

न्यूज गैलरी

सामाजिक बदलाव की आड़ में परोसी जा रही नफरत : खड़गे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर संविधान प्रदत्त स्वतंत्रता को कुचलने और इसमें कटौती करने का हरसंभव तरीका अपनाने का आरोप लगाया। मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म *एक्स* (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर कर लिखा कि भारत का संविधान हमारे लोकतंत्र की जीवन रेखा है। जब हम 74वां संविधान दिवस मना रहे हैं, तो ऐसे में हम इसके निर्माताओं को अत्यंत श्रद्धा से नमन करते हैं, क्योंकि –शेष पृष्ठ दो पर

इजराइली जहाज पर ड्रोन हमला

दुबई। हमास और इजराइल के मध्य युद्ध के बीच हिंद महारासागर में एक संदिग्ध ईरानी ड्रोन ने एक इजराइली अरबपति के कंटेनर पोत पर हमला कर दिया। एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। *सीएमए सीजीएम सायमी* पर शुक्रवार को यह हमला ऐसे समय में किया गया, जब कई सप्ताह से जारी इजराइल-हमास युद्ध के कारण वैश्विक नौवहन को निशाना बनाए जाने की घटनाएं बढ़ रही हैं। इजराइल और हमास के बीच –शेष पृष्ठ दो पर

सबसे लंबे फ्लाईओवर का निर्माण-कार्य जनवरी से : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि गुवाहाटी के सबसे लंबे फ्लाईओवर का निर्माण कार्य जनवरी में शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि बामुनीमैदाम के एफसीआई गेट से शुरू होकर रिजर्व बैंक तक जाने वाले इस फ्लाईओवर के लिए निविदा की प्रक्रिया प्राय: संपूर्ण कर ली गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फ्लाईओवर गुवाहाटी के विकास में चार चांद लगाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि एफसीआई से आकर यह फ्लाईओवर चांदमारी पहुंचेगा, जहां रोटरी का निर्माण किया जाएगा। एक रास्ता रोटरी के जरिए राजगढ़ रोड की तरफ जाएगा, जबकि एक जू रोड की तरफ। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह फ्लाईओवर इसी प्रकार आगे जाते हुए दिघलीपुखरी को पार करते हुए रिजर्व बैंक तक पहुंच जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके नीचे दोनों तरफ पार्किंग की व्यवस्था रहेगी, जिससे इस पूरे इलाके में जाम की समस्या समाप्त होने के साथ-साथ पार्किंग की भी भरपूर व्यवस्था हो जाएगी, जिससे यहां का उद्योग-वाणिज्य और अच्छा हो जाएगा। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने गुवाहाटी के लोगों से निर्माणकार्य में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि ईश्वर की कृपा से इसे 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। उधर मुख्यमंत्री ने राज्य के वित्त के स्वास्थ्य का मूल्यांकन किया है और चल रही परियोजनाओं के लिए समय पर उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा करने का आग्रह किया है। शर्मा ने वित्त और अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ एक बैठक में विभिन्न क्षेत्रों में व्यय का व्यापक मूल्यांकन किया। जवाबदेही पर जोर देते हुए, उन्होंने आर्थिक सहायता पैकेज और राज्य की अपनी प्राथमिकता विकास के तहत चल रही परियोजनाओं सहित उनके महत्व पर जोर देते हुए उपयोगिता प्रमाण पत्र समय पर जमा करने का आग्रह किया। उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यमों के अधिकारियों से जुड़े एक अन्य सत्र में, सीएम ने सीएम आत्मनिर्भर –शेष पृष्ठ दो पर

लखिमन आश्रम के तीसरे मुख्य मंदिर के लिए पांच करोड़ रुपए

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज कार्बी आंग्लांग जिले के डोलमारा में लखिमन आश्रम का दौरा किया और एक मण्डली बैठक में भाग लिया। उन्होंने लखिमन आश्रम के संस्थापक कुरुसर लोखान इंग्ती हेंसेक के समाधिस्थल का भी दौरा किया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने डोलमारा में कुरुसर लोखान इंग्ती हेंसेक की एक प्रतिमा का भी अनावरण किया। उन्होंने उसी समय लखिमन आश्रम (सोक-फे आह अक्लम) के तीसरे मुख्य मंदिर की नींव रखी। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि लखिमन आस्था –शेष पृष्ठ दो पर

दो बहनों समेत चार सहेलियों ने खाया जहर

औरंगाबाद/अंबा। औरंगाबाद जिले के कुटुंबा थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार शाम दो सगी बहन समेत चार सहेलियों ने एक साथ जहर खा लिया। चारों की हालत गंभीर है। इलाज के लिए सभी को ग्रामीण सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने सभी का प्राथमिक उपचार किया, परंतु स्थिति गंभीर होने के कारण बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया है। स्वजनों के अनुसार, चारों घर से बाहर एक साथ निकली थीं। अमरूद के साथ नमक समझकर –शेष पृष्ठ दो पर

विद्रोही संगठन के साथ शांति समझौता करेगी राज्य सरकार : मुख्यमंत्री

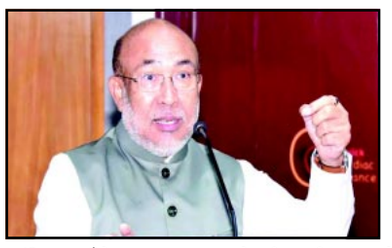

इंफाल। मणिपुर हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने एक बड़ा दावा किया है। दरअसल, एन बीरेन सिंह ने कहा है कि हम आगे बढ़ रहे हैं और हम जल्द ही एक बड़े विद्रोही समूह के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद कर रहे हैं। मणिपुर हिंसा के बाद राज्य में शांति स्थापित करने के लिए राज्य और केंद्र सरकार कई बड़े कदम उठा रही है। सीएम एन बीरेन सिंह ने कहा कि हम जल्द ही एक बड़े विद्रोही संगठन के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले हैं। हमारी बातचीत अंतिम चरण में है। हालांकि, अपनी बातचीत के –शेष पृष्ठ दो पर

चीन में सांस की बीमारी के प्रकोप की स्वास्थ्य मंत्रालय करेगा समीक्षा

नई दिल्ली (हि.स.)। चीन के उत्तरी हिस्से में बच्चों में बढ़ रही सांस की बीमारियों के मद्देनजर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने श्वसन संबंधी बीमारियों के खिलाफ तैयारियों के उपायों की समीक्षा करने का निर्णय लिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार भारत सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और संकेत दिया है कि किसी भी अलार्म की जरूरत नहीं है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को लिखे एक पत्र में उन्हें सार्वजनिक स्वास्थ्य और अस्पताल की तैयारी के उपायों की तुरंत समीक्षा करने की सलाह दी है। वरिष्ठ स्तर पर एचआर, अस्पताल के बिस्तर, इन्फ्लूएंजा के लिए दवाएं और टीके, चिकित्सा ऑक्सीजन, एंटीबायोटिक्स, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण, परीक्षण किट और अभिकर्मकों, ऑक्सीजन संयंत्रों और वेंटिलेटर की कार्यक्षमता, स्वास्थ्य सुविधाओं में संक्रमण नियंत्रण प्रथाओं की उपलब्धता की जांच करने को कहा है। –शेष पृष्ठ दो पर

सीमा की सुरक्षा के लिए फिट और सतर्क रहें सैनिक : राज्यपाल

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल केटी परनायक (सेवानिवृत्त) ने अंजॉ जिले के वालोंग का दौरा किया। राज्यपाल ने भारतीय सेना, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) और राज्य पुलिस के कर्मियों के साथ बातचीत की। राज्यपाल ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश की अंतर्राष्ट्रीय सीमा देश की सुरक्षा के लिए संवेदनशील और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। उन्होंने संवेदनशील सीमाओं की रक्षा में भारतीय सशस्त्र बलों की वीरतापूर्ण परंपराओं को बनाए रखने और सतर्क रहने के लिए बलों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने सीमा की रखवाली करने वाले जवानों –शेष पृष्ठ दो पर

लोगों को अदालतों में जाने से डरना नहीं चाहिए : सीजेआई

नई दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाई. चंद्रचूड़ ने रविवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय ने *लोक अदालत* के तौर पर अपनी भूमिका निभाई है और नागरिकों को अदालतों का दरवाजा खटखटाने से नहीं डरना चाहिए, या इसे अंतिम उपाय के रूप में नहीं देखना चाहिए। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि जिस तरह संविधान हमें स्थापित लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं के माध्यम से राजनीतिक मतभेदों को हल करने की अनुमति देता है, अदालती प्रणाली स्थापित सिद्धांतों और प्रक्रियाओं के माध्यम से कई असहमतियों को सुलझाने में मदद करती है। प्रधान न्यायाधीश ने शीर्ष अदालत में *संविधान दिवस* समारोह के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि इस तरह, देश की हर अदालत में हर मामला संवैधानिक शासन का विस्तार है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कार्यक्रम

में उद्घाटन भाषण दिया। इस समारोह में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश, न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। प्रधान न्यायाधीश ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले सात दशकों में, भारत के उच्चतम न्यायालय ने लोक अदालत के रूप में काम किया है। हजारों नागरिकों ने इस विश्वास के साथ इसके दरवाजे खटखटाए हैं कि उन्हें इस संस्था के माध्यम से न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि नागरिक अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा, गैर-कानूनी गिरफ्तारियों के खिलाफ जवाबदेही, बंधुआ मजदूरों के अधिकारों की रक्षा, आदिवासियों द्वारा अपनी भूमि की रक्षा करने की मांग, हाथ से मैला उठाने जैसी सामाजिक बुराइयों की रोकथाम और स्वच्छ हवा पाने के लिए हस्तक्षेप की उम्मीद के साथ अदालत पहुंचते हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि ये मामले अदालत के लिए सिर्फ उद्धरण या आंकड़े नहीं हैं। ये मामले शीर्ष –शेष पृष्ठ दो पर

कोचीन यूनिवर्सिटी में भगदड़ चार छात्रों की मौत

कोच्चि। केरल सरकार ने रविवार को कहा कि एक दिन पहले कोचिन विश्वविद्यालय के वार्षिक उत्सव के दौरान मची भगदड़ की जांच के लिए उसने एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का फैसला किया है। भगदड़ में चार लोगों की मौत हो गई थी और 60 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। राज्य की उच्च शिक्षा मंत्री आर. बिंदु ने कहा कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए विशेषज्ञ समिति दिशा-निर्देश भी तैयार करेगी। मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि इसके अलावा विश्वविद्यालय के कुलपति और उच्च शिक्षा विभाग के मुख्य सचिव से इस घटना के संबंध में रिपोर्ट दाखिल करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि जब इस तरह के आयोजन किए जाते हैं तो भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित करने का जिम्मा आयोजकों का होता है। उन्होंने कहा कि सभी रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद कार्रवाई की जाएगी। राज्य –शेष पृष्ठ दो पर

न्यायिक सेवा में रुचि रखने वाले छात्रों को मिले मौका : राष्ट्रपति

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित हुए एक कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर खुलकर बात की। भारत के सुप्रीम कोर्ट द्वारा आयोजित संविधान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि न्याय की मांग करने वाले नागरिकों के लिए लागत और भाषा एक बड़ी बाधा है। उन्होंने कहा कि न्याय तक पहुंचने के लिए पूरी प्रणाली को नागरिक-केंद्रित बनाने की –शेष पृष्ठ दो पर

मुसलमानों की बढ़ती आबादी चिंता का विषय : तोगड़िया

बरेली (हिं. स.)। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया आज बरेली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिस तेजी से मुसलमानों और ईसाइयों की आबादी बढ़ रही है, उससे आने वाले 50 साल में मुगल सल्तनत हो जाएगी और भारत का प्रधानमंत्री, प्रदेश का मुख्यमंत्री, डीएम, कलेक्टर एसपी हर कोई मुसलमान होगा। फिर यह राम मंदिर सुरक्षित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि इस्लाम 14 सौ साल पहले आया, क्रिश्चियन 2000 साल पहले और उससे पहले सब हिंदू थे, लेकिन करोड़ों हिंदुओं का कत्ल किया गया। इसके बाद एक बार फिर से मुसलमानों की बढ़ती आबादी चिंता का विषय है। वहीं उन्होंने कहा कि वह 100 करोड़ हिंदुओं को आपस में एक करना चाहते हैं, इसके लिए आने वाले 5 साल में 11 लाख स्थानों पर एक साथ हनुमान चालीसा का पाठ हुआ करेगा। डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि अभी –शेष पृष्ठ दो पर

देहरादून में मिले 15वीं सदी के मंदिर के अवशेष

देहरादून। देहरादून में करीब दो से तीन हजार साल पुरानी धरोहर उपेक्षा और लापरवाही का शिकार होती आ रही है। उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है, लेकिन देवताओं के प्राचीन अवशेष जो यहां मिले हैं उन पर ध्यान देना अभी बाकी है। इसी क्रम में जगत ग्राम अश्वमेध स्थल आता है जहां जाने का मार्ग तक नहीं है। वहां से 40 किलोमीटर दूर देहरादून नगर की ओर अत्यंत घने वन में अब भद्रकाली माता मंदिर के प्राचीन पुरातात्विक अवशेष बिखरे मिले हैं। यहां प्राचीनकाल से नियमित पूजा अर्चना होती आ रही है। पूर्व –शेष पृष्ठ दो पर

देश छोड़ने के लिए अफगानों से दो लाख रुपए वसूल रहा पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान अफगान शरणार्थियों को देश से बाहर निकलने के लिए 2 लाख रुपए (830 डॉलर) निकासी फीस लगा रहा है। पाक के इस फैसले पर दुनिया उसकी थू-थू कर रही है। कई पश्चिमी देशों के राजनयिकों और संयुक्त राष्ट्र ने पाक की कड़ी आलोचना की और इस फैसले को चौंकाने वाला और निराशाजनक बताया है। संयुक्त राष्ट्र की दो एजेंसियों- संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी

एजेंसी (एनएचसीआर) और अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) ने भी इस मुद्दे को उठाया है। यह कदम उन शरणार्थियों को निशाना बना रहा है, जो पुनर्वास योजनाओं के तहत पश्चिमी देशों को जाने के लिए पाकिस्तान छोड़ने का इंतजार कर रहे हैं। पाकिस्तान में देश छोड़ने वाले हर अफगानी शरणार्थी से लगभग 830 अमेरिकी डॉलर का शुल्क लिया जाता है। पाकिस्तान ने –शेष पृष्ठ दो पर

भारत आर्थिक, सांस्कृतिक और कई क्षेत्रों में बड़ी प्रगति कर रहा : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तेलंगाना के कान्हा शांति वनम में एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के महत्व को रेखांकित करते हुए युवाओं को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ने के लिए आध्यात्मिक संस्था से सहयोग मांगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि समृद्धि पैसे और भौतिक चीजों से नहीं आती, यह सांस्कृतिक मूल्यों की मजबूती से भी आती है। आज भारत आर्थिक, सांस्कृतिक और कई क्षेत्रों में बड़ी प्रगति कर –शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मोदी की झलक पाने खंबों पर चढ़े लोग, पीएम को करनी पड़ी अपील

हैदराबाद। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 30 नवंबर को होना है। तेलंगाना विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी ताबड़तोड़ रैलियां की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को तेलंगाना के निर्मल में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान कुछ लोग खंबों पर उनका भाषण सुनने के लिए चढ़ गए। भाषण सुनने के लिए जैसे ही लोग खाबो पर चढ़े तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी चिंता करते हुए उनसे नीचे उतरने की अपील की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खंबों पर चढ़े लोगों से अपील करते हुए कहा कि नीचे आ जाइए दोस्तों, आप में से कोई गिरेगा तो मुझे दुख होगा। उन्होंने कहा कि जो ऊपर चढ़ गए हैं उनसे मेरी विनती है कि वह नीचे आ जाए। दरअसल रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक झलक पाने के लिए भी लोग बेहद बेताब थे। प्रधानमंत्री की झलक पाने के लिए ही लोग टावर पर भी चढ़ गए इसके बाद उन्हें नीचे उतारने के लिए प्रधानमंत्री को अपील करनी पड़ी। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में विपक्षी गठबंधन *इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस* (इंडिया) का सफाया हो जाएगा। इन तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न हो गए हैं। तेलंगाना के तूपरान में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने इन तीन राज्यों में अपने चुनाव प्रचार अभियान को याद किया। उन्होंने कहा कि मैंने तीन राज्यों में देखा है कि वहां *इंडी अलायंस* (इंडिया गठबंधन) का सफाया हो जाएगा। वहां की महिलाएं, किसान कांग्रेस पार्टी को उखाड़ फेंकने वाले हैं। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर निशाना साधते हुए उन्होंने पूछा कि क्या तेलंगाना को ऐसे मुख्यमंत्री की जरूरत है, जो लोगों से नहीं मिलते। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस हो या बीआरएस, उनकी पहचान भ्रष्टाचार, परिवारवाद और खराब कानून व्यवस्था है और वे एक-दूसरे की *कार्बन कॉपी* हैं।

संविधान का मैतेई-मायेक संस्करण को मुख्यमंत्री ने किया जारी

इंफाल (हिंस)। भारत के संविधान का मैतेई-मायेक संस्करण आज मणिपुर की राजधानी इंफाल में जारी किया गया। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने आज मैतेई-मयेक भाषा में संविधान का डिग्लोट संस्करण जारी किया। संविधान दिवस के अवसर पर आज इंफाल में सीएम सचिवालय के कैबिनेट हॉल में मणिपुरी भाषा में भारत के संविधान का यह डिग्लोट संस्करण जारी किया गया। कार्यक्रम में, सरकारी अधिकारी, मंत्री, विधायकों ने संविधान की प्रस्तावना को पढ़ा और संविधान का मणिपुरी भाषा में अनुवाद करने वाले अनुवादकों को सम्मानित किया। इस अभूतपूर्व निर्णय का उद्देश्य न केवल मणिपुरी लिपि का जश्न मनाना और उसे बढ़ावा देना है, बल्कि मणिपुरी भाषा या मेइतिलोन बोलने वालों को भारतीय संविधान में निहित सिद्धांतों तक सीधी पहुंच प्रदान करना है। संविधान लागू होने के 73 साल बाद भी इसके कई सिद्धांत स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध न होने के कारण आम आदमी की पहुंच से दूर हैं। प्रकाशन, जिसमें 105वें संशोधन तक के संशोधन शामिल हैं, एक महत्वपूर्ण और विशेष उपक्रम है, विशेष रूप से मैतेई मायेक लिपि में तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का मानना है कि यह संस्करण पूरे राज्य के लिए एक अमूल्य संपत्ति बन जाएगी, जो मणिपुर के इतिहास में एक उद्देश्यपरक मील का पत्थर साबित होगा। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने भारत के संविधान को मणिपुरी भाषा में जारी करने की सुविधा के लिए भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हमें वास्तव में इस पर गर्व है। और हम मणिपुर के लोगों और सरकार की ओर से प्रधान मंत्री की समग्रता की सोच और छोटे मामलों की मान्यता के लिए उनकी सराहना करते हैं। मणिपुर एक बहुत छोटा राज्य है और जनसंख्या बहुत कम है। फिर भी, प्रधान मंत्री के मार्गदर्शन के माध्यम से, हम भारत के संविधान को अपनी लिपि में प्रकाशित करने में सक्षम हुए हैं। मणिपुर के मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने राज्य को बहुत महत्व दिया है और राज्य के लोगों को भी इसी तरह का जवाब देना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री मंत्री अमित शाह ने मणिपुर राज्य को महत्व और प्राथमिकता देते हुए और राज्य के लोगों की विशिष्टता को जानते हुए अप्रत्याशित आईएलपी दिया है। आज हम भारत का संविधान प्रकाशित कर रहे हैं। दुनिया का सबसे लंबा लिखित संविधान हमारी अपनी लिपि में है। इसलिए केंद्रीय नेताओं द्वारा दिए गए इस तरह के सम्मान और आदर का बदला मिलना चाहिए। इसलिए मैं राज्य के लोगों से अपील करना चाहता हूं कि हमें सोचना चाहिए कि जो किया गया है उसका बदला कैसे दिया जाए।

भारत-तिब्बत संघ असम की तिब्बती सांसदों के साथ बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर में तिब्बत की संसद के सदस्य खेनपो जामफेल तेनजिन और फुरपा दोरजी ने भारत-तिब्बत संघ, असम के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में भारत सरकार-तिब्बत की एसोसिएट कोऑर्डिनेटर ताशी डीकेई, भारत-तिब्बत संघ की असम चैप्टर की अध्यक्ष अलका पटवारी, उपाध्यक्ष कृष्णा नाथ, महासचिव दीक्षिता पुरकायस्थ, युवा क्षेत्र महासचिव जिंटोमणि बरुवा, गुवाहाटी प्रांत के अध्यक्ष हेमेन शर्मा, वरिष्ठ सदस्य अक्षय राजखोवा आदि उपस्थित थे।

एक ही रात में पांच बाइकों की चोरी

नगांव (हिंस)। नगांव में एक ही रात में पांच बाइक की चोरी हुई। चोरी का वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया। नगांव पुलिस ने आज बताया कि शहर के हयबरगांव थाना अंतर्गत खुटिकटिया रेडियो स्टेशन के पास गेट का ताला तोड़कर चोर दो बाइक चोरी कर ले गए।

असम राइफल्स ने मणिपुर में हथियार, गोला-बारूद बरामद की

इंफाल (हि.स.)। असम राइफल्स ने मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और युद्ध सामग्री बरामद की। असम राइफल्स ने आज बताया कि एक अभियान के दौरान मैगजीन के साथ एक 303 राइफल एमके 4, मैगजीन के साथ एक एसएलआर राइफल, मैगजीन के साथ एक 9 मिमी पिस्टल, मैगजीन के साथ एक सीएमजी, 08 पीस नंबर 36 हैंड ग्रेनेड, 03 पीस नंबर 80 (डब्ल्यूपी) ग्रेनेड, एक चीनी ग्रेनेड, 05 पीस डेटोनेटर, दो डेटोनेटर कवर तथा एक ट्यूब लॉन्चिंग सिस्टम बरामद किया गया। यह अभियान मणिपुर के जनरल एरिया पटसोई, इंफाल वेस्ट में चलाया गया।

व्यापारी को घायल कर डकैतों ने लूटा बैग

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट के मारवाड़ी पट्टी में बीती रात डकैती की घटना हुई। दुकान बंद कर रहे व्यापारी मिहिर डालमिया पर मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने हमला कर घायल कर दिया। दुकानदार के हाथ से बैग लेकर लुटेरे फरार हो गए। घायल अवस्था में व्यापारी को जोरहाट मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

राजस्थान विस चुनाव में पुरुषों से आगे रहीं महिलाएं

जयपुर (हि.स.)। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के लिए प्रदेश में 25 नवंबर को शांतिपूर्ण तरीके से मतदान प्रक्रिया संपन्न हो गई। अब तीन दिसंबर को मतगणना होगी। मतदान के दिन लोकतंत्र के इस महापर्व में मतदाताओं ने उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता निभाई और बढ़-चढ़कर मतदान किया। मतदान केंद्रों पर मतदाताओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। प्रदेश में 2018 की तुलना में इस वर्ष 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत में बढ़ोतरी हुई है। इस वर्ष प्रदेश में 75.45 फीसदी मतदान हुआ। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में 0.73 प्रतिशत मतदान की बढ़ोतरी हुई है। विधानसभा चुनाव- 2023 के कुल मतदान में पोस्टल बैलेट से हुआ 0.83 प्रतिशत मतदान भी शामिल है। प्रदेश में 25 नवंबर को ईवीएम से कुल 74.62 प्रतिशत मतदान हुआ। पुरुषों ने 74.53 प्रतिशत और महिलाओं ने 74.72 प्रतिशत मतदान किया। विधानसभा चुनाव 2018 में प्रदेश में 74.71 प्रतिशत मतदान हुआ था, जिसमें पुरुषों ने 74.75 प्रतिशत और महिलाओं ने 74.67 प्रतिशत मतदान किया था। ईवीएम से सबसे अधिक 88.13 प्रतिशत मतदान कुशलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में हुआ। यहां 2018 में 86.13 प्रतिशत मतदान हुआ था। पोकरण विधानसभा क्षेत्र में इस बार 87.79 प्रतिशत मतदान हुआ, यहां वर्ष 2018 के चुनाव में 87.50 प्रतिशत मतदान हुआ था। तिजारा में पिछली बार के 82.08 प्रतिशत के मुकाबले इस बार 86.11 प्रतिशत मतदान हुआ। पोकरण, कुशलगढ़ और तिजारा विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक महिलाओं ने क्रमश: 88.23 प्रतिशत, 87.54 प्रतिशत और 85.45 प्रतिशत मतदान किया। आहोर विधानसभा क्षेत्र में ईवीएम से सबसे कम 61.24 प्रतिशत मतदान हुआ। यहां 2018 में 61.53 प्रतिशत मतदान हुआ था। मारवाड़ जंक्शन विधानसभा क्षेत्र में इस बार 61.29 प्रतिशत मतदान हुआ, यहां वर्ष 2018 के निर्वाचन में 60.42 प्रतिशत मतदान हुआ था। सुमेरपुर में पिछली बार के 60.89 प्रतिशत के मुकाबले इस बार 61.44 प्रतिशत मतदान हुआ। जोधपुर, टोडाभीम और बामनवास विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं का मतदान प्रतिशत सबसे कम क्रमश: 62.97 प्रतिशत, 63.22 प्रतिशत और 63.63 प्रतिशत रहा। बसेड़ी विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 9.6 प्रतिशत, तारानगर में 7.65 प्रतिशत, आसपुर में 7.01 प्रतिशत मतदान में बढ़ोतरी हुई। वहीं, फलौदी में मतदान प्रतिशत में सबसे अधिक 7.15 प्रतिशत, हिंडौन में 6.10 प्रतिशत और जैसलमेर में 4.79 प्रतिशत की गिरावट आई। इस विधानसभा चुनाव में प्रदेश में ईवीएम से कुल 39211399 वोट पड़े। इनमें 18827294 वोट महिलाओं, 20383757 पुरुषों और 348 वोट थर्ड जेंडर के मतदाताओं ने डाले।

किराए के मकान में मिला युवती का शव

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी शहर में एक युवती का शव बरामद किया गया। पुलिस ने आज बताया कि शहर के हेंग्राबाड़ी क्षेत्र के अमृत पार्क के सामने किराए के मकान में इस युवती का शव मिला। पता चला है कि लड़की का घर धेमाजी में है। उनका नाम अनुष्का सैकिया है। उनकी मौत किस वजह से हुई, इस बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। दिसपुर पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है। करीब एक साल पहले गुवाहाटी आई अनुष्का एक ब्यूटी पार्लर में काम करती थी। फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। यह आत्महत्या है या हत्या, यह पूरी जांच के बाद ही पता चल पाएगा। बताया जा रहा है कि अनुष्का के साथ एक महिला भी थी। महिला का नाम जॉन बोरा है। पुलिस ने घटना के संबंध में जोन बोरा से पूछताछ की है, लेकिन अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली है।

पृष्ठ एक का शेष

सबसे लंबे फ्लाईओवर...

असम अभिजन योजना की प्रगति का आकलन किया। कौशल विकास की तात्कालिकता पर जोर देते हुए, उन्होंने राज्य के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए चयनित उम्मीदवारों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में तेजी लाने पर जोर दिया। बैठकों में असम के मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव के साथ अतिरिक्त मुख्य सचिव रवि कोटा और समीर के सिन्हा सहित प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। एक माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर सीएम शर्मा ने योजना की क्षमता के बारे में आशावाद व्यक्त करते हुए कहा कि प्रारंभिक प्रतिक्रिया असम के स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र पर परिवर्तनकारी प्रभाव का संकेत देती है। उन्होंने हाशिए पर रहने वाले समुदायों के दो-तिहाई आवेदकों के उल्लेखनीय प्रतिनिधित्व पर प्रकाश डाला, जो समावेशी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।

लखिमन आश्रम के...

सुधारों के सिद्धांतों पर आधारित है, जहां इसके संस्थापक कुरुसर लोखान इंगती हेंसेक ने अहिंसा, संयम, शांति, मित्रता, विश्वास, भक्ति और पवित्रता के संदेश फैलाए। उन्होंने यह भी कहा कि लखिमन आस्था निर्वाण का मार्ग देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर धर्म मुक्ति का मार्ग बताता है। उन्होंने कहा कि कुरुसर लोखान इंगती हंसेक न केवल एक धार्मिक नेता थे, बल्कि वह एक समाज सुधारक भी थे, जिन्होंने कार्बी लोगों को आत्म-अनुशासन का मार्ग दिया। उन्होंने यह भी कहा कि कुरुसर लोखान इंगती हंसेक की शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए आयोजित सार्वजनिक बैठक कार्बी समाज को सशक्तिकरण की ओर ले जाएगी। इस अवसर पर उन्होंने लखिमन आश्रम के तीसरे मुख्य लखिमन मंदिर के निर्माण के लिए 5 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि मंदिर का निर्माण पूरा होने पर पूरा डोलामारा क्षेत्र एक महत्वपूर्ण और सुंदर पर्यटन स्थल में तब्दील हो जाएगा। जो पर्यटक काजीरंगा आते हैं, वे इस क्षेत्र में भी आ सकते हैं और क्षेत्र की प्राकृतिक और छह अध्यात्मिक सुंदरता का आनंद ले सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कार्बी आंग्लांग स्वायत्त परिषद सभी जातीय समुदायों को उनके सामाजिक-आर्थिक-सांस्कृतिक और शैक्षणिक विकास के लिए साथ लेगी। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कुरुसर लोखान इंगती हंसेक के उत्तराधिकारी लोखान इंगती हंसेक से मुलाकात की और उनका अभिवादन किया। इस अवसर पर असम विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. नोमल मोमिन, विधायक डारसिंग रोंगहांग, विद्यासिंग इंगलेंग, रूपसिंग तेरान, सीईएम केएएसी डॉ. तुलीराम रोंगहांग, प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता बैसिस्ठा बुजरबरुवा और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

दो बहनों समेत...

जहरीला पदार्थ का सेवन किया, जिस कारण सभी की हालत खराब हो गई। चारों के जहर खाने की सूचना से प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मच गया। सभी के स्वजन सदर अस्पताल में रो रहे थे। एसडीपीओ मो. अमानुल्लाह खां ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। किसी कारण से जहर खाया है या अनजाने में खा लिया है इसकी जांच की जा रही है। घटना को लेकर गांव में कई तरह की चर्चा है।

विद्रोही संगठन के ...

दौरान उन्होंने किसी भी संगठन का नाम नहीं लिया है। मालूम हो कि 3 मई को मणिपुर में हुई जातीय हिंसा भड़कने के बाद सरकार लगातार मीडिया के सामने अपना पक्ष रख रही है, लेकिन ऐसा पहली बार है कि उन्होंने इस तरह की बातचीत की आधिकारिक पुष्टि है। इससे पहले, सूत्रों ने कहा था कि सरकार प्रतिबंधित यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) के एक गुट के साथ बातचीत कर रही थी। अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में 3 मई को आयोजित *आदिवासी एकजुटता मार्च* के बाद भड़की हिंसा के बाद से 180 से अधिक लोग मारे गए हैं। मणिपुर की आबादी में मैतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं, जबकि आदिवासी, जिनमें नागा और कुकी शामिल हैं, 40 प्रतिशत हैं और मुख्य रूप से पहाड़ी जिलों में रहते हैं। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने आज इंफाल में मणिपुरी भाषा *मैतेई मायेक लिपि* में भारत के संविधान का दिग्लोट संस्करण जारी किया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि हमें वास्तव में भारत के संविधान पर गर्व है। हम, मणिपुर के लोगों की ओर से प्रधानमंत्री की समग्रता की सोच और छोटे कारकों की पहचान के लिए उनकी अत्यधिक सराहना करेंगे। उन्होंने कहा कि मणिपुर एक बहुत छोटा राज्य है, हमारा जनसंख्या बहुत कम है, लेकिन प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन के माध्यम से, हम भारत के *सबसे लंबे और महानतम लिखित* संविधान को अपनी लिपि में प्रकाशित करने में सक्षम हुए हैं।

सीमा की सुरक्षा ...

को शारीरिक फिटनेस और मजबूत मानसिक सतर्कता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। वहीं, उन्होंने सीमा को सुरक्षित रखने के लिए कर्मियों के साथ आधुनिक सुरक्षा डिजाइन और कदम भी साझा किए। उन्होंने आगे जवानों से स्थानीय लोगों के साथ मिलजुल कर सद्भावना के साथ रहने की सलाह दी। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक आनंद मोहन, अंजॉ के उपायुक्त तालो जेरांग, पुलिस अधीक्षक राईक कामसी, बिहार, असम और पंजाब रेजिमेंट के अधिकारी और जवान और आईटीबीपी, बीआरओ, भारतीय वायु सेना के अधिकारी और राज्य पुलिस के जवान उपस्थित थे। राज्यपाल ने किबिथू में वाइब्रेंट बॉर्डर विलेज कार्यक्रम के तहत चयनित सीमावर्ती गांवों के निवासियों के साथ भी बातचीत की। ग्रामीणों के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जो लोग केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ नहीं उठा सके, उन्हें अगले साल 26 जनवरी से पहले लाभ दिया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि यात्रा में आदिवासी कल्याण और आदिवासी समुदाय की भलाई पर विशेष ध्यान दिया गया है और उन लोगों से अपील की गई है जिन्हें अभी तक केंद्र सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों से लाभ नहीं मिला है, वे आगे आएं और इसका लाभ उठाएं। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सीखने और कौशल के बारे में है और उन्होंने सभी को नई नीति के कार्यान्वयन में योगदान देने की सलाह दी।

लोगों को अदालतों ...

अदालत से लोगों की अपेक्षाओं के साथ-साथ नागरिकों को न्याय देने को लेकर अदालत की अपनी प्रतिबद्धता से मेल खाते हैं। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत शायद दुनिया की एकमात्र अदालत है, जहां कोई भी नागरिक सीजेआई को पत्र लिखकर उच्चतम न्यायालय के संवैधानिक तंत्र को गति दे सकता है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को अपने निर्णयों के माध्यम से न्याय सुनिश्चित करने के अलावा शीर्ष अदालत यह सुनिश्चित करने का निरंतर प्रयास कर रही है कि उसकी प्रशासनिक प्रक्रियाएं नागरिक केंद्रित हों, ताकि लोगों को अदालतों के कामकाज के साथ जुड़ाव महसूस हो। उन्होंने कहा कि लोगों को अदालतों का दरवाजा खटखटाने से डरना नहीं चाहिए या इसे अंतिम उपाय के रूप में नहीं देखना चाहिए। मैं आशा करता हूं कि हमारे प्रयासों से, हर वर्ग, जाति और पंथ के नागरिक हमारी न्यायिक प्रणाली पर भरोसा कर सकते हैं और इसे अधिकारों के इस्तेमाल के लिए निष्पक्ष और प्रभावी मंच के रूप में देख सकते हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि अदालतें अब अपनी कार्यवाही की *लाइव स्ट्रीमिंग* (सीधा प्रसारण) कर रही हैं और यह निर्णय इस उद्देश्य से लिया गया है कि नागरिकों को पता चले कि अदालत कक्षों के अंदर क्या हो रहा है। उन्होंने कहा कि अदालतों की कार्यवाही के बारे में लगातार मीडिया रिपोर्टिंग अदालत कक्षों के कामकाज में जनता की भागीदारी को इंगित करती है।

चीन में सांस की...

केंद्र ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को इस साल की शुरुआत में साझा किए गए कोविड-19 के संदर्भ में संशोधित निगरानी रणनीति के लिए परिचालन दिशानिर्देश को लागू करने की सलाह दी है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में डब्ल्यूएचओ द्वारा साझा की गई जानकारी में चीन के उत्तरी हिस्से में सांस की बीमारी में वृद्धि का संकेत दिया गया है। इसके लिए मुख्य रूप से इन्फ्लुएंजा, माइकोप्लाज्मा निमोनिया, एसएआरएस-सीओवी-2 आदि जैसे सामान्य कारण जिम्मेदार हैं।

कोचीन यूनिवर्सिटी में ...

के कानून एवं उद्योग मंत्री पी. राजीव ने कहा कि पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के संबंध में एर्नाकुलम के सभी सभागारों को परामर्श जारी किए हैं लेकिन इनमें शैक्षिक संस्थानों को शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि चार मृतकों में विश्वविद्यालय के तीन छात्र और चौथा व्यक्ति बाहरी था। वहीं कोच्चि शहर के पुलिस आयुक्त ए. अकबर ने बताया कि पुलिस की मदद के लिए विश्वविद्यालय की ओर से कोई आधिकारिक अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ था। शुरुआती कार्यवाही पूरी होने के बाद तीन विद्यार्थियों अतुल थांबी, अन्न रुफथा और सारा थॉमस के शवों को विश्वविद्यालय परिसर लाया गया। घटना में मारा गया चौथा व्यक्ति पलक्कड़ का रहने वाला अल्विन था। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी. डी. सतीसन और केंद्रीय विदेश राज्य मंत्री वी. मुरलीधरन ने हादसे में मारे गए लोगों के प्रति शोक जताया।

न्यायिक सेवा में रुचि ...

आवश्यकता है। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि एक अखिल भारतीय न्यायिक सेवा हो, जो प्रतिभाशाली युवाओं का चयन करे और निचले स्तर से लेकर उच्च स्तर तक अपनी प्रतिभा को बढ़ावा दे सकती है। राष्ट्रपति ने कहा कि जो लोग न्यायिक सेवा करने की इच्छा रखते हैं, उन्हें प्रतिभा का बड़ा पूल बनाने के लिए देश भर से चुना जा सकता है। राष्ट्रपति ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसी प्रणाली कम प्रतिनिधित्व वाले सामाजिक समूहों को भी अवसर प्रदान कर सकती है। उन्होंने आगे कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रतिभाशाली बच्चों को न्यायपालिका में आसानी से प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए और अधिक प्रयास होने चाहिए। द्रौपदी मुर्मु ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद मुझे कई केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों, आईआईटी और आईआईएम सहित अन्य संस्थानों का दौरा करने का मौका मिला। मैं बहुत भाग्यशाली हूं क्योंकि मैं वहां के बच्चों के साथ बातचीत करती हूं। वे बहुत प्रतिभाशाली हैं। मैं कभी-कभी उनसे पूछती हूं कि वे क्या बनना चाहते हैं। कुछ कहते हैं आईएएस, आईपीएस और अन्य कहते हैं कि वे न्यायपालिका में जाना चाहते हैं। कुछ करने की जरूरत है ताकि वे न्यायपालिका में आसानी से आ सकें।

मुसलमानों की बढ़ती...

एक लाख स्थान पर हनुमान चालीसा का पाठ शुरू करवाया जा रहा है। उन्होंने हिंदू हेल्पलाइन, एक मुट्ठी अनाज जैसी तमाम योजनाओं की जानकारी भी दी। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में हाल ही में आतंकी गतिविधि मिलने के मामले पर उन्होंने कहा कि अगर जल्द इसका इलाज नहीं किया गया तो फिलिस्तीन जैसा हाल होगा। इसलिए हर स्कूल में मिलिट्री ट्रेनिंग जरूरी कर दी जाए। अयोध्या में बन रहे रामलला के मंदिर पर बोलते हुए कहा कि यह बहुत खुशी का पल है। आज साढ़े 4 सौ साल बाद राम मंदिर बन रहा है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन के वक्त हमने हिंदुओ से सिर्फ सवा रुपए मांगे थे जिससे आठ करोड़ से अधिक रुपए जमा हुए थे, उन्हीं रुपयों से पत्थर आ रहे हैं और राम मंदिर बन रहा है।

देहरादून में मिले ...

सांसद एवं राष्ट्रीय संस्मारक प्राधिकरण भारत सरकार के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री तरुण विजय के नेतृत्व में पुरातत्व विशेषज्ञों की टीम चकराता रोड स्थित झाझरा पहुंची और प्राचीन नागर शैली के मंदिर के अवशेषों में उत्कीर्ण स्तंभ, आमलक, महिषासुर मर्दिनी का कृष्ण वर्णी ग्रेनाइट में अंकित मूर्ति, प्राचीन मृद्भांड खण्ड एवं अनेक शिलाखंड मिले, जो संभवत: मंदिर में प्रयुक्त हुए होंगे। पुराविशेषज्ञों का कहना है कि प्रथम दृष्ट्या ये अवशेष 15वीं—16वीं शती के मंदिर का संकेत देते हैं। परंतु कुछ भी निर्णायक कहना व्यापक परीक्षण तथा उत्खनन के बाद ही संभव होगा। श्री तरुण विजय ने इस ओर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) संस्कृति मंत्री श्री किशन रेड्डी और देवभूमि के यशस्वी संस्कृति रक्षक मुख्य मंत्री पुष्कर सिंह धामी का ध्यान आकृष्ट करते हुए तुरंत मंदिर क्षेत्र में उत्खनन कार्य प्रारंभ किया जाए, ताकि अन्य अवशेष भी प्राप्त हो सकें। उन्होंने वर्तमान मंदिर की सुरक्षा हेतु तुरंत व्यवस्था करने का आग्रह भी किया।

देश छोड़ने के ...

बिना दस्तावेज वाले विदेशियों पर कार्रवाई की घोषणा करते हुए लगभग 20 लाख अपंजीकृत अफगानों को देश छोड़ने की समय सीमा 1 नवंबर तय की थी। समय सीमा बीतने के साथ ही पाकिस्तान ने बिना दस्तावेज वाले अफगानों का बड़े पैमाने पर निर्वासन शुरू कर दिया। अगस्त 2021 में काबुल में तालिबान के कब्जे के बाद से सही दस्तावेजों के बिना या खत्म समय वाले वीजा के साथ हजारों अफगानी पाकिस्तान में हैं। वे सभी पश्चिमी देशों में अपने जीवन को फिर से शुरू करने का इंतजार कर रहे हैं। उनमें से अधिकांश ने पश्चिमी सरकारों और संगठनों के साथ काम किया है और मानवीय आधार पर पुनर्वास के पात्र हैं। अमेरिकी सरकार अपने देश में लगभग 25,000 अफगानों को बसाने की योजना बना रही है। जबकि ब्रिटेन ने कहा है कि वह 20,000 लोगों का पुनर्वास करेगा। पाकिस्तान में पांच वरिष्ठ पश्चिमी राजनयिकों ने कहा कि पाकिस्तान में निकास के लिए परमिट शुल्क अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अभूतपूर्व था और यह अफगान शरणार्थियों के लिए एक झटके के रूप में आया था। एक राजनयिक ने कहा कि उनको पता है कि पाकिस्तान की आर्थिक हालत बहुत खस्ता है, लेकिन शरणार्थियों से पैसा कमाने की कोशिश करना वास्तव में बहुत अजीब है।

भारत आर्थिक, सांस्कृतिक ...

रहा है। यह एक नए युग में प्रवेश कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को गुलाम बनाने वालों ने हमारी असली ताकत ज्ञान, ध्यान, योग, आयुर्वेद जैसी कई महत्वपूर्ण परंपराओं पर हमला बोला था। इसका देश को बहुत नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन अब समय बदल रहा है और भारत भी बदल रहा है। ये भारत की आजादी का अमृतकाल है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम अपनी इस विरासत को एक अभूतपूर्व ऊंचाई पर ले जाएं। इसमें श्री रामचंद्र मिशन और उससे जुड़े साधकों की, आप सबकी बहुत बड़ी भूमिका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत काल के इस दशक में हमारा ध्यान महिला, युवा, श्रम और उद्यम क्षेत्र पर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मानवता के लिए कमलेश डी. पटेल ने जो काम किया वह अद्भुत है। हमारी सरकार को उनके योगदान को पद्म पुरस्कार से सम्मानित करने का सौभाग्य मिला। आजकल हमने पद्म पुरस्कारों की ऐसी परंपरा बना दी है कि पुरस्कार स्वयं सम्मानित हो जाते हैं।

सामाजिक बदलाव की ...

उन्होंने प्रत्येक भारतीय के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अधिकारों की गारंटी दी। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। वर्तमान शासन संविधान प्रदत्त सभी स्वतंत्रताओं को कुचलने और कम करने के लिए हरसंभव तरीका इस्तेमाल कर रहा है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने संविधान दिवस के अवसर पर यह टिप्पणी की। दरअसल, आज ही के दिन 1949 में भारत ने संविधान को अपनाया था। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया, सामाजिक बदलाव की आड़ में नफरत परोसी जा रही है। उन्होंने कहा कि असहमति को दबाया जा रहा है, संस्थानों को सत्तावादी व्यवस्था लागू करने के बड़े खेल में मोहरा बनने की कगार पर धकेला जा रहा है और सामाजिक बदलाव की आड़ में नफरत परोसी जा रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा-आरएसएस पर संविधान पर व्यवस्थित और तीक्ष्ण हमला करने का आरोप लगाया और लोगों से विभाजन और नफरत की राजनीति के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया।

इजराइली जहाज पर...

समझौते के तहत चार दिवसीय युद्ध विराम प्रभावी हो गया है। हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों और इजराइल में कैद फिलीलस्तीनी नागरिकों की इस युद्ध विराम की अवधि में अदला-बदली की जा रही है। अमेरिका के एक रक्षा अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि ऐसा संदेह है कि अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में माल्टा के ध्वज वाले पोत को बम से लैस त्रिकोण आकार के शहीद-136 ड्रोन ने निशाना बनाया। ड्रोन में विस्फोट के कारण पोत को नुकसान हुआ, लेकिन चालक दल का कोई सदस्य हताहत नहीं हुआ। अधिकारी ने कहा कि हम हालात पर निकटता से नजर रख रहे हैं। अधिकारी ने यह बताने से इनकार कर दिया कि अमेरिकी सेना ऐसा क्यों मानती है कि हमले के पीछे ईरान का हाथ है। राजनीतिक रूप से ईरानी समर्थित लेबनानी आतंकवादी समूह हिजबुल्ला से संबद्ध *अल-मायादीन* अरब उपग्रह चैनल ने कहा कि हिंद महासागर में एक इजराइली पोत को निशाना बनाया गया है। चैनल ने इसे लेकर अज्ञात स्रोतों का हवाला दिया, जिसे बाद में ईरानी मीडिया ने भी उद्धृत किया। सायमी का स्वामित्व सिंगापुर स्थित ईस्टर्न पैसिफिक शिपिंग के पास है, जो इजराइली अरबपति इदान ओफर द्वारा नियंत्रित कंपनी है। फ्रांस के मार्सिले में स्थित प्रमुख जहाजरानी कंपनी *सीएमए सीजीएम* ने इस मामले में फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की है।

सेवा नियमित होने से शिक्षकों को लाभ होगा : डॉ. रनोज पेगू

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू ने कहा है कि शिक्षकों की सेवा नियमित होने से उनकी सामाजिक और पारिवारिक सुरक्षा होगी। अवकाश प्राप्ति के बाद उन्हें पेंशन की सुविधा मिलेगी तथा उनकी मृत्यु पर उनके परिवार को पेंशन मिलेगा। शिक्षा मंत्री आज गुवाहाटी में मीडिया से बातचीत करते हुए ये बातें कही। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि इसमें शिक्षकों का कोई नुकसान नहीं है। सरकार नियम और कानून के दायरे में रहकर ही कार्य कर सकती है। जब भी कोई नियुक्ति होगी तो वह नियुक्ति की तिथि से ही प्रभावी मानी जाएगी। उन्होंने कहा कि शिक्षकों का यह सोचना गलत है कि आज की तिथि से उनकी नियुक्ति होने से उनका कोई

नुकसान होगा। उल्लेखनीय है कि सरकार द्वारा राज्य के सभी कांट्रैक्चुअल शिक्षकों की सेवा नियमित करने की घोषणा की गई है। इस दिशा में काम चल रहा है। लेकिन, शिक्षक इस बात को लेकर मानने को तैयार नहीं हैं कि उनकी वरीयता समाप्त हो जाएगी। शिक्षकों की मांग है कि जिस तिथि से वे नौकरी कर रहे हैं तभी से उन्हें वरीयता दी जानी चाहिए। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में शिक्षा मंत्री पेगू ने कहा कि बोड़ोलैंड में भाजपा का गठबंधन यूपीपीएल के साथ है। भाजपा चाहती है कि भाजपा के साथ-साथ यूपीपीएल भी मजबूत बने। उन्होंने कहा कि गठबंधन काफी मजबूत है और चुनाव में इसका असर निश्चित रूप से दिखेगा।

रंगिया रेलवे स्टेशन पर *मन की बात* का प्रसारण

रंगिया (विभास)। देश के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का लोकप्रिय कार्यक्रम *मन की बात* हर महीने के अंत में आकाशवाणी द्वारा प्रसारित किया जाता रहा है। इस कार्यक्रम को रंगिया रेलवे द्वारा स्टेशन प्रांगण में जनता के लिए बड़े पर्दे पर दिखाने की व्यवस्था की गई। जिसमें रंगिया रेल समंडल के अतिरिक्त मांडलिक रेल प्रबंधक आर एस वाढले, मांडलिक वाणिज्यिक प्रबंधक दीपांकर गोगोई, मांडलिक वाणिज्यिक निरीक्षक हृषिकेश डेका सहित अन्य रेलवे अधिकारी और रेलवे कर्मचारियों और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों उपस्थिति देखी गई। प्रसारित मन की बात कार्यक्रम स्वच्छ भारत के विभिन्न उत्सव, महिला सबलीकरण, नृत्य, डिजिटल लेनदेन आदि मूल संदर्भ द्वारा प्रदान किया गया जोकि जनता के लिए काफी प्रेरणादायक था।

सीआरपीएफ का सिविक एक्शन कार्यक्रम संपन्न

गुवाहाटी। सीआरपीएप देश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ जन सेवा कार्यों में भी अपना कर्तव्य बखूबी से निभाता रहा है। सीआरपीएफ द्वारा सिविक एक्शन कार्यक्रम करने का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों के साथ सुमधुर संबंध स्थापित करना एवं उनके मन में बल के प्रति सद्भावना व विश्वास बनाए रखना है। इसी क्रम में सीआरपीएफ की 175वीं वाहिनी ने अपने कर्तव्य का निष्ठापूर्वक पालन करते हुए रानी बाजार के नजदीक रानी उच्च विद्यालय में गत शनिवार को सिविक एक्शन कार्यक्रम के तहत 175 बटालियन द्वारा निर्मित साईकल स्टैंड तथा नवीनीकृत शौचालय एवं बाथरुम का लोकार्पण किया। उपस्थित अध्यापक, विद्यार्थी एवं जन समूह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राजीव कुमार झा, कमांडेंट-175

बटालियन केरिपु बल ने कहा कि 175वी बटा. अपने क्षेत्र में जनोन्मुखी कार्यक्रम करती आ रही है और भविष्य में यह अभियान जारी रहेगा। इस अवसर पर दीपक शर्मा, प्रधानाध्यापक, रानी उच्च विद्यालय, विद्यालय के अन्य शिक्षक, विद्यार्थी एवं स्थानीय नागरिक के अलावा रवि श्रीवास्तव, उप कमांडेंट, श्रीमती दीप्ती बुरले, विरिष्ट चिकित्सा अधिकारी, जय प्रकाश कुमार, सहा. कमा., सुवेदार मेजर, एसएल अरुण कुमार, अधिनस्थ अधिकारी व अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

फकीराग्राम में यूपीपीएल की ज्वाइनिंग सभा में 3000 से अधिक कार्यकर्ता शामिल हुए

कोकराझाड़ (विभास)। जिले के फकीराग्राम स्थित पुरानीबाजार मैदान में आज यूपीपीएल फकीराग्राम ब्लॉक समिति के नेतृत्व में एक विशाल ज्वाइनिंग सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में मुख्य अतिथि के रूप में बीटीआर प्रमुख प्रमोद बोड़ो उपस्थित थे। साथ ही बीटीआर के कार्यकारी सदस्य रंजीत कुमार बसुमतारी, अखिल मुसाहारी, यूपीपिएल साधारण सचिव एवं एमसीएलए माधव छेत्री सहित कई यूपीपीएल नेतागण उपस्थित थे। इस ज्वाइनिंग सभा में लगभग 5000 लोग उपस्थित थे। सभा में लगभग विभिन्न दलों से आए 3000 से भी अधिक कार्यकर्ताओं ने यूपीपीएल का दामना थामा। सभा में जिला यूपीपीएल अध्यक्ष एवं विधायक लोरेंस इस्लारी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। वहीं इस ज्वाइनिंग सभा को संबोधित करते हुए बीटीआर के चीफ प्रमोद बोड़ो नें कहा कि यूपीपीएल दल अपना उद्देश्य और लक्ष्य में सौ प्रतिशत हम सफल होंगे। वही पत्रकारो के साथ हुए इंटरव्यूव में बीटीआर चीफ प्रमोद बोड़ो नें कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर सभी दल अपना-अपना तैयारियों में जुटी हुई है। वहीं हमारी दल ने आगामी लोकसभा चुनाव में भाजप व एजीपी तथा जीएसपी के साथ एकजुट होकर चनाव लड़ेगी। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न दलों से आए सभी कार्यकर्ताओं का सम्मानि किए गए।

पूर्वोत्तर की कृषि खेती में क्रांति ला रहा बीवीएफसीएल की ड्रोन और नैनो यूरिया प्रौद्योगिकी

गुवाहाटी (हिंस/विभास)। पूर्वोत्तर की कृषि खेती में क्रांति ला रहा ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल) की ड्रोन और नैनो यूरिया प्रौद्योगिकी पर आयोजित जागरूकता भरे कार्यक्रम। एक अभूतपूर्व पहल में, ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल) ने पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों सहित त्रिपुरा में कृषि और किसान कल्याण विभाग के सहयोग से, वाइब्रेंट भारत-सीड-ग्रोइंग यूथ के दौरान किसान ड्रोन का एक परिवर्तनकारी प्रदर्शन शुरू किया है। विकसित भारत संकल्प यात्रा (वीबीएसवाई) का आयोजन मांडवी में किया गया, जहां अंदरूनी ग्रामीण इलाके के बड़ी संख्या में कृषक लाभांग्वित हुए। यह अभिनव प्रयास ड्रोन के माध्यम से तैनात अत्याधुनिक नैनो यूरिया तकनीक का परिचय देता है, जो कृषि परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। पीएम प्रणाम योजना के पर्यावरण-अनुकूल सिद्धांतों के अनुरूप, इस

पहल का उद्देश्य मिट्टी के स्वास्थ्य को संरक्षित करते हुए एक सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करना है। नैनो यूरिया जैवउर्वरक के रूप में कार्य करते हुए पर्यावरण के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध स्थापित कर अपनी अलग पहचान बनाता है। हाल के प्रदर्शन ने ड्रोन के माध्यम से लागू होने पर इसकी उल्लेखनीय प्रभावशीलता और स्थायित्व को प्रदर्शित किया, जिससे किसानों को मैन्युअल श्रम का एक कुशल विकल्प मिला। आश्चर्यजनक रूप से, विशाल एकड़ कृषि भूमि को अब कुछ ही मिनटों में कवर किया जा सकता है, जिससे खेती की प्रक्रिया सुव्यवस्थित हो जाती है और उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। त्रिपुरा सहित पूर्वोत्तर राज्यों में, जहां कृषि अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, स्थानीय समुदाय ने इस परिवर्तनकारी तकनीक को अपनाने में गहरी रुचि व्यक्त की है। किसान कुशल और पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं की संभावना से विशेष रूप से उत्साहित हैं, जो क्षेत्र की अद्वितीय कृषि आवश्यकताओं के अनुरूप इन प्रगतियों को अपनाने की इच्छा प्रदर्शित करते हैं। जैसे-जैसे पूर्वोत्तर भारत के कृषि परिदृश्य पर विजय का झंडा फहराया जा रहा है, ड्रोन प्रौद्योगिकी और नैनो यूरिया का एकीकरण इस क्षेत्र को अधिक टिकाऊ और उत्पादक कृषि भविष्य की ओर ले जाने के लिए तैयार है। इस पहल की सफलता न केवल किसानों की जीत का प्रतीक है, बल्कि एक हरित और अधिक समृद्ध कल के लिए तकनीकी नवाचारों को अपनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का भी प्रतीक है।

ड्रग्स के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। दक्षिण कामरूप के सोनतली में पुलिस ने ड्रग्स के विरुद्ध सघन अभियान चलाया। सोनताली पुलिस ने आज बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर सेलेसुती में ड्रग्स के खिलाफ की गई इस कार्रवाई में शाहजहान अली को भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शाहजहान अली को ड्रग्स के साथ उस समय गिरफ्तार किया, जब वह अपने घर में ड्रग्स पैक कर रहा था। पुलिस ने उसके पास से 58 कंटेनर जब्त किए, जिसमें 4.370 ग्राम ड्रग्स था। इस सिलसिले में पुलिस द्वारा कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

रंगिया : संदिग्ध हेरोइन के साथ एक गिरफ्तार

रंगिया (विभास)। रंगिया पुलिस ने रविवार को एक गुप्त सूचना के आधार पर रंगिया थाना के अंतर्गत उदीयाना गांव में समारुन अली के पुत्र अजेश अली (उम्र 26 वर्ष) के घर तलाशी अभियान चलाया और इस दौरान पुलिस ने उसके घर से एक साबुन का डिब्बे में 12 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की। रंगिया पुलिस द्वारा अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है और अधिक तथ्य के लिए उससे पूछताछ कर रही है।

होजाई में शाम उत्सव सोल्लास संपन्न

होजाई (निसं)। सावरिया भक्त मंडल के बैनरतले एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ बाबा श्याम का जन्मोत्सव बड़े ही धूम धाम के साथ शुक्रवार व शनिवार को मनाया गया। उक्त अवसर पर आयोजित एक विशाल निशान पद यात्रा का शुभारंभ वरिष्ठ पत्रकार निरंजन सरावगी एवं रमेश मुंदड़ा द्वारा झंडा दिखाकर किया गया। निशान यात्रा स्थानीय लक्ष्मी नारायण मंदिर से प्रारंभ होकर कृष्णा नगर, कॉलेज रोड, जेके केडिया रोड भीमसरिया रोड, लालपट्टी मस्जिद रोड होते हुए नया बाजार स्थित बाबोसा दुर्गा मंदिर में समापन किया गया। निशान यात्रा के दौरान मुरादाबाद से पधारे कलाकारों द्वारा हनुमान, शिव पार्वती एवं राधा कृष्ण रूप धारण कर नृत्य एवं विभिन्न तरह की झाकियां प्रस्तुत की गई। संध्या कालीन बेला में कोलकाता से पधारे सुप्रसिद्ध भजन गायक राहुल शर्मा एवं स्थानीय कलाकारों द्वारा भजन गाकर शमा बांध दिया, जिससे भक्त गण झूम उठे। समारोह का समापन श्याम रसोई के साथ किया गया। समारोह को सफल बनाने में मंडल के सदस्य अनिल भीमसरिया, प्रताप क्याल, प्रमोद मोर राजेश केजरीवाल, मोहन मोर, संजय मुरारका, ललित बोरा, मनोज शर्मा, कैलाश मोर के अलावा सभी समाज बंधुओं एवं महिलाओं का विशेष सहयोग रहा।

आचार्य प्रमुख सागर महाराज ससंघ ने उलुबाड़ी गांधी मंडप का भ्रमण किया

गुवाहाटी। भगवान महावीर धर्म स्थल में चातुमार्सिक प्रवास के दौरान ससंघ विराजित असम के राज्यकीय अतिथि आचार्य प्रमुख सागर महाराज शनिवार को साय:काल ससंघ भ्रमण करते हुए उलुबाड़ी गांधी मंडप पहुंचे। वहां उपस्थित मंडप के सदस्यों ने आचार्य श्री ससंघ को मंडप का भ्रमण कराया। आचार्य श्री ने मंडप में स्थापित गांधी जी की कलाकृतियों की तहे-दिल से तारीफ की एवं वहां उपस्थित सभी लोगों को अपना मंगल आशीष प्रदान कर राष्ट्रीय गान गाया। तत्पश्चात

आचार्य श्री ससंघ ने मंडप से प्रस्थान कर कमल कुमार गंगवाल के निवास द्वारकाश एनक्लेव में रात्रि विश्राम किया। प्रचार प्रसार संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि रविवार को प्रात: 6:00 ससंघ द्वारका एनक्लेव से प्रस्थान कर रिहाबाड़ी स्थित चंद्र प्रभु दिगंबर जैन चैत्यालय पहुचें जहां ससंघ द्वारा विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों काश आयोजन किया गया। प्रचार प्रसार सह संयोजक सुनील कुमार सेठी ने बताया कि दोपहर 2 आचार्य श्री ससंघ ने रिहाबाड़ी से प्रस्थान कर फैंसी बाजार स्थित भगवान महावीर धर्म स्थल पहुचें। इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोगों के अलावा मंडप के सदस्य एवं कई स्थानीय लोग उपस्थित थे।

मालीगांव गौशाला में एकदिवसीय गोपाष्टमी मेला संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। श्री गौहाटी गौशाला की मालीगांव शाखा में एकदिवसीय गोपाष्टमी मेला का आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर गौशाला समिति के सदस्यों ने गौ माता को घास, रोटी गुड़ आदि खिलाया। मेला के संयोजक गौतम शर्मा ने बताया कि 109 वर्षीय पुरानी इस गौशाला में काफी वर्षों से मेले के आयोजन को स्थगित रखा गया था। मगर स्थानीय बासिंदो की मांग पर गत 2 वर्ष से यह मेला पुन: शुरू हो गया। इस मेले में 28 स्टॉल लगे हुए हैं। जिसमें डिजाइनदार वस्त्र, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, बच्चों के खेल खिलौने एवं अन्य रोजमर्रा की उपयोगी सामग्री के स्टॉल लगे हुए थे। बच्चों के लिए झूले की व्यवस्था भी की गई है।

श्रद्धालु घास बिक्री केंद्र से घास खरीद कर गौ माता को खिलाकर उनकी पूजा भी कर रहे हैं। पारीक सभा ने मेले में आगंतुक लोगों के लिए नि:शुल्क पेयजल सेवा का शिविर भी लगाया है। स्टॉलों में गीता प्रेस की धार्मिक पुस्तक, इस्कॉन मंदिर की स्टॉल भी लगाई हुई है। तेरापंथ युवक परिषद ने पूछताछ केंद्र की जिम्मेदारी लेकर सक्रिय सहयोग दिया। स्थानीय पुलिस प्रशासन ने मेले में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए हैं। यातायात पुलिस ने भी नो एंट्री के जरिए यातायात को नियंत्रित किया। मेले में गौशाला के ट्रस्टी चैयरमेन कैलाश लोहिया ट्रस्टी दीनदयाल सावोटिया, गौशाला के अध्यक्ष जयप्रकाश गोयंका, सचिव प्रदीप भुवालका, मेला संयोजक गौतम शर्मा के अलावा रामअवतार बुड़ाकिया, नवीन सिंघल, प्रमोद हरलालका लाला, विजय हरलालका, अनिल थर्ड, महेश झुरिया, शिव प्रसाद भीमसरिया, प्रेम कायल, गौरव सावोटिया, मनोज जालान, सुनील अजीतसरिया, विकास गुप्ता, रमेश चाचान, समित सराफ, के आर चौधरी, गोपाल बजाज, संजय मोर पप्पू, सुदेश जैन मुन्ना, रमेश पारीक, दिनेश पारीक, आदर्श शर्मा, संजय तुलस्यान के अलावा अन्य कई सक्रिय सदस्यों ने उपस्थित रहकर मेल को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया।

मणिपुर में हथियार के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

कछार (हिंस)। जिरीघाट थानांतर्गत लखीनगर इलाके में हथियार के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। जिरीघाट पुलिस ने आज बताया कि विशिष्ट सूचना के आधार पर जिरीघाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत लखीनगर में 29वीं असम राइफल के साथ एक संयुक्त अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान हेनलेनमांग ल्होवुम (26) सेनापति, मणिपुर को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक .32 एमएम पिस्तौल के साथ पांच राउंड कारतूस से भरी एक मैगजीन जब्त की गई। पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। आगे की जांच जारी है।

गौहाटी उच्च न्यायालय में मनाया गया संविधान दिवस

गुवाहाटी (हिंस)। गौहाटी उच्च न्यायालय ने गौहाटी उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन और गौहाटी उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के सहयोग से आज अपने ओल्ड ब्लॉक परिसर में *संविधान दिवस* मनाया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति एमआर पाठक, न्यायमूर्ति अजीत बरठाकुर, न्यायमूर्ति मनीष चौधरी, न्यायमूर्ति एसके मेधी, मिजोरम के महाधिवक्ता दिगंत दास और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर आयोजित एक भव्य समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने भारतीय संविधान और इसकी रक्षा से जुड़े पहलुओं पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला।

भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी महिला मोर्चा की बैठक संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी महिला मोर्चा (पूर्वोत्तर) की बैठक शनिवार को धीरेनपाड़ा में आयोजित की गई। भारतीय अटल सेना राष्ट्रवादी महिला मोर्चा (पूर्वोत्तर) की प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती संतोष शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में बड़ी संख्या में सदस्याओं ने हिस्सा लिया। सभा के शुभारंभ में प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती शर्मा ने सभी सदस्याओं का स्वागत करते हुए अब तक किए गए मानव सेवा कार्यों के लिए सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस बैठक में आगामी 25 से 31 दिसंबर के बीच पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिवस को अटल सेवा सप्ताह के रूप में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मनाने का निर्णय लिया गया। अटल सेवा सप्ताह के तहत संस्था की सदस्याओं ने महानगर के विभिन्न इलाके स्थित वृद्धाश्रम, विद्यालय, अस्पताल, सरकारी कार्यालय, अनाथाश्रम सहित अन्य जगहों पर विभन्न सेवामूलक कार्य संपादित करेंगी। इस सभा में उपस्थित सदस्याओं ने भी अपने-अपने सुझाव दिए। अंत में धन्यवाद ज्ञापन सचिव डिम्पल शर्मा ने किया।

दरंग से ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

दरंग (हिंस)। जिले के दलगांव विधानसभा क्षेत्र के लालपुल से एक ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने हिरासत में लिए गए ड्रग तस्कर के पास से 18 कंटेनर ड्रग्स और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। एक गुप्त सूचना के आधार पर दलगांव थाने के निरीक्षक राजीव बरुवा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक मानस प्रतिम शर्मा सहित पुलिस टीम ने शनिवार की रात को लालपुल से अलमास अली को उस समय गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की, जब वह मोटरसाइकिल (एएस-13आर-5443) पर मादक पदार्थ ले जा रहा था।

ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

नगांव (हिंस)। कामपुर के गुइमारी में विष्णु मंदिर के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने आज बताया कि मृतक की पहचान ककटी गांव के हजरत अली के रूप में हुई है। रेल पटरी को पार करने के दौरान यह घटना घटी।

सालासर धाम की अखंड ज्योत गुवाहाटी गौशाला पहुंची, दर्शन को उमड़ा जन-सैलाब

गुवाहाटी (विभास)। गणेशगुड़ी में नवनिर्मित श्रीश्री हनुमान मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन विगत 23 नवंबर से प्रारंभ होकर 27 नवंबर तक अनेको धार्मिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के समावेश के साथ धूमधाम से आयोजित किया जा रहा है। जहां प्रतिष्ठित करने के लिए राजस्थान के प्रसिद्ध देवस्थान सालासर धाम की अखंड दिव्या ज्योति को सालासर से रथ के द्वारा गुवाहाटी पहुंचाया गया। इस रथ का रास्ते में विभिन्न देवस्थान खाटू श्याम जी, अयोध्या राम मंदिर आदि अनेक स्थानों में दिव्य ज्योति का स्वागत और आरती भी उतरी गई। दिव्य ज्योति कामाख्या धाम से गुवाहाटी गौशाला पहुंचने पर नगर की विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के सदस्यों ने ज्योति का दर्शन कर आरती उतारी। इस अवसर पर नवनिर्मित गणेशगुड़ी हनुमान मंदिर के अध्यक्ष रोमेश दास ने कहा कि गणेशगुड़ी गणेश मंदिर न्यास तीन वर्ष से हनुमान मंदिर निर्माण के कार्य में लगा हुआ है। जिसमें असमिया हिंदी भाषी लोगों की अहम भूमिका रही है। सबसे खुशी की बात यह है कि राजस्थान के सालासर मंदिर से बाबा की अखंड दिव्य ज्योति इस मंदिर में स्थापित होने जा रही है। यह ज्योति गुवाहाटी से सालासर पहुंच चुकी है और गुवाहाटी गौशाला में अखंड ज्योति का भव्य स्वागत और आरती का कार्यक्रम

चल रहा है। नवनिर्मित हनुमान मंदिर असमिया मारवाड़ी समाज के बीच भाईचारे का संदेश देता है। समिति के सक्रिय सदस्य दीपक पोद्दार ने अखंड दिव्य ज्योति रथ यात्रा का वर्णन करते हुए कहा कि 26 नवंबर को सुबह 8.15 बजे कामाख्या धाम से सात नंबर गेट कुमारपारा पांचाली होते हुए 9 बजे गौहाटी गौशाला में कल्याणकारी ज्योति रथ पूजन एवं आरती के बाद 10.15 बजे गुवाहाटी गौशाला से आर्य नगर, उलुबाड़ी होते हुए लाचित नगर हनुमान मंदिर 10.30 बजे ज्योत पहुंचेगी जहां आरती के पश्चात 10.45 बजे वहां से हनुमान क्रिस्तान बस्ती में ज्योत का स्वागत 11 ग्रहण करते हुए 11.30 बजे गणेशगुड़ी चाराली आएगी। जहां से पैदल अखंड ज्योत को गाजे बाजे आतिशबाजी के साथ नाचते गाते हुए फूलो की चादर की छांव में श्री श्री हनुमान मंदिर गणेशगुड़ी लाया जायेगा। इस जोत को नवनिर्मित गणेशगुड़ी हनुमान मंदिर में स्थापित किया जाएगा। अखंड दिव्य ज्योति का लाचित नगर हनुमान मंदिर में भी भव्य स्वागत किया गया। गौशाला लाचित नगर एवं गणेशगुड़ी में अखंड ज्योति के दर्शन व आरती में भाग लेने वाली संस्थाओं में प्रमुख बाबा रामदेव भक्त संगम गुवाहाटी, गोलोक परिवार गुवाहाटी, श्री खाटू श्याम मंडल, दिसपुर, श्री ढांढन शक्ति सेवा समिति, श्री ढांढन शक्ति महिला समिति, श्री महावीर भक्त मंडल, श्री रामदेवरा भक्त मंडल, श्री जानकी बल्लव मंदिर दिसपुर, जीएलपी सोशल सर्किल, श्री लाचित नगर हनुमान मंदिर, गणेश जन्मोत्सव समिति दिसपुर, लायंस क्लब गुवाहाटी गोल्ड, श्री मारुति मंडल दिसपुर, गोपिका सत्संग समिति, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन, श्री ढांढन शक्ति सत्संग समिति, श्री ढांढन शक्ति महिला समिति, मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा, असम माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, असम बैद्यनाथ कावड़िया सेवा समिति, शाकम्बरी भक्त मंडल गुवाहाटी, असम बैद्यनाथ युवा कांवर संघ, मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा, अग्रवाल युवा परिषद गुवाहाटी, सखी संगम, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन, मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी महिला शाखा, श्री मानस मण्डल, गौड़ महिला समिती, अटल सेना महिला मोर्चा, .श्री श्याम परिवार गुवाहाटी, श्री हाथीगढ़ बालाजी भक्त मंडल, श्री बालाजी भक्त मंडल, गणेशगुड़ी शांतिगामी महिला समिति, माहेश्वरी सभा, मारवाड़ी महिला एकता मंच, श्री पोद्दार मदल भवानी, श्री श्याम दरबार के अलावा अन्य कहीं संस्थाएं उपस्थित थी।

राष्ट्र निर्माण में जब सबका साथ होगा तभी सबका विकास संभव : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में जब सबका साथ होता है, तभी सबका विकास भी हो पाता है। हम इसी भाव से आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मासिक रेडियो कार्यक्रम "मन की बात" के 107वें संस्करण में रविवार को कहा कि उन्हें संतोष है कि संविधान निमार्ताओं के उसी दू-रदृष्टि का पालन करते हुए, अब भारत की संसद ने "नारी शक्ति वंदन अधिनियम" को पास किया है। ये विकसित भारत के हमारे संकल्प को गति देने में सहायक होगा। हम सबका साथ सबका विकास के संकल्प भाव से आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस दौरान हंसा मेहता की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह भी बहुत प्रेरक है कि संविधान सभा के कुछ सदस्य मनोनीत किए गए थे, जिनमें से 15 महिलाएं थीं। ऐसी ही एक सदस्य हंसा मेहता ने महिलाओं के अधिकार और न्याय की आवाज बुलंद की थी। उस दौर में भारत उन कुछ देशों में था, जहां महिलाओं को संविधान से वोटिंग का अधिकार दिया गया। मोदी ने कांग्रेस का बिना नाम लिए उनके नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि समय, परिस्थिति, देश की आवश्यकता को देखते हुए अलग-अलग सरकारों ने अलग-अलग समय पर संविधान संशोधन किए, लेकिन ये भी दुर्भाग्य रहा कि संविधान का पहला संशोधन कर लोगों के बोलने के अधिकार और अभिव्यक्ति के अधिकार पर आघात किया गया। वहीं संविधान के 44वें संशोधन के जरिए आपातकाल के दौरान की गई गलतियों को सुधारा गया था। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों में स्वदेशी समान को लेकर जागरुकता बढ़ी है। देश में वोकल फॉर लोकल अभियान ने लोगों को स्वदेशी सामानों की खरीद के लिए जागरुक किया है। बीते कुछ दिनों के भीतर ही दीपावली, भैया दूज और छठ पर देश में चार लाख करोड़ से ज्यादा का कारोबार हुआ है और इस दौरान भारत में बने उत्पादों को खरीदने का जबरदस्त उत्साह लोगों में देखा गया।

स्वच्छ भारत अभियान से बदली लोगों की सोच - प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान ने साफ-सफाई और सार्वजनिक स्वच्छता को लेकर लोगों की सोच बदल दी है। यह पहल आज राष्ट्रीय भावना का प्रतीक बन चुकी है, जिसने करोड़ों देशवासियों के जीवन को बेहतर बनाया है। इस अभियान ने अलग-अलग क्षेत्र के लोगों, विशेषकर युवाओं को सामूहिक भागीदारी के लिए भी प्रेरित किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये लगातार दूसरा साल है जब दीपावली के अवसर पर कैश देकर कुछ सामान खरीदने का प्रचलन धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। यानी अब लोग ज्यादा से ज्यादा डिजिटल पेमेंट की ओर बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम की शुरूआत में देशवासियों को संविधान दिवस की बधाई दी और मुंबई हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

आज भारत आर्थिक, सांस्कृतिक और कई क्षेत्रों में बड़ी प्रगति कर रहा है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तेलंगाना के कान्हा शांति वनम में एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के महत्व को रेखांकित करते हुए युवाओं को विकसित भारत के संकल्प से जोड़ने के लिए आध्यात्मिक संस्था से सहयोग मांगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि समृद्धि पैसे और भौतिक चीजों से नहीं आती, यह सांस्कृतिक मूल्यों की मजबूती से भी आती है। आज भारत आर्थिक, सांस्कृतिक और कई क्षेत्रों में बड़ी प्रगति कर रहा है। यह एक नये युग में प्रवेश कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को गुलाम बनाने वालों ने हमारी असली ताकत ज्ञान, ध्यान, योग, आयुर्वेद जैसी कई महत्वपूर्ण परंपराओं पर हमला बोला था। इसका देश को बहुत नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन अब समय बदल रहा है और भारत भी बदल रहा है। ये भारत की आजादी का अमृतकाल है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम अपनी इस विरासत को एक अभूतपूर्व ऊंचाई पर ले जाएं। इसमें श्री रामचंद्र मिशन और उससे जुड़े साधकों की, आप सबकी बहुत बड़ी भूमिका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अमृत काल के इस दशक में हमारा ध्यान महिला, युवा, श्रम और उद्यम क्षेत्र पर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मानवता के लिए कमलेश डी. पटेल ने जो काम किया वह अद्भुत है। हमारी सरकार को उनके योगदान को पद्म पुरस्कार से सम्मानित करने का सौभाग्य मिला। आजकल हमने पद्म पुरस्कारों की ऐसी परंपरा बना दी है कि पुरस्कार स्वयं सम्मानित हो जाते हैं।

गुजरात के मुख्यमंत्री पटेल सात दिन के विदेश प्रवास पर जापान पहुंचे

अहमदाबाद, (हि.स.)। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल रविवार सुबह जापान पहुंचे। वाइब्रेंट गुजरात समिट-2024 के तहत शीर्ष प्रतिनिधिमंडल के साथ वे 7 दिन तक विदेश प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे सिंगापुर भी जाएंगे। इससे पूर्व शनिवार को अयोध्या में रामलला के दर्शन-पूजन के बाद शनिवार शाम मुंबई से वे जापान के लिए रवाना हुए थे। जापान पहुंचने पर मुख्यमंत्री पटेल का भारतीय राजदूत सीबी जॉर्ज और दूतावास के अधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री वाइब्रेंट गुजरात समिट-2024 के प्रमोशन के लिए जापान में कई बड़े उद्यमियों से मिलेंगे। साथ ही अलग-अलग प्रांतों के गवर्नर्स के साथ वन टू वन बैठक करेंगे। इस दौरान रोड शो का भी आयोजन किया जाएगा। गुजरात में अगले साल जनवरी में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट का आयोजन होना है। इसकी तैयारियों के तहत राज्य के बड़े शहरों में रोड शो, समारोहों का आयोजन कर निवेशकों के बीच माहौल बनाया जा रहा है।

इसी के तहत मुख्यमंत्री 2 दिसंबर तक जापान और सिंगापुर के प्रवास पर रहेंगे। मुख्यमंत्री के साथ राज्य के मुख्य सचिव राजकुमार, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव पंकज जोशी, उद्योग-खान विभाग के एसीएस एस जे हैदार, गिफ्ट सिटी के वरिष्ठ प्रतिनिधि, गुजरात की रेसिडेंट कमिश्नर आरती कंवर, इंडेक्स्ट बी के प्रबंध निदेशक गौरांग मकवाणा और मुख्यमंत्री के निजी सिचव नील पटेल भी विदेश प्रवास पर साथ गए हैं। मुख्यमंत्री और उनके साथ जाने वाला अधिकारियों का दल 26 से 30 नवंबर तक जापान में रहेगा। इस-के बाद 1 और 2 दिसंबर को मुख्यमंत्री सिंगापुर में रहेंगे।

आम आदमी पार्टी की स्थापना को 11 साल हुए पूरे

अजय त्यागी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की स्थापना को 26 नवंबर, 2012 को हुई थी, रविवार को उसे पूरे 11 साल हो गए। अन्ना हजारे के आंदोलन से जन्मी यह पार्टी आज दिल्ली और पंजाब में अपनी सरकार चला रही है। स्थापना दिवस पर आआपा के संस्थापक सदस्य और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने 'एक्स' (ट्वीटर) पर पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों को बधाई देते हुए लिखा- ह्यआज ही के दिन साल 2012 में देश के आम आदमी ने उठकर अपनी खुद की पार्टी ह्यआम आदमी पार्टीह्न की स्थापना की थी। तब से लेकर आज तक इन 11 साल में बहुत उतार-चढ़ाव आए, बहुत मुश्किलें भी आई लेकिन हम सबके जज्बे और जुनून में कोई कमी नहीं आई है। एक छोटी सी पार्टी को आज जनता ने अपने प्यार और आशीर्वाद से एक राष्ट्रीय पार्टी में बदल दिया है, जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है, हम सब अपने मजबूत इरादों के साथ आगे बढ़ते रहेंगे और जनता के लिए काम करते रहेंगे। सभी कार्यकताओं को पार्टी के स्थापना दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

ऐसी बनी थी पार्टी - समाजसेवी अन्ना हजारे के नेतृत्व में दिल्ली के रामलीला मैदान में सशक्त लोकपाल, चुनाव सुधार प्रक्रिया और किसानों की मांग को लेकर किए गए आंदोलन में अरविंद केजरीवाल मुख्य रूप से शामिल रहे थे। अरविंद केजरीवाल ने राजनीति में आकर इन्हीं मांगों पर काम करने के उद्देश्य से आम आदमी पार्टी का गठन किया था। 2012 में पार्टी के गठन के बाद 2013 में दिल्ली विधानसभा चुनाव हुए, जिसमें आम आदमी पार्टी ने 28 सीटों पर जीत दर्ज की और कांग्रेस के समर्थन में सरकार बनाई। इसके बाद 2015 तक 'आआपा' ने अपना जनाधार इतना मजबूत कर लिया कि विधानसभा में 70 में से 67 सीटों पर जीत दर्ज कर के सरकार बनाई। वहीं वर्ष 2020 में पार्टी ने विधानसभा चुनाव में 62 सीटें जीतकर सत्ता हासिल की। इतना ही नहीं, पार्टी ने गुजरात विधानसभा और पंजाब विधानसभा चुनाव में मजबूत दावेदारी पेश की। हालांकि गुजरात में तो 'आप' का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा, लेकिन पंजाब में मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को हराकर आम आदमी पार्टी के भगवंत मान ने सरकार बनाकर पार्टी को नया विस्तार दिया।

इन योजना की शुरूआत - दिल्ली में जब अरविंद केजरीवाल चुनाव से पहले अपने वादे में फ्री बिजली, पानी समेत कई योजनाओं की शुरूआत की, तो कई करीबियों ने उनपर कुछ मुद्दों को लेकर आपत्ति जताई। केजरीवाल के मुद्दों से भटक जाने और अकेले फैसले लेने के आरोप लगने लगे। इसके बाद आंदोलन के साथी और पार्टी के संस्थापक सदस्य में रहे प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, प्रोफेसर आनंद कुमार, अजीत झा जैसे नेता पार्टी से अलग हो गए। इस-के कुछ समय बाद डॉ. कुमार विश्वास भी मनमुटाव के चलते पार्टी से अलग हो गए, जिन्हे कभी सीएम केजरीवाल हर मंच पर छोटा भाई बताया करते थे। इसके बाद उन्होंने भले ही खुलकर नहीं, लेकिन इसपर सांकेतिक रूप से कई मंचों पर चर्चा की। हालांकि मनीष सिसोदिया उनके साथ हमेशा रहे, जिन्होंने उप-मुख्यमंत्री की भी कुर्सी संभाली। फिलहाल वह दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में जेल में है।

राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट परिसर में भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का किया अनावरण

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को संविधान दिवस के मौके पर सुप्रीम कोर्ट परिसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनवारण किया। इस मौके पर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल और सुप्रीम के अन्य जज भी मौजूद रहे।

डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा के पास ही राष्ट्रपति और चीफ जस्टिस ने एक-एक पौधा भी लगाया।

दिल्ली में सुबह नौ बजे एक्यूआई रहा 385, सांसों पर संकट बरकरार

अजय कुमार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की हवा में आज (रविवार) में कोई बदलाव नहीं हुआ। सांसों पर संकट बरकरार है। समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। इस बीच पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में होने वाले बदलाव से कुछ राहत मिलने के आसार हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली में आज सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 'गंभीर' श्रेणी में रहा। राजधानी दिल्ली में सुबह नौ बजे एक्यूआई 385 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार पूरे दिन का औसत एक्यूआई शाम चार बजे दर्ज किया जाता है। शनिवार को एक्यूआई 389, शुक्रवार को 415, गुरुवार को 390, बुधवार को 394, मंगलवार को 365, सोमवार को 348 और रविवार (19 नवंबर) को 301 दर्ज किया गया था। बोर्ड के अनुसार शून्य से 50 के बीच

एक्यूआई को 'अच्छा, 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बेहद खराब', 401 और 450 के बीच 'गंभीर' एवं 450 के ऊपर 'अत्यंत गंभीर' श्रेणी में माना जाता है। दिल्ली में नवंबर में अब तक 10 दिन ऐसे रहे हैं जब वायु गुणवत्ता का स्तर 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया।

इसरो का नया अपडेट: आदित्य एल-1 अंतिम चरण में पहुंचा

नई दिल्ली (ईएमएस)। सूर्य मिशन को लेकर भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो) ने बड़ा अपडेट दिया है। इसरो के प्रमुख एस सोमनाथ ने बताया कि आदित्य एल-1 सूर्य के पास निर्धारित अंतिम चरण के काफी करीब पहुंच गया है। एल1 बिंदु में प्रवेश करने की प्रक्रिया सात जनवरी, 2024 तक पूरी होने की उम्मीद है। इसरो प्रमुख ने पहले ध्वनि रॉकेट प्रक्षेपण के 60वें वर्ष के उपलक्ष्य में विक्रम साराबाई अंतरिक्ष केंद्र में आयोजित एक कार्यक्रम के मौके पर कहा आदित्य रास्ते में है। मुझे लगता है कि यह अपने अंतिम चरण में लगभग पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष यान के एल1 बिंदु में प्रवेश की अंतिम तैयारियां लगातार आगे बढ़ रही हैं। सोमनाथ ने कहा एल1 बिंदु में प्रवेश करने की अंतिम प्रक्रिया संभवतः सात जनवरी, 2024 तक पूरी हो जाएगी। आदित्य एल1 दो सितंबर को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) से सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया गया था। इसरो के अनुसार, आदित्य-एल1 125 दिन में पृथ्वी से लगभग 15 लाख किलोमीटर की यात्रा करने के बाद लैग्रेंजियन बिंदु एल1 के आसपास एक प्रभामंडल कक्षा में स्थापित होगा। एल1 बिंदु को सूर्य के सबसे निकट माना जाता है। आदित्य एल1 सूर्य के रहस्य जानने के लिए विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक अध्ययन करने के साथ ही विश्लेषण के वास्ते इसकी तस्वीरें भी धरती पर भेजेगा।

सिलक्यारा निमार्णाधीन सुरंग हादसा : प्लाज्मा कटर पहुंचा सिल्क्यारा, रेस्क्यू ऑपरेशन ने पकड़ी रफ्तार

उत्तरकाशी, (हि.स.)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी की सिलक्यारा निमार्णाधीन सुरंग हादसा को रेस्क्यू ऑपरेशन का आज 15वां दिन है। आज राहत भर खबर आयी है कि हैदराबाद से जो प्लाज्मा कटर मंगाया गया था, वह वहां पर पहुंच चुका है और उसने अपने काम करना शुरू कर दिया है। इसमें टनल में विभिन्न राज्यों के 41 श्रमिक फंसे हुए हैं। गौरतलब है कि पिछले दो दिनों से ऑगर ड्रिलिंग मशीन का कार्य बंद था। अब ऑगर ड्रिलिंग मशीन के फंसे हिस्सों को काटने के लिए ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। उम्मीद है कि जल्द क-टिंग का कार्य पूरा होगा। इसके बाद पारंपरिक तरीके से मैनुअली खुदाई कार्य शुरू किया जायेगा। दिल्ली से पारंपरिक सुरंग की एक्सपर्ट टीम सिलक्यारा में रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए पहुंच चुकी है। यह पारंपरिक तरीके से सीवरेज में सुरंग का काम करते हैं। बताया जा रहा कि जब प्लाज्मा कटर से कुछ घंटों के बाद सुरंग के अंदर अमेरिका की ऑगर ड्रिलिंग मशीन के फंसे हिस्सों को टुकड़ों में काट कर बाहर निकालेंगे, तब दिल्ली से आई एक्सपर्ट टीम के सदस्य अंदर घुसेंगे और पारंपरिक तरीके से मैनुअली खुदाई का काम करेंगे। इसमें लगभग 12-14 मीटर खुदाई कार्य किया जायेगा। अब श्रमिकों को इस तरह से बाहर निकालने में सफलता मिलेगी। हो सकता है कि ऐसे में रेस्क्यू टीम को वर्टिकल ड्रिलिंग की जरूरत न पड़े।

नवयुग कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर का विज्ञान उठा भरोसा, लिया बाबा बौखनाग का सहारा - हर कोई 5 जी के युग में विज्ञान को चमत्कार मान रहा है, लेकिन नवयुग कंपनी के इंजीनियर और पदाधिकारी भी अब विज्ञान के आगे हाथ खड़े कर आस्था का सहारा लेने लगे हैं। जी हां, हम बात रहे हैं सिलक्यारा निमार्णाधीन टनल में कार्य कर रहे एनएचडीसीएल कंपनी की अंडरटेकिंग नवयुग कंपनी की है। यह कंपनी टनल का कार्य कर रही है। यह वही कंपनी है, जिसने बहुत पहले से सुरंग के मुंहाने पर बने बाबा बौखनाग के मंदिर को किनारे करते हुए अपना निर्माण कार्य शुरू कर दिया था। हालांकि हादसे के बाद उन्होंने सांकेतिक रूप से बाबा बौखनाग के मंदिर को स्थापित कर दिया था। अब जब पिछले 12 नवंबर से 41 श्रमिक टनल के अंदर फंसे हुए हैं और अमेरिका की आधुनिक तकनीकी से निर्मित ऑगर ड्रिलिंग मशीन से लेकर दुनिया भर के एक्सपर्टों ने पहाड़ के आगे घुटने टेक दिए, तब रविवार सुबह को नवयुग कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर ने बौखनाग के थान भाटिया गांव पहुंचकर बाबा से श्रमिकों को बाहर निकालने की विनती की। इस पर बाबा बौखनाग ने प्रोजेक्ट मैनेजर को आशीर्वाद देते हुए कहा है कि 3 दिन के भीतर सभी श्रमिक सुरक्षित बाहर निकलेंगे,लेकिन उन्होंने एक शर्त जरूर रखी। वह शर्त यह है कि निमार्णाधीन टनल के दोनों मुंहाने पर बाबा बौखनाग के मंदिर बनाएं जिसे प्रोजेक्ट मैनेजर ने स्वीकार कर लिया।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने मुंबई में 26/11 हमले के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को दक्षिण मुंबई स्थित शहीद स्मारक पर 15 साल पहले 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमले के दौरान आतंकियों से लड़ते हुए शहीद हुए जवानों को पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मुंबई शहर के प्रभारी मंत्री दीपक केसरकर सहित तमाम अधिकारी उपस्थित थे। इस हमले में विदेशी नागरिकों सहित 166 लोग मारे गये थे और 300 से अधिक घायल हो गये। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि 15 साल पहले हुए हमले के बाद मुंबई पुलिस शहर की आंतरिक सुरक्षा उपायों को मजबूत किया गया है।

एक दर्जन से अधिक लैंडिंग स्थलों की पहचान की गई है जो असुरक्षित हो सकते हैं और वहां चौबीसों घंटे गश्त की जाती है। साथ ही तटीय सुरक्षा में मदद के लिए नई त्वरित प्रतिक्रिया पुलिस टीमें भी तैनात की हैं और ड्रोन भी जोड़े हैं। उल्लेखनीय है कि लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने 26 नवंबर 2008 की रात को मुंबई में प्रवेश किया था और चार दिनों के दौरान विदेशी नागरिकों सहित 166 लोगों की हत्या कर दी थी और कई अन्य को घायल कर दिया था। पाकिस्तानी आतंकियों ने अधिकतम क्षति पहुंचाने के लिए बहुत सावधानी से अपने लक्ष्य चुने- ताज और ओबेरॉय होटल, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, नरीमन हाउस में यहूदी केंद्र और लियोपोल्ड कैफे - क्योंकि इन स्थानों पर यूरोपीय, भारतीय और यहूदी अक्सर आते थे। स्वचालित हथियारों से लैस आतंकियों ने मुंबई के दक्षिणी हिस्से में लोकप्रिय लियोपोल्ड कैफे, दो अस्पतालों और एक थिएटर सहित कई स्थानों पर नागरिकों को निशाना बनाया। आतंकवादी अजमल कसाब और इस्माईल खान ने मुंबई सीएसएमटी पर अंधाधुंध फायरिंग की, जिसमें तीन रेलवे अधिकारी मारे गए थे। इन दोनों का सामना एक आरपीएफ जवान ने पुरानी 303 बंदूक के साथ किया। दुर्भागयवश बंदूक से गोली नहीं निकली, लेकिन दोनों आतंकी सीएसएमटी रेलवे स्टेशन से पुलिस क्लब की गली में घुस गए। वहां दोनों ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारी हेमंत करकरे, विजय सालस-कर सहित कई लोगों को अपनी गोली का निशाना बनाया। मुंबई पर हमला करने वाले लश्कर के 10 आतंकियों में से नौ को मार गिराया गया था, जबकि मोहम्मद अजमल आमिर कसाब को मुंबई पुलिस ने पकड़ लिया था। कोर्ट के फैसले के बाद आतंकी अजमल कसाब को सजा ए मौत दे दी गई।

देव दीपावली से पहले नमामि गंगे ने गंगा घाटों पर चलाया स्वच्छता अभियान

वाराणसी, (हि.स.)। देव दीपावली पर्व के पूर्व गंगा घाटों पर सफाई अभियान के लिए नमामि गंगे के सदस्यों ने कमर कस ली है। घाटों को स्वच्छ रखने के लिए देव दीपावली के एक दिन पूर्व रविवार को दशाश्वमेध घाट से राजेंद्र प्रसाद घाट तक नमामि गंगे ने विशेष सफाई अभियान चलाया। गंगा के तलहटी की सफाई के साथ ध्वनि विस्तारक यंत्र से लोगों को जागरूक भी किया गया। स्वच्छता अभियान के तहत घाटों पर जगह- जगह फेंके गए कूड़े कचरे को भी नमामि गंगे के सदस्यों ने उनके सही स्थान तक पहुंचाया। घाटों पर श्रमदान के बाद वहां उपस्थित पर्यटकों, आम लोगों को गंगा और घाटों को स्वच्छ रखने की शपथ दिलाई गई। पतित पावनी मां गंगा की अविरल धारा को निर्मलता के साथ बहने और उनको हमेशा स्वच्छ रखने के लिए सभी संकल्पबद्ध हुए।

अभियान के संयोजक राजेश शुक्ला ने कहा कि गंगा सफाई अभियान के लिए युवाओं और माताओं-बहनों का उत्साह मां गंगा के लिए बड़ा लाभकारी है। स्वच्छता की प्रतिबद्धता के लिए संकल्प, साफ-सफाई और जागरूकता से अपनी गंगा नित निर्मलीकरण की ओर अग्रसर होंगी। आयोजन का मूल उद्देश्य गंगा से सबको जोड़ना है। उन्होंने कहा कि देव दीपावली पर हमें गंगा स्वच्छता का संकल्प लेना होगा। गंगा स्वच्छता के लिए जन भागीदारी बहुत जरूरी है।

महापौर ने किया उत्तरांचल भवन का निरीक्षण

गाजियाबाद, (हि.स.)। महापौर सुनीता दयाल ने रविवार को नंदग्राम में निमार्णाधीन उत्तरांचल भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि भवन का निर्माण गुणवत्ता के साथ समय से पूरा होना चाहिए। महापौर ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद में उत्तरांचल भवन एवं पूर्वांचल भवन बनाने की घोषणा की थी । जिसके लिए नगर निगम ने भूमि दी थी और अवस्थापना निधि से गाजियाबाद नगर निगम ने भवन बनाने के लिए पैसा पास किया था। भवन आज लगभग तैयार हो चुके हैं। अधिकारियों के साथ नंदग्राम निमार्णाधीन उत्तरांचल भवन का निरीक्षण किया और भवन के बाहर बन रही सड़क का जायजा लिया। महापौर ने कहा कि भवन में निर्माण कार्य चल रहा है और एक भव्य रूप निकल कर आ रहा है। इस भव्य रूप को देख समाज हर्षित हो उठेगा। महापौर ने निर्देशित किया गया कि यह कार्य हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री का सपना है। इस कार्य में या इसके आसपास के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही एवं सामग्री की गुणवत्ता में कोई कमी मिली तो सख्ती के साथ कार्यवाही की जाएगी। बख्शा नहीं जाएगा। साथ ही यह भी निर्देश दिए कि सड़क में प्रयुक्त निर्माण सामग्री की जांच कराई जाए और रिपोर्ट मुझे भी प्रस्तुत की जाए। उत्तरांचल भवन की लागत 2 करोड़ 90 लाख है। भवन में 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है और जनवरी तक कार्य पूर्ण करने का नगर निगम का लक्ष्य है। निरीक्षण के दौरान सहायक अभियंता अनूप शर्मा, अवर अभियंता नागेंद्र शर्मा एवं स्थानीय लोग शामिल रहे।

मुसलमानों की बढ़ती आबादी चिंता का विषय, अगले 50 साल में होगी मुगल सल्तनतः प्रवीण तोगड़िया

बरेली, (हिं. स.)। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया आज बरेली पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि जिस तेजी से मुसलमानों और ईसाइयों की आबादी बढ़ रही है, उससे आने वाले 50 साल में मुगल सल्तनत हो जाएगी और भारत का प्रधानमंत्री, प्रदेश का मुख्यमंत्री, डीएम, कलेक्टर एसपी हर कोई मुसलमान होगा। फिर यह राम मंदिर सुरक्षित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि इस्लाम 14 सौ साल पहले आया, क्रिश्चियन 2000 साल पहले और उससे पहले सब हिंदू थे, लेकिन करोड़ों हिंदुओं का कत्ल किया गया। इसके बाद एक बार फिर से मुसलमानों की बढ़ती आबादी चिंता का विषय है।

वहीं उन्होंने कहा कि वह 100 करोड़ हिंदुओं को आपस में एक करना चाहते हैं, इसके लिए आने वाले 5 साल में 11 लाख स्थानों पर एक साथ हनुमान चालीसा का पाठ हुआ करेगा। डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि अभी एक लाख स्थान पर हनुमान चालीसा का पाठ शुरू करवाया जा रहा है। उन्होंने हिंदू हेल्पलाइन, एक मुट्ठी अनाज जैसी तमाम योजनाओं की जानकारी भी दी। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में हाल ही में आतंकी गतिविधि मिलने के मामले पर उन्होंने कहा कि अगर जल्द इसका इलाज नहीं किया गया तो फिलिस्तीन जैसा हाल होगा। इसलिए हर स्कूल में मिलिट्री ट्रेनिंग जरूरी कर दी जाए।

योजनाओं को पूरा करने के लिए अधिकारियों ने मांगा मार्च 2024 तक का समय

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री स्मार्ट ग्राम योजना अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं को मार्च 2024 तक अवधि विस्तार देने की मांग जिलों के अधिकारियों द्वारा की गई है। मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी की अध्यक्षता में रविवार को हुई बैठक में रांची जिला सहित अन्य जिलों की स्वीकृत सारी योजनाओं को एक्सटेंशन देने का अनुरोध किया गया है। मुख्यमंत्री स्मार्ट ग्राम योजना से चयनित प्रखंड को विकसित किया जाना है तमाम सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जानी है। बैठक में रांची जिला के ठाकुर गिन्जो ग्राम पंचायत, बुढमू प्रखंड में कार्यान्वित की जा रही मुख्यमंत्री स्मार्ट ग्राम योजना अंतर्गत विभाग के द्वारा डीपीआर के अनुरूप सभी योजनाओं के कार्यान्वयन का कार्य पूर्ण कर लिए जाने की जानकारी प्रदान की गयी। जिला के द्वारा एक माह के अंदर योजना योजना के पूर्णता प्रतिवेदन एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र विभाग को उपलब्ध करा दिए जाने की सूचना दी गयी। योजना के

प्रतिवेदन संबंधी कार्य को देखते हुए योजना अवधि को दिसंबर 2023 तक विस्तारित करने का अनुरोध किया गया। पूर्वी सिंहभूम जिले के द्वारा कांता शोल ग्राम पंचायत, डुमरिया प्रखंड में कार्यान्वित की जा रही मुख्यमंत्री स्मार्ट ग्राम योजना के अंतर्गत विभाग के द्वारा डीपीआर के अनुरूप स्वीकृत 87.70 लाख रुपये मात्र में से 41.57 लाख रुपये राशि खर्च किया गया है। योजना अंतर्गत लंबित योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए मार्च 2024 तक अवधि विस्तार देने की मांग की गयी है। हजारीबाग जिले के द्वारा चेनारो ग्राम पंचायत, चुरचू प्रखंड में अब तक स्वीकृत योजना पर काम प्रारंभ नहीं हुआ है। ऐसे में राज्य सरकार से मार्च 2024 तक अवधि विस्तार देने को कहा गया। बोकारो के पेटरवार में डीपीआर नहीं बनने की वजह से फिर से योजनाओं को अवधि विस्तार फिर से देने की मांग की गयी। ग्रामीण विकास विभाग अब योजनाओं की समीक्षा कर रहा हे,इसके बाद ही अवधि विस्तार दिया जायेगा।

संविधान दिवस पर पदाधिकारियों ने ली शपथ, किया अम्बेडकर की मूर्ति पर माल्यार्पण

मधुबनी, (हि.स.)। जिला मुख्यालय सहित सुदूर ग्रामीण परिवेश में संविधान दिवस पर रविवार को कार्यक्रम आयोजित हुई। मुख्यालय स्थित समाहरणालय द्वार के समक्ष स्थापित बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि अर्पित किया गया। अवसर पर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार, एडीएम नरेश झा, सदर एसडीओ अश्वनी कुमार सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।अवसर पर पदाधिकारियों ने भारत के संविधान की अक्षुण्णता व वैधता कानूनन व्यवस्थित धाराओं के तदनुरूप निर्देश में कार्य निर्वहन की शपथ दोहराया। अवसर पर एसपी सुशील कुमार ने कहा कि भारतीय संविधान की अक्षुण्णता की रक्षा सभी आमजनों का पुनीत कर्त्तव्य है। एसडीओ अश्वनी कुमार ने संविधान दिवस समारोह की भव्य आगाज पर उपस्थित गणमान्य लोगों को शुभकामनाएं दी। एसडीओ ने कहा कि भारतीय संविधान के जनक डा भीमराव अम्बेडकर प्रणम्य

हैं। भारतीय संविधान तुलनात्मक इष्टिकोण से विश्व वाडमय में विशिष्ट है। डीपीआरओ परिमल कुमार ने बताया कि संविधान दिवस के अवसर पर शहर के बुद्धिजीवियों व समाजसेवियों ने हिस्सा लिया। डीपीआरओ ने बताया कि जिला सभी इक्कीस प्रखंड व अंचल सहित अन्य कार्यालयों में डीएम अरविन्द कुमार के निर्देश पर रविवार को संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित की गई। प्राप्त सूचनानुसार शैक्षणिक संस्थानों में संविधान दिवस कार्यक्रम आयोजित की गई। जेएनबी आदर्श संस्कृत कालेज लगमा में प्राचार्य डा सदानन्द झा की अध्यक्षता में संविधान दिवस समारोह आयोजित की गई। अवसर पर प्राचार्य डा सदानन्द झा ने कहा कि भारतीय संविधान की मूलभूत संरचना के अनुरूप कार्यों का निष्पादन राष्ट्रीय आत्मा की प्रबल सम्मान है। अवसर पर डा राघव कुमार झा,डा रमेश झा, डा सुशील चौधरी,सहायक प्राध्यापक सोनी कुमारी, डा नागेन्द्र झा,आकाश पाण्डेय, रीना जैन, मनीष कुमार सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी गरीब परिवारों के प्रति चिंतित व समर्पित : मेनका

सुलतानपुर, (हि.स.)। सांसद मेनका गांधी ने कहा कि आधी आबादी को नकार कर कोई भी समाज सशक्त नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश सरकार नारी गरिमा की रक्षा, सम्मान व सशक्तिकरण के लिए मिशन मोड में काम कर रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में श्रीमती गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी सदैव गरीब परिवारों के प्रति चिंतित व समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि यह संकल्प यात्रा योजनाओं की जमीनी हकीकत भी परखेगी। स-ांसद मेनका संजय गांधी अपने दौरे के तीसरे व अंतिम दिन रविवार की दोपहर कूरेभार ब्लॉक परिसर में विकासखंड मोतिगरपुर, जयसिंहपुर व कूरेभार के चयनित 181 जोड़ों के मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रही थी। सांसद ने कहा कि दहेज की सामाजिक कुप्रथा के खिलाफ सामूहिक विवाह योजना एक सकारात्मक अभियान है। दहेज एक सामाजिक कुरीति है और दहेज मुक्त अभियान में पूरे समाज को खड़ा होना चाहिए। सभी नव दम्पतियों को आशीर्वाद देते हुए सांसद ने उनके सुखमय व खुशहाल जीवन की कामना की। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है। सांसद श्रीमती गांधी ने हिंदू रीति रिवाज व वैदिक मंत्रोंच्चारण के साथ ब्लॉक परिसर में आयोजित बड़े समारोह में कहा कि आज वह कन्या पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रही है। उन्होंने बेटियों को

संदेश देते हुए कहा कि वे भी अपने घर परिवार विशेषकर अपनी सांस, पति की सेवा के प्रति समर्पित रहे। उन्होंने कहा बेटी दीप की तरह होती है। उन्होंने बेटियों से कहा तुम अपने नये घर में 24 घंटे रोशनी लाना। उन्होंने जिले की ग्रामीण क्षेत्र की जनता का आवाह्न करते हुए कहा कि पात्र लाभार्थी अपना पंजीयन अवश्य करा लें। इस अवसर पर एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह, जयसिंहपुर विधायक राज प्रसाद उपाध्याय ने संबोधित करते हुए नव दंपतियों को सुखमय जीवन का आशीर्वाद दिया।

इसके पूर्व सांसद मेनका ग्राम सरवन के प्रधान शैलेन्द्र सिंह के घर पहुंचकर विवाहोपरांत वर-वधू को आशीर्वाद दिया। इस मौके पर प्रतिनिधि रणजीत कुमार,ब्लाक प्रमुख चन्दर प्रताप सिंह, नवनीत सिंह, सीडीओ अंकुर कौशिक,सांसद मीडिया प्रभारी विजय सिंह रघुवंशी,भाजपा नेता शशीकांत पाण्डे, संदीप प्रताप सिंह, राजेश पाण्डे एवं संदीप पाण्डे सहित विकास विभाग से जुड़े अधिकारी, कर्मचारी व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कुंडा विधायक राजा भैया को एसडीओ ने भेजवाया गलत बिजली बिल

लखनऊ, (हि.स.)। जनसत्ता दल के अध्यक्ष और कुंडा से विधायक रघु-राज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया को विद्युत विभाग के जोन वन के एसड-ीओ सौरभ चौधरी ने गलत बिजली बिल भेजवाया। राजा भैया के प्रतिनिधि की ओर से आपत्ति किये जाने पर एस-डीओ ने बिल को संशोधित किया और पुनः बिल भेज दिया। कण्टोमेंट क्षेत्र में राजा भैया के बंगला में बिजली मीटर के सही री-डिंग ना दिखाने पर उसे बदल कर नया मीटर लगाया गया। मीटर लगने के बाद बिजली का बिल आया तो उसे देखकर सभी हैरान हो गये। दो लाख रुपये का बिल मिलने पर राजा भैया के प्रतिनिधि ने एसडीओ को फोन लगाया और उसके बारे में जानकारी करायी। इस पर एसडीओ पहले तो मानने को तैयार नहीं हुए, फिर बिजली के बिल को संशोधित कर 35 हजार के करीब का बनाया। नये मीटर के तेज चलने की बात क-हकर एसडीओ ने संशोधित बिल को

तत्काल भुगतान करने के लिए कहा। जिस पर प्रतिनिधि की ओर पुनः आपत्ति दर्ज करायी गयी और बिल को अभी भी अधिक बताते हुए कम करने को कहा है। रविवार होने के कारण इस मामले में सोमवार को सुबह विद्युत कार्यालय खुलने पर ही आगे की कोई स्थिति बन सकेगी।

संविधान दिवस पर पुलिस कर्मियों को दिलाई शपथ

रांची, (हि. स.)। कांके रोड स्थित पुलिस लाइन में भारतीय संविधान दिवस के अवसर पर रविवार को आयोजित कार्यक्रम में सार्जेंट मेजर आनंद राज खलखो ने पुलिसकर्मियों को संविधान को लेकर जागरूक किया और शपथ दिलाया। उल्लेखनीय है कि भारत का संविधान अपनाने के उपलक्ष्य में भारत में हर वर्ष 26 नवम्बर को संविधान दिवस मनाया जाता है। भारत की संविधान सभा ने 26 नवम्बर 1949 को भारत के संविधान को अपनाया था, जो 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ। भारत सरकार ने नागरिकों के बीच संविधान के मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए हर 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाने का निर्णय लिया था। इसे सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय ने 19 नवंबर 2015 को अधिसूचित किया था।

नशा मुक्ति दिवस पर नवादा में रैली एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम

नवादा, (हि. स.)। नशा मुक्ति दिवस के अवसर पर नवादा की सड़कों पर रैली निकाल कर आम नागरिकों को नशा मुक्त बिहार बनाने में सहयोग करने का आह्वान किया गया ।उत्पाद अधीक्षक अनिल कुमार आजाद की देखरेख में महिलाओं ने नवादा के सड़कों पर रैली निकाल कर नशा मुक्ति के विरुद्ध नारे बुलंद किये। महिलाओं ने कहा कि किसी भी कीमत पर बिहार में नशा खोरी को लागू नहीं किया जाएगा ।नशा मुक्ति की ही देन है कि महिलाएं चैन का जीवन जी रही है। नशामुक्ति दिवस के अवसर पर जिले के नगर भवन, नवादा में आशुतोष कुमार वर्मा उप विकास आयुक्त दीपक कुमार मिश्रा ने संयुक्त रूप से कर कमलों से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन कियें।। नगर भवन, नवादा में संवाद भवन, देशरत्न मार्ग, पटना में आयोजित मद्य निषेध कार्यक्रम का लाईव टेलीकास्ट दिखाया गया। इसमें नीतीश कुमार मुख्यमंत्री मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। नगर भवन, नवादा में मद्य निषेध दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित किये गए। सर्वप्रथम नगर भवन, नवादा में विनोद कुमार सिंह के नेतृत्व में नशीले पदार्थों की बुराईयों का त्याग करने के लिए सूचना जन सम्पर्क विभाग के विशिष्ट

कलाकारों के द्वारा कई आकर्षक और मंत्रमुग्ध कार्यक्रम पेश किए गए। गीत-संगीत के माध्यम से उपस्थित नागरिकों को नशापान नहीं करने के लिए संदेश दिया गया। उत्पाद अधीक्षक ने मद्य निषेध दिवस पर उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि नशामुक्ति अभियान में सभी की सहभागिता आवश्यक है। मद्य निषेध लागू होने से जिला में सकारात्मक परिवर्तन आया है। अब अविभावक मादक पदार्थों का सेवन नहीं कर अपने बाल बच्चों को पढ़ाने लिखाने पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने टॉल फ्री नम्बर-1545 या 1800 3456 268 पर शराब निर्माण, बिक्री एवं सेवन करने वालों का नाम पता दे सकते हैं। बताने वाले का नाम पता गुप्त रखा जायेगा। कार्यक्रम में दीपक कुमार मिश्रा उप विकास आयुक्त, डॉ राम कुमार प्रसाद सिविल सर्जन , अनिल कुमार आजाद उत्पाद अधीक्ष-ाक, प्रभारी खेल राजीव रंजन, जी-विका दीदीयॉ, विद्यार्थी आदि काफी संख्या में उपस्थित थे।

अधिक से अधिक वोट बनवाएं, एक-एक वोट कीमती : संजय शर्मा

- भाजपा पदाधिकारी वोटर चेतना महा अभियान को लेकर मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत बूथों पर जुटे

मुरादाबाद, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी मुरादाबाद महानगर की ओर से वोटर चेतना महा अभियान के अंतर्गत रविवार को मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत महानगर के सभी शक्ति केंद्र के प्रत्येक बूथों पर नये वोट बनवाए गए। सभी मतदान केंद्रों के सभी बूथों पर बीएलए और बीएलओ के अलावा भाजपा पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि सभी भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, शक्ति केंद्र प्रमुख व प्रभारी के साथ सभी कार्यकर्ता वोटर चेतना महा अभियान के अंतर्गत मतदाता पुनरीक्षण अभियान में पूरी कर्मठता के साथ जुटे रहें और अधिक से अधिक वोट बनवाएं। हमारे लिए एक-एक वोट कीमती है। नगर विधायक रितेश गुप्ता

ने कहा कि लोकतंत्र के महापर्व मतदान में सभी की सहभागिता वोट के माध्यम से होनी चाहिए(इसके लिए 18 वर्ष और इससे अधिक आयु के व्यक्ति का वोट बना हुआ होना चाहिए। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाल ने कहा कि राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ के साथ आगामी लोकसभा चुनाव में खिलेगा कमल खिलेगा। इस मौके पर महापौर विनोद अग्रवाल, एमएलसी डा. जयपाल सिंह व्यस्त व गोपाल अंजान, लोकसभा संयोजक डॉ. विशेष गुप्ता, वरिष्ठ भाजपा नेता गिरीश वर्मा, साध्वी गीता प्रधान, प्रिया अग्रवाल, अल्पना रितेश गुप्ता, वोटर चेतना अभियान प्रमुख नत्थूराम कश्यप, श्याम बिहारी शर्मा, कमल गुलाटी, दिनेश शीर्षवाल, पार्षद दल के उपनेता सुरेंद्र विश्नोई, महानगर मीडिया प्रभारी राजीव गुप्ता, क्षेत्रीय सह मीडिया प्रभारी निमित्त, मंडल अध्यक्ष विपिन प्रजापति, अमित सिंह मिंटू ठाकुर, संजीव चौहान, हरीश प्रजापति, प्रतीक मित्तल, आलोक सैनी, मंगलसेन राजपूत, संजय यादव, सुमनेश सिंह, सोनू सुमन आदि बूथों पर मौजूद रहे।

मुक्ति संस्था ने 32 अज्ञात शवों का किया सामूहिक दाह संस्कार

रांची, (हि. स.)। मुक्ति संस्था ने र-विवार को जुमार नदी के तट पर 32 अज्ञात शवों का विधि-विधान से अंतिम संस्कार किया। संस्था के सदस्यों ने रिम्स के मोर्चरी गृह से अज्ञात शवों को निकालकर जुमार नदी के तट पर लेकर गए। यहां संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने सभी शवों को मुखाग्नि दी। संस्था के अध्यक्ष प्रवीण लोहिया ने कहा कि अबतक नौ वर्षों में कुल 1655 अज्ञात शवों का अंतिम संस्कार किया गया है। अंतिम अरदास परमजीत सिंह टिंकू ने किया। इस मौके पर संस्था के रवि अग्रवाल, रतन अग्रवाल, आशीष

भाटिया, संदीप कुमार, अरुण कुटारियार, सीताराम कौशिक, संजू कुमार, राहुल चौधरी, विकास सिंघानिया, नवीन गाड़ोदिया, नीरज खेतान, सुमित अग्रवाल सहित अन्य मौजूद थे।

भीड़ को देखकर दिल्ली में बैठे लोगों में हलचल हो रही : मुख्यमंत्री

-भीम संसद में जुटी भीड़ देखकर गदगद हुए नीतीश

पटना, (हि.स.)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के भीम संसद को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री नीतीश ने रविवार को कहा कि आज यहां पर उपस्थित भीड़ को देखकर दिल्ली में बैठे लोगों में हलचल हो रही है। उन्होंने कहा कि इतनी भीड़ इस ग्राउंड में पहले नहीं देखी गई। नीतीश कुमार ने कहा कि दो लाख से कम लोग यहां जमा नहीं हुए हैं। मैं आपकी सेवा करता हूं। आपकी इतनी संख्या देखकर मैं और सेवा करूंगा। आजकल जो लोग दिल्ली में राज कर रहे हैं। हर चीज को प्रचारित करते हैं, वो इस भीड़ को देख लीजिए। इसके साथ कल अपना वाला देख लिजिएगा। उनका तो बोगस कार्यक्रम ना हुआ। देख लीजिए हम लोगों की पार्टी के कार्यक्रम में कितना फर्क है। सीएम ने जातीय गणना की बातों की चर्चा करते हुए कहा कि हमने सबके हित में काम किया है। वर्ष 2005 में हम आए, तब से काम ही कर रहे हैं। हमने जातीय गणना करवाई। केंद्र से भी कहा था लेकिन वो नहीं माने तो हमने बिहार में करवाया। गणना के बाद आरक्षण का दायरा बढ़ाया गया। सीएम ने कहा कि जरा देख लीजिए हम लोग के यहां कितना भीड़ है और उसके पास कितना भीड़ था। आप

जानते हैं जब कभी भी दलित को लेकर अखबार या कहीं भी कुछ देखते थे तो उसी दिन हम अधिकारियों से चर्चा करते थे और इसकी जानकारी लेते थे। आज देख लीजिए हम लोगों का कहीं कोई प्रचार हो या नहीं हो इतना लोग का भीड़ है। हम सभी लोगों के साथ हैं। समाज के सभी लोगों का हम सेवा करते हैं। नीतीश कुमार ने कहा कि हम तो शुरू से ना इन लोगों के बारे में बोलते रहे हैं जी। इन लोगों को पहले किसी ने ध्यान दिया था। दलितों के लिए तो हम ही लोगों ने सब काम शुरू किया। लोगों को पढ़ने के लिए लोगों को आगे बढ़ाने के लिए हम सब कितना काम करवाए हैं। आज इसका फायदा है कि सभी लोग आगे बढ़ रहे हैं। अभी भी आप लोग चिंता मत करिए आप लोग को लगता होगा कि यदि और काम होना चाहिए तो हमको जरूर बताइए। इस दौरान कम जब भाषण दे रहे थे तो कुछ लोग कागज दिखा रहे थे। इसके बाद सीएम ने कहा कि अरे भाई बीच से कागज दिखा रहे हैं। कोई एक जाकर उसका कागज ले लो। हम एक-एक कागज पढ़ेंगे। किसी के इलाके में कुछ भी होगा तो हम सब चीज देखेंगे। चिंता मत करो।

संपादकीया

अयोध्या, काशी और अब मथुरा

हमारे नेताओं में हिन्दू धर्म को लेकर किस प्रकार का संकोच रहा है, यह इस बात से पता चलता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना करनेवाले पहले प्रधानमंत्री हैं। यानी उनसे पहले कोई प्रधानमंत्री श्री कृष्ण की जन्मभूमि पर बने मंदिर में दर्शन करने नहीं गया है। हम जानते हैं कि जिस प्रकार मुस्लिम आक्रांताओं ने भगवान श्रीराम की जन्मस्थली पर बने राममंदिर को तोड़कर वहाँ मस्जिद का ढांचा बनाया और काशी में भगवान विश्वनाथ मंदिर पर भी हमला करके वहाँ भी अतिक्रमण किया, उसी तरह मथुरा में भी श्री कृष्ण की जन्मभूमि पर मंदिर को नुकसान पहुँचाकर अतिक्रमण किया गया है। हिन्दू समाज लंबे समय से मुस्लिम समुदाय से प्रार्थना कर रहा है कि ये तीन स्थानों से अपने अतिक्रमण हटा ले लेकिन कट्टरपंथी एवं हिन्दू विरोधी तत्वों के कारण मुस्लिम समाज कभी यह उदारता दिखा नहीं सका। तीनों ही स्थानों पर विवाद बना रहा। संभवतः इसीलिए पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री अपनी सेकुलर छवि को बचाने के लिए यहाँ नहीं आए होंगे। इस बात को समझने के लिए सोमनाथ मंदिर का उदाहरण हमारे सामने हैं, जहाँ तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने स्वयं भी आने से परहेज किया और तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को भी सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार समारोह में शामिल होने से रोकने का प्रयास किया। बहरहाल, वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस प्रकार का ढोंग नहीं करते हैं। वे जैसे हैं, वैसे ही दिखते हैं। उनका जीवन हिन्दू संस्कृति में रचा-बसा है और वे उस पर गर्व करते हैं। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी मंदिर-मंदिर जाते हैं और विधिपूर्वक पूजा-अर्चना भी करते हैं। यही नहीं, प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से अयोध्या और काशी का कायाकल्प हो गया है। मोदी सक्रियता के कारण सर्वोच्च न्यायालय से श्रीराम जन्मभूमि के मामले में वर्षों से अटका हुआ निर्णय हो सका और उसके बाद सरकार ने बिना देरी किए वहाँ भव्य मंदिर निर्माण की प्रक्रिया भी शुरू करा दी। इसी तरह काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनाकर भगवान विश्वनाथ मंदिर को भव्यता प्रदान करने के साथ ही श्रद्धालुओं को सुविधाएं उपलब्ध करा दी हैं। हिन्दू समाज को विश्वास है कि जिस प्रकार अयोध्या और काशी के मंदिरों का विकास हुआ है, उसी तरह मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर का निर्माण भी होगा। ये तीनों स्थान एवं देवता, हिन्दू समाज के आराध्य हैं। इस कारण हम कह सकते हैं कि तीनों ही स्थान भारतीय स्वाभिमान के मानबिन्दु भी हैं। विदेशी आक्रांताओं ने इसलिए ही इन तीनों स्थानों को अपनी सांप्रदायिकता का निशाना बनाया। मथुरा का प्रकरण न्यायालय में लंबित है। विश्वास है कि इस प्रकरण में भी हिन्दुओं के पक्ष में निर्णय आएगा। क्योंकि सच तो यही है कि मथुरा में वर्षों से श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर था। उल्लेखनीय है कि आजकल कांग्रेस हिन्दू हितैषी दिखने का प्रयास कर रही है लेकिन हिन्दुओं को विश्वास नहीं होता है। कांग्रेस चाहे तो मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण के मंदिर की मुक्ति के लिए आंदोलन चला सकती है। हालांकि इसकी गुंजाइश शून्य ही है कि कांग्रेस ऐसा कोई निर्णय ले पाएगी। हिन्दू हित में आवाज बुलंद करने का साहस तो भाजपा में ही दिखायी देता है। बहरहाल, मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत में जिस प्रकार तेजी से सांस्कृतिक अभ्युदय की लहर चल रही है, उसे देखकर यह भी विश्वास होता है कि न्यायालय का निर्णय जब आएगा, तब आएगा, लेकिन उससे पहले महाकाल लोक और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर की तरह श्रीकृष्ण लोक का निर्माण हो जाएगा।

हिन्दू समाज लंबे समय से मुस्लिम समुदाय से प्रार्थना कर रहा है कि ये तीन स्थानों से अपने अतिक्रमण हटा ले लेकिन कट् टरपंथी एवं हिन्दू विरोधी तत्वों के कारण मुस्लिम समाज कभी यह उदारता दिखा नहीं सका। तीनों ही स्थानों पर विवाद बना रहा। संभवत : इसीलिए पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री अपनी सेकुलर छवि को बचाने के लिए यहाँ नहीं आए होंगे। इस बात को समझने के लिए सोमनाथ मंदिर का उदाहरण हमारे सामने हैं, जहाँ तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने स्वयं भी आने से परहेज किया और तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ . राजेन्द्र प्रसाद को भी सोमनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार समारोह में शामिल होने से रोकने का प्रयास किया। बहरहाल, वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस प्रकार का ढोंग नहीं करते हैं। वे जैसे हैं, वैसे ही दिखते हैं। उनका जीवन हिन्दू संस्कृति में रचा-बसा है और वे उस पर गर्व करते हैं। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी मंदिर-मंदिर जाते हैं और विधिपूर्वक पूजा-अर्चना भी करते हैं। यही नहीं, प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से अयोध्या और काशी का कायाकल्प हो गया है। मोदी सक्रियता के कारण सर्वोच्च न्यायालय से श्रीराम जन्मभूमि के मामले में वर्षों से अटका हुआ निर्णय हो सका और उसके बाद सरकार ने बिना देरी किए वहाँ भव्य मंदिर निर्माण की प्रक्रिया भी शुरू करा दी। इसी तरह काशी विश्वनाथ कॉरिडोर बनाकर भगवान विश्वनाथ मंदिर को भव्यता प्रदान करने के साथ ही श्रद्धालुओं को सुविधाएं उपलब्ध करा दी हैं। हिन्दू समाज को विश्वास है कि जिस प्रकार अयोध्या और काशी के मंदिरों का विकास हुआ है, उसी तरह मथुरा में श्रीकृष्ण मंदिर का निर्माण भी होगा।

गुरुनानक देव जयन्ती- 27 नवम्बर 2023 के उपलक्ष्य में

ढोंगी साधुओं के लिये एक आईना हैं गुरुनानक देव

ललित गर्ग

परम सत्ता या संपूर्ण चेतन सत्ता के साथ तादात्म्य स्थापित कर समस्त प्राणी जगत्को एकता के सूत्र में बांधने वाले 'सिख' समुदाय के प्रथम धर्मगुरु नानक देव ने मानवता का पाठ पढ़ाया, धर्म का वास्तविक स्वरूप स्थापित किया। समाज-सुधारक एवं रहस्यवादी संत नानकदेवजी ने समाज में समानता का उद्घोष करते हुए ईश्वर को पिता कहा। उनके अनुसार हम हम सब ईश्वर के बच्चे हैं, जिनकी निगाह में कोई छोटा-बड़ा नहीं है, कोई ऊंच-नीच नहीं है, कोई जाति-पाती नहीं है। अपनी गुरुवाणी 'जपुजी साहब' में वे कहते हैं कि 'नानक उत्तम-नीच न कोई' अर्थात ईश्वर की निगाह में सब समान है। उन्होंने जात-पात को समाप्त करने एवं सभी को समान दृष्टि से देखने के लिये ही 'लंगर' की प्रथा प्रारंभ की, जहां सब छोटे-बड़े एवं अमीर-गरीब एक ही पंगत में बैठकर भोजन करते हैं। गुरु नानकदेवजी सर्वधर्म सद्भाव एवं साम्प्रदायिक सौहार्द के प्रेरक संतपुरुष एवं हिन्दू-मुसलमानों के बीच एक सेतु थे। हिन्दुओं के लिये वे गुरु एवं मुसलमानों के लिये पीर थे। समस्त मानवता के लिये वे एक फरिश्ता थे। दीपावली के पन्द्रह दिन बाद कार्तिक पूर्णिमा को जन्में गुरु नानक देव इंसानियत की प्रेरक मिसाल है। वे अपने व्यक्तित्व में दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्म-सुधारक, समाज सुधारक, कवि, देशभक्त एवं विश्वबंधु – सभी गुणों को समेटे हैं। उनमें प्रखर बुद्धि के लक्षण बचपन से ही दिखाई देने लगे थे। वे किशोरावस्था में ही सांसारिक विषयों के प्रति उदासीन हो गये थे। प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा के दिन नानक देव का जन्मोत्सव मनाया जाता हैं। इस वर्ष गुरु नानक जयंती 27 नवंबर को मनाई जा रही। गुरु नानक जयंती को सिख समुदाय बेहद हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाता है। यह उनके लिए दीपावली जैसा ही पर्व होता है। इस दिन गुरुद्वारों में शबद-कीर्तन किए जाते हैं। जगह-जगह लंगरों का आयोजन होता है और गुरुवाणी का पाठ किया जाता है। उनके लिये यह दस सिक्ख गुरुओं के गुरु पर्वों या जयन्तियों में सर्वप्रथम है। नानक का जन्म 1469 में लाहौर के निकट तलवंडी में हुआ था। नानक जयन्ती पर तीन दिन का अखण्ड पाठ, जिसमें सिक्खों की धर्म पुस्तक 'गुरु ग्रंथ साहिब' का पूरा पाठ बिना रुके किया जाता है। मुख्य कार्यक्रम के दिन गुरु ग्रंथ साहिब को फूलों से सजाया जाता है और एक बेड़े (फ्लोट) पर रखकर जुलूस के रूप में पूरे गांव या नगर में घुमाया जाता है। शोभायात्रा में पांच सशस्त्र गार्ड, जो 'पंज प्यारों' का प्रतिनिधित्व करते हैं, अगुवाई करते हैं। निशान साहब, अथवा उनके तत्व को प्रस्तुत करने वाला सिक्ख ध्वज भी साथ में चलता है। पूरी शोभायात्रा के दौरान गुरुवाणी का पाठ किया जाता है, अवसर की विशेषता को दर्शाते हुए, धार्मिक भजन गाए जाते हैं। गुरुनानक देव एक महापुरुष व महान धर्म प्रवर्तक थे जिन्होंने विश्व से

सांसारिक अज्ञानता एवं धर्मगत संकीर्णताओं को दूर कर आध्यात्मिक शक्ति को आत्मसात्करने हेतु प्रेरित किया। उनका कथन है- रैन गवाई सोई कै, दिवसु गवाया खाय। हीरे जैसा जन्मु है, कौड़ी बदले जाय। उनकी दृष्टि में ईश्वर सर्वव्यापी है और यह मनुष्य जीवन उसकी अनमोल देन है, इसे व्यर्थ नहीं गंवाना चाहिए। उन्हें हम धर्मक्रांति के साथ-साथ समाजक्रांति का प्रेरक कह सकते हैं। उन्होंने एक तरह से सनातन धर्म को ही अपने भीतरी अनुभवों से एक नये रूप में व्याख्यायित किया। उनका जोर इस बात पर रहा कि एक छोटी-सी चीज भी व्यक्ति के रूपांतरण का माध्यम बन सकती है। वे किसी भी शास्त्र को नहीं जानते थे, उनके अनुसार जीवन ही सबसे बड़ा शास्त्र है। जीवन के अनुभव ही सच्चे शास्त्र है। शास्त्र पुराने पड़ जाते हैं, लेकिन जीवन के अनुभव कभी पुराने नहीं पड़ते। नानक के बचपन में ही अनेक अद्भुत घटनाएँ घटित हुईं जिनसे लोगों ने समझ लिया कि नानक एक असाधरण बालक है। पुत्र नानक को गृहस्थ जीवन में लगाने के उद्देश्य से पिता ने जब उन्हें व्यापार हेतु कुछ रुपए दिए तब उन्होंने समस्त रुपए साधु-संतों व महात्माओं की सेवा-सत्कार में खर्च कर दिए। उनकी दृष्टि में साधु-संतों की सेवा से बढ़कर लाभकारी सौदा और कुछ नहीं हो सकता था। नानक देवजी का धर्म और अध्यात्म लौकिक तथा पारलौकिक सुख-समृद्धि के लिए श्रम, शक्ति एवं मनोयोग के सम्यक नियोजन की प्रेरणा देता है। आपका न केवल बाहरी व्यक्तित्व बल्कि आंतरिक व्यक्तित्व भी विलक्षण एवं अलौकिक है। वे इस देश के ऐसे क्रांतद्रष्टा धर्मगुरु हैं, जिन्होंने देश की नैतिक आत्मा को जागृत करने का भगीरथ प्रयत्न किया। सामाजिक कुरूढ़ियों को बदलने के लिए किए गए उनके सत्प्रयत्न सदैव स्मरण किए जायेंगे। समाज के साथ उन्होंने राष्ट्र की भावात्मक एकता को सुदृढ़ करने के लिए अनेक उल्लेखनीय प्रयत्न किये। उन्होंने जड़ उपासना एवं अंध क्रियाकाण्ड तक सीमित मृतप्रायः धर्म को जीवित और जागृत करके धर्म के शुद्ध, मौलिक और वास्तविक स्वरूप को प्रकट करने में अपनी पूरी शक्ति लगाई। धर्म के बंद दरवाजों और खिड़कियों को खोलकर उसमें ताजगी और प्रकाश भरने का दुःसाध्य कार्य किया। आधुनिक धर्म के नए एवं क्रांतिकारी स्वरूप को प्रकट करने का श्रेय नानकदेवजी को जाता है। गुरुनानकजी का धर्म जड़ नहीं, सतत जागृति और चैतन्य की अभिक्रिया है। जागृत चेतना का निर्मल प्रवाह है। उनकी शिक्षाएं एवं धार्मिक उपदेश अनंत ऊर्जा के स्रोत हैं। शोषण, अन्याय, अलगाव और संवेदनशून्यता पर टिकी आज की समाज व्यवस्था को बदलने वाला शक्तिस्रोत वही है। धर्म के धनात्मक एवं गतिशील तत्व ही सभी धर्म क्रांतियों के नाभि केन्द्र रहे हैं। वे ही व्यक्ति और समाज के समन्वित विकास की रीढ़ है। ये व्यक्ति के शरीर, मन, प्राण और चेतना को प्रभावित करते हैं। व्यक्ति-व्यक्ति का स्वस्थ तन, स्वस्थ मन और स्वस्थ जीवन ही स्वस्थ समाज की आधारशिला है और ऐसी ही स्वस्थ जीवन पद्धति एवं धर्म का निरुपण गुरुनानक देव न किया है। गुरु नानकदेव एक महान पवित्र आत्मा थे, वे ईश्वर के सच्चे प्रतिनिधि थे। आपने 'गुरुग्रंथ साहब' नामक ग्रंथ की रचना की। यह ग्रंथ पंजाबी भाषा और गुरुमुखी लिपि में है। इसमें कबीर, रैदास व मलूकदास जैसे भक्त कवियों की वाणियाँ सम्मिलित हैं। 70 वर्षीय गुरुनानक सन-1539 ई॰ में अमरत्व को प्राप्त कर गए। परन्तु उनकी मृत्यु के पश्चात भी उनके उपदेश और उनकी शिक्षा अमरवाणी बनकर हमारे बीच उपलब्ध हैं जो आज भी हमें जीवन में उच्च आदर्शों हेतु प्रेरित करती रहती हैं। सतगुरु नानक प्रगटिया, मिटी धुन्ध जग चानण होया" सिख धर्म के महाकवि भाई गुरदासजी ने गुरु नानक के आगमन को अंधकार में ज्ञान के प्रकाश समान बताया। निश्चित ही वे असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक पुरुष हैं। गुरुनानक देवजी ने स्वयं किसी धर्म की स्थापना नहीं की। उनके बाद आये गुरुओं से अपने समय की स्थितियों को देखकर सिख पंथ की स्थापना की। उनका उद्देश्य भी भारतीय धर्म और संस्कृति की रक्षा करना ही था। श्री गुरुनानक देव जी का जीवन सदैव समाज के उत्थान में बीता। उस समय का समाज अंधविश्वासों और कर्मकांडों के मकड़जाल में फंसा हुआ था। कहने को लोग भले ही समाज की रीतियां निभा रहे थे पर अपने धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिये उनके पास कोई ठोस योजना नहीं थी। इधर सामान्य लोग भी अपने कर्मकांडों में ऐसे लिप्त रहे कि उनके लिये 'कोई नृप हो हमें का हानि' की नीति ही सदाबहार थी। ऐसे जटिल दौर में गुरुनानक देवजी ने प्रकट होकर समाज में आध्यात्मिक चेतना जगाने का जो काम किया, वह अनुकरणीय है। वैसे महान संत कबीर भी इसी श्रेणी में आते हैं। हम इन दोनों महापुरुषों का जीवन देखें तो न वह केवल रोचक, प्रेरणादायक और समाज के लिये कल्याणकारी है बल्कि संन्यास के नाम पर समाज से बाहर रहने का ढोंग करते हुए उसकी भावनाओं का दोहन करने वाले ढोंगियों के लिये एक आईना भी है।

गुरु नानकदेवजी सर्वधर्म सद्भाव एवं साम्प्रदायिक सौहार्द के प्रेरक संतपुरुष एवं हिन्दू-मुसलमानों के बीच एक सेतु थे। हिन्दुओं के लिये वे गुरु एवं मुसलमानों के लिये पीर थे। समस्त मानवता के लिये वे एक फरिश्ता थे। दीपावली के पन्द्रह दिन बाद कार्तिक पूर्णिमा को जन्में गुरु नानक देव इंसानियत की प्रेरक मिसाल है। वे अपने व्यक्तित्व में दार्शनिक, योगी, गृहस्थ, धर्म-सुधारक, समाज सुधारक, कवि, देशभक्त एवं विश्वबंधु – सभी गुणों को समेटे हैं। उनमें प्रखर बुद्धि के लक्षण बचपन से ही दिखाई देने लगे थे। वे किशोरावस्था में ही सांसारिक विषयों के प्रति उदासीन हो गये थे। गुरु नानकदेवजी सर्वधर्म सद्भाव एवं साम्प्रदायिक सौहार्द के प्रेरक संतपुरुष एवं हिन्दू-मुसलमानों के बीच एक सेतु थे।

दृष्टि कोण

डिजिटल इंडिया मिशन का किस तरह चुनावी फायदा मिलेगा मोदी को

चुनाव के इस माहौल में प्रधानमंत्री मोदी की तमाम सभाओं और कार्यक्रमों के दौरान उनका डिजिटल इंडिया मिशन खासा काम आ रहा है। हाल ही में झारखंड के आदिवासियों के बीच पहुंचे मोदी के कार्यक्रमों और जनजाति गौरव यात्रा के दौरान भी उनके इस मिशन का फायदा नज़र आया। अपनी सरकार की दो पारियों की उपलब्धियां गिनाते हुए मोदी के लिए इन यात्राओं में जो मजबूत जनाधार दिख रहा है, वह है ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में चल रहे सामान्य सेवा केंद्र (सीएससी) के उन ग्रामीण उद्यमियों का, जिनकी संख्या अब बीस लाख से भी ज्यादा हो गई है। देशभर में करीब साढ़े पांच लाख सीएससी चल रहे हैं और हरेक सीएससी से कई लोग जुड़े हैं। इन केंद्रों का मकसद खासकर देश के तमाम गांवों में लोगों को ई-गवर्नेंस की सुविधा देकर सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने डिजिटल इंडिया

कार्यक्रम के तहत सामान्य सेवा केंद्रों (CSC) का एक बड़ा नेटवर्क बनाया है। अगर सरकारी दावे की बात करें, तो संसद में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने एक सवाल के जवाब में बताया था कि 2022 की फरवरी तक देशभर में 4,63,705 सीएससी काम कर रहे हैं, जिनमें करीब 15 लाख लोग काम करते हैं। देश के करीब ढाई लाख ग्राम पंचायतों में से ज्यादातर ग्राम पंचायतें इस सेवा से जुड़ी हैं और इन्हें ग्राम स्तरीय उद्यमी यानी वीएलई चलाते हैं। आम तौर पर देश में लाखों ऐसे लोग हैं, जिन्हें आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईकार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, जन्म या मृत्यु प्रमाण पत्र, जाति या आवास प्रमाण पत्र जैसे तमाम दस्तावेजों के लिया भटकना पड़ता है। वैसे तो तमाम शहरों में ऐसे कई केंद्र आपको मिल जाएंगे जो मोटी रकम लेकर ये दस्तावेज़ बनवाने का काम करते हैं, लेकिन सरकारी तौर पर सीएससी यह काम करता है और इसके जरिये लोगों को मुफ्त में ये सारी सुविधाएं देता है। और अब तो सरकारी तौर पर मुफ्त कानूनी सहायता देने का काम भी इसके जरिये किया जा रहा है। सामाजिक न्याय मंत्रालय के मुताबिक न्याय विभाग और सीएससी-एसपीवी की ओर से चलाई जा रही टेली लॉ सेवा के तहत अबतक 59 लाख से भी ज्यादा लोगों को मुफ्त कानूनी सलाह का लाभ मिला है। अगर आप दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में जाएंगे, तो वहां एमएसएमई के स्टॉल में आपको सीएससी के वालंटियर्स मिल जाएंगे। उनके मुताबिक इस कार्यक्रम से उन्हें काफी लाभ मिला है और यह मोदी सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। उनका कहना है कि वैसे तो इस योजना की शुरुआत कांग्रेस की सरकार के दौरान 2009 में ही हुई थी, लेकिन 2015 में सीएससी 2.0 के बाद डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत इसमें ज़बरदस्त तेजी आई और इसका गांव-गांव में विस्तार हुआ। खासकर सुदूर आदिवासी इलाकों में महिलाओं और दिव्यांगों में इस योजना का विस्तार हुआ है। ऐसे ही एक लाभार्थी हैं झारखंड के पवन ठाकुर। दिव्यांग होने के बावजूद उन्होंने ग्रामीण उद्यमी यानी वीएलई बनकर अपने साथ अपने गांव वालों की जिंदगी भी संवारी। पवन ठाकुर का रघुनाथपुर गांव आदिवासी बहुल और बेहद पिछड़ा हुआ है। न स्मार्टफोन है और न ही इंटरनेट की सुविधा। लेकिन इस गांव में सीएससी खोलकर वह यहां और आसपास के गांवों के 500 से ज्यादा छात्रों को डिजिटल शिक्षा देने के साथ तमाम सुविधाएं भी दे रहे हैं।

कुछ अलग

बालिका शिक्षा के प्रति उदासीनता विकास में बाधक है

हम वैश्विक स्तर पर सुपर पावर बनने की होड़ में हैं। लेकिन लैंगिक असमानता आज भी हमारे समक्ष चुनौतियों के रूप में मौजूद है। यहां तक कि देश में कामकाजी शहरी महिलाएं भी लैंगिक पूर्वाग्रह व असमानता का शिकार बन रही हैं जबकि देश की प्रगति में महिला श्रमबल का बहुत बड़ा योगदान है। जो नित्य नए अनुसंधान, बौद्धिक कार्य, जोखिम भरा कार्य, राष्ट्रीय नेतृत्व आदि को पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ निभा रही हैं। दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्र में लड़कियों की शिक्षा को लेकर आजादी के पहले एवं बाद में भी लड़कों की अपेक्षा उदासीनता ही देखी जा रही है। जिसका प्रभाव आज भी कमोबेश ग्रामीण अंचलों में स्पष्ट दिखता है। आज भी गरीब व पिछड़े गांव में लड़कियों की शिक्षा को लेकर सकारात्मक मानसिकता नहीं है। देश में महिला साक्षरता की दर 64 ।46 प्रतिशत है जो कुल साक्षरता दर से भी कम है। लड़कियों को स्कूल में नामांकन कराया जाता है जो कुछ वर्षों के बाद स्कूल छोड़ देती हैं। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अनुसार वर्ष 2018 में 15-18 आयु वर्ग की लगभग 39 ।4 प्रतिशत लड़कियां स्कूली शिक्षा हेतु किसी भी संस्थान में पंजीकृत नहीं हैं। इनमें से अधिकतर या तो घरेलू कार्यों में लगी हैं या भीख मांगने जैसा काम कर रही हैं। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' की शुरूआत 2015 में महिला बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य परिवार कल्याण तथा मानव संसाधन मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से स्कूलों में लड़कियों की संख्या बढ़ाने, भ्रूण हत्या रोकने, स्कूल छोड़ने वाली लड़कियों की संख्या कम करने, शिक्षा के अधिकार कानून को लागू करने आदि के उद्देश्य से की गई है। इसी कड़ी में कस्तूरबा बालिका विद्यालय, कन्या विद्यालय, वुमेन्स कॉलेज, महिला समाख्या आदि संस्थाएं अस्तित्व में आईं। जिसने पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक के अलावा आर्थिक रूप से पिछड़े परिवार के लिए बेहतरीन कार्य किया है। यूनिसेफ भी लड़कियों की गुणवतापूर्ण शिक्षा के वास्ते भारत सरकार के साथ मिलकर काम कर रही है। इस कड़ी में बिहार और झारखंड सरकार भी बालिका शिक्षा को लेकर कई महत्वकांक्षी योजनाएं चला रही है। इसके बावजूद आज भी ग्रामीण क्षेत्र में अशिक्षा, जागरूकता, गरीबी, पिछड़ेपन, रूढ़ियां आदि की वजह से लड़कियों को शिक्षा के अधिकार से अपने ही परिवार वाले महरूम रखते हैं। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से 65 किमी दूर साहेबगंज प्रखंड अंतर्गत पंचरुखिया गांव की लड़कियों को पहले पढ़ाया नहीं जाता था। यह कहकर टाल दिया जाता था कि लड़कियां पढ़कर क्या करेंगी? आखिर लड़कियों को घर का ही तो कामकाज करना है। शादी के बाद भी और शादी के पहले भी उन्हें चूल्हा ही जलाना है। लेकिन अब बिहार सरकार लड़कियों को पढ़ने के लिए पोशाक, किताबें, छात्रवृति, साइकिल आदि देने लगी है, तो अभिभावकों में लड़कियों को स्कूल भेजने की तत्परता भी दिखने लगी है। पंचरूखिया गांव की चंदा और सुषमा आठवीं कक्षा में पढ़ती है। वे कहती हैं कि पोशाक, किताब और छात्रवृति मिलने के कारण हमारे माता-पिता स्कूल जाने देते हैं। 75 प्रतिशत हाजिरी के बहाने गांव की लड़कियां घर की दहलीज लांघकर स् कूल की कक्षा और खेल के मैदान में सहेलियों के साथ आनंद के साथ पठन-पाठन कर रही हैं। 16 वर्षीय सोनी कहती है कि वह नौवीं कक्षा में पढ़ती है। आठवीं के बाद उसके पिता उसे पढ़ना नहीं चाहते थे, परंतु जब उसने अपने पिता को बताया कि पढ़ने जाने के लिए सरकार की ओर से उसे साइकिल और पोशाक मिलेगी, तो उसके पिता ने उसका स्कूल में दाखिला कराया।

देश दुनीया से

नोटा के विकल्प को ईवीएम से हटाये जाने पर विचार किया जाना चाहिए

नोटा के प्रावधान को लेकर पक्ष विपक्ष में अनेक तर्क दिए जा सकते हैं पर समय आ गया है कि उस पर बड़ी बहस हो और उसको अधिक प्रभावी या कारगर बनाने के प्रावधान किये जाये। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मतदान को लेकर की गई टिप्पणी भी इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि यदि हम मताधिकार का प्रयोग नहीं करते हैं तो फिर सरकार के खिलाफ किसी तरह की शिकायत करना उचित नहीं ठहराया जा सकता। कमोबेश यह सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी की भावना रही है और इससे साफ साफ संदेश हो जाता है कि सजग व जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रत्येक मतदाता का दायित्व हो जाता है कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग करे।

पांच साल में एक बार मिलने वाले अवसर को नकारात्मक सोच या गैरजिम्मेदारी से खो देना किसी भी हालात में उचित नहीं माना जा सकता। लोकतंत्र के महायज्ञ में प्रत्येक मतदाता को अपने मताधिकार का उपयोग कर मतदान करके अपनी आहुति देने का अवसर मिलता है। ऐसे में मतदान का बहिष्कार या फिर लापरवाही के कारण मतदान नहीं करना किसी अक्षम्य अपराध से कम नहीं कहा जा सकता है। वर्तमान परिदृश्य में नोटा प्रयोग भी मंथन का विषय होना चाहिए। नोटा के प्रावधान को लेकर पक्ष विपक्ष में अनेक तर्क दिए जा सकते हैं पर समय आ गया है कि उस पर बड़ी बहस हो और उसको अधिक प्रभावी या कारगर बनाने के प्रावधान किये जाये। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मतदान को लेकर की गई टिप्पणी भी इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाती है कि यदि हम मताधिकार का प्रयोग नहीं करते हैं तो फिर सरकार के खिलाफ किसी तरह की शिकायत करना उचित नहीं ठहराया जा सकता। कमोबेश यह सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी की भावना रही है और इससे साफ साफ संदेश हो जाता है कि सजग व जिम्मेदार नागरिक के रूप में प्रत्येक मतदाता का दायित्व हो जाता है कि वह अपने मताधिकार का प्रयोग करे। अब तो निर्वाचन आयोग ने मतदान सुविधाजनक भी बना दिया है। बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं को घर बैठे मतदान का अवसर प्रदान कर दिया है वहीं मतदाताओं के लिए जागरूकता अभियान से लेकर निष्पक्ष चुनाव के लिए कारगर कदम उठाये जाने लगे हैं। भले ही सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बाद ईवीएम में नोटा यानि कि नन ऑफ द अबव का प्रावधान कर दिया गया हो पर एक जागरूक व जिम्मेदार मतदाता के लिए नोटा के प्रयोग को समझदारी भरा निर्णय नहीं माना जा सकता। कारण साफ है नोटा का बटन दबाकर अपनी भावना तो व्यक्त कर सकते हैं पर उसका इस मायने में कोई अर्थ नहीं रहता कि किसी की जीत हार में उसका खास असर नहीं पड़ता। राजस्थान के ही 2013 और 2018 के विधानसभा चुनावों का विश्लेषण किया जाए तो साफ हो जाता है कि 2013 के विधान सभा चुनावों में 4 करोड़ 8 लाख से अधिक मतदाताओं में से 5 लाख 89 हजार से कुछ अधिक यानी कि केवल 1.92 प्रतिशत मतदाताओं ने नोटा का प्रयोग किया। इसी तरह से 2018 के विधान सभा चुनावों का विश्लेषण किया जाए तो 4 करोड़ 77 लाख से कुछ अधिक मतदाताओं में से 4 लाख 67 हजार से कुछ अधिक यानी कि 1.3 प्रतिशत मतदाताओं ने नोटा का बटन दबाकर विरोध दर्शाया। अब एक ओर 2018 में नोटा प्रयोग में कमी आई है तो इसके साथ ही नोटा अपने आप में नकारात्मकता को दर्शाता है। हालांकि आपने नोटा का प्रयोग कर यह संदेश दे दिया कि आपकी नजर में कोई भी उम्मीदवार खरा नहीं उतर रहा पर सोचने वाली बात यह भी है कि इनमें से कोई एक उम्मीदवार ही विजयी होगा। आपका नोटा का बटन जीत हार के अंतर को तो कम कर सकता है। नोटा के प्रयोग के स्थान पर उपलब्ध विकल्पों में से ही किसी एक को चुनना ज्यादा बेहतर माना जा सकता है। हालांकि एक समय था जब कई बूथों पर विरोध स्वरूप मतदान का बहिष्कार करने का निर्णय कर लिया जाता था या फिर लोगों द्वारा उपलब्ध उम्मीदवारों में किसी को भी मत देने योग्य नहीं समझने के कारण विरोध का मत यानि कि नोटा के प्रयोग की मांग की जाती रही। नोटा का परिणाम प्रभावी तरीके से राइट टू रिजेक्ट होता तो अधिक कारगर होता। तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में उसकी कारगरता के अभाव के कारण नोटा के प्रावधान को हटाया जा चुका है। यों कहें कि कई देशों में नोटा के प्रावधानों को कारगर नहीं पाने के कारण हटा दिया गया है। अमेरिका की ही बात करें तो वहां नोटा का प्रावधान रहा है पर 2000 आते आते उसे हटा दिया गया। इसी तरह से रूस में 2006 और पाकिस्तान में 2013 में नोटा प्रावधान को हटाया जा चुका है। देश के प्रबुद्ध नागरिकों, बुद्धिजीवियों, राजनीतिक विश्लेषकों, कानूनविदों को नोटा को लेकर गंभीर बहस छेड़नी होगी जिससे नोटा को वास्तव में चुनावों में हथियार के रूप में उपयोग किया जा सके। आज की तारीख में बात करें तो नोटा केवल और केवल आपके विरोध को दर्ज कराने तक ही सीमित माना जा सकता है। एक दूसरी बात और जिस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। आजादी के 75 साल बाद और दुनिया की सबसे बेहतरीन चुनाव व्यवस्था के बावजूद मतदान प्रतिशत 90 से 100 प्रतिशत के आंकड़े को नहीं छूना चिंता का विषय है। आज हालात बदल चुके हैं। कोई भी किसी को मतदान के अधिकार से जोर जबरदस्ती या अन्य कारण से रोक नहीं सकता। भारतीय चुनाव आयोग की निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था को सारी दुनिया द्वारा सराहा जाता है और लोग इसका लोहा मानते हैं। इस सबके बावजूद मतदान का प्रतिशत कम होना गंभीर है। ऐसे में मतदान का बहिष्कार या मतदान नहीं करना जिम्मेदार मतदाता का काम नहीं हो सकता।

आप का नजरीया

चार दिनों की शांति

पिछले डेढ़ महीने से जारी हमास-इस्राइल जंग में आखिर एक विराम आया, जब इस्राइली संसद ने बुधवार को युद्धविराम के समझौते को मंजूरी दे दी। हालांकि इस बीच इस युद्ध के कारण गाजा में 14,000 से ज्यादा नागरिक मारे जा चुके हैं और 2,700 अन्य लोग लापता हैं। इन लापता लोगों में अधिकांश के मलबों के नीचे आने की बात कही जा रही है, जिसका मतलब यह है कि लाशें भले न मिली हों, लेकिन उनके जिंदा बचे होने की कोई संभावना नहीं रह गई है। इतने बड़े नुकसान की कीमत पर हासिल यह युद्धविराम भी अस्थायी है। इसकी मियाद महज चार दिनों की है। इस दौरान हमास 50 बंधकों को रिहा करेगा जिनमें महिलाएं और बच्चे होंगे। बदले में इस्राइल की जेलों में बंद 150 फलस्तीनी छोड़े जाने हैं। जाहिर है, इस युद्धविराम को संभव बनाने वाला सबसे बड़ा कारक वे 240 लोग हैं, जिन्हें 7 अक्टूबर के आंतकवादी हमले में हमास के हमलावर बंधक बना ले गए थे। इनमें इस्राइल के साथ 40 देशों के नागरिक शामिल हैं। इनकी सुरक्षित रिहाई का दबाव अलग-अलग देशों की सरकारों पर है। खुद इस्राइल में भी नेतन्याहू पर इसका दबाव लगातार बढ़ता जा रहा था। अगर इस समझौते से जुड़े तमाम पहलुओं पर सही ढंग से अमल हुआ तो न केवल दोनों तरफ से 200 लोग कैद से मुक्त होंगे बल्कि गाजा में चौबीसो घंटे बमों की बारिश झेल रहे लोग भी चार दिनों के लिए ही सही, पर राहत महसूस करेंगे। इस बीच

उनके लिए मानवीय सहायता भी पहुंचेगी और ईंधन की कमी के चलते बंद पड़े अस्पताल दोबारा शुरू हो पाएंगे। अफसोस और चिंता की बात यह होगी इन सबके पीछे यह भाव लगातार काम करता रहेगा कि यह राहत सिर्फ चार दिनों के लिए है। इसके ठीक बाद फिर वही हालात बन जाने हैं। क्या इसका मतलब यह है कि हमास और इस्राइल दोनों पक्ष इस अवधि का इस्तेमाल अपनी तैयारियों को मजबूती देने के लिए करेंगे ताकि चार दिन के बाद और विनाशकारी युद्ध को अंजाम दे सकें? सारी संभावनाएं इसी ओर इशारा कर रही हैं। हालांकि ध्यान रहे, 50 बंधकों की रिहाई के बाद भी करीब 190 बंधक हमास के कब्जे में होंगे। इसी बात को ध्यान में रखते हुए इस्राइल ने कहा है कि वह इस अवधि के समाप्त होने के बाद भी हर दस बंधकों की रिहाई के बदले युद्धविराम को एक-एक दिन बढ़ाता रह सकता है। किसी भी उपाय से अगर युद्धविराम लंबा खिंचता है तो यह एक अच्छी बात होगी, लेकिन इसे काफी नहीं माना जा सकता। सवाल है कि 19 दिनों में सभी बंधकों के रिहा होने के बाद क्या होगा? जरूरत सिर्फ अपने लोगों को सुरक्षित निकालने की नहीं, यह समझने की है कि किसी भी तरफ के बेकसूर लोगों की जान जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसलिए हमास के खात्मे के नाम पर गाजा में हो रहे जान-माल के नुकसान पर स्थायी रोक लगनी चाहिए।

होसबाले बोले–हिंदू एकता के लिए संगठनों में समन्वय जरूरी, इसी अभाव में एकजुट नहीं हो पाया समुदाय

बैंकॉक ।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने थाईलैंड में विश्व हिंदू कांग्रेस में विभिन्न हिंदू संगठनों के बीच तालमेल बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, संगठनों के बीच समन्वय के अभाव में ही विभिन्न देशों में हिंदू समुदाय एकजुट नहीं हो पाया है।

होसबाले ने कहा, मौजूदा समय में समाज के सामने मुंह बाए खड़ी चुनौतियों के समाधान और समुदाय की आवाज को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए विश्वस्तर पर हिंदू संगठनों की मजबूती एक बड़ी जरूरत है। उन्होंने समुदाय के हित में हिंदू संगठनों को आपस में जानकारी साझा करने और परस्पर सहयोग बढ़ाने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि भाषा, पंथ, जाति, उपजाति और गुरुओं के आधार पर विश्व के कई हिस्सों में कई संघ, संगठन और फोरम बन गए, लेकिन वैचारिक स्तर पर पूरी तरह समानता न होने की वजह से ये एक-दूसरे के कार्यों को नुकसान ही पहुंचा रहे हैं। संगठनों को एक-दूसरे की नकल से बचना चाहिए, क्योंकि यह आपको अपने उद्देश्यों में आगे नहीं ले जाएगा।

चुनौतियों से निपटने की जरूरत

होसबाले ने कहा, धर्मांतरण, हिंदुओं के मानवाधिकारों का उल्लंघन और पश्चिमी देशों के कई विश्वविद्यालयों में हिंदू और भारतीय भाषाओं के अध्ययन के लिए विभाग न होना कुछ ऐसी चुनौतियां हैं, जिनका समाधान निकालने की जरूरत है। सम्मेलन के पहले दिन पारित एक प्रस्ताव में हिंदू धर्म के लिए हिंदुत्व को ही सबसे सटीक शब्द माना गया। इसमें कहा गया है कि हिंदू धर्म के लिए हिंदुइज्म (हिंदूवाद) शब्द का इस्तेमाल करना दमन और भेदभाव का परिचायक है, जबकि हिंदू धर्म और हिंदुत्व में सनातन की पूरी धारणा सारगर्भित है।

अपनी धरोहरों को मिटाने में लगा पाकिस्तान : स्वामी विज्ञानानंद

विश्व हिंदू कांग्रेस के आयोजक और वर्ल्ड हिंदू फाउंडेशन के वैश्विक अध्यक्ष स्वामी विज्ञानानंद ने पाकिस्तान में हिंदू मंदिरों पर लगातार हमलों की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने एजेंसी से बातचीत में कहा कि पाकिस्तान अपनी धरोहरों को नष्ट कर रहा है। मंदिरों की बात करें तो यह विरासत हैं। अगर पाकिस्तान ने उन सभी को सही तरीके से बचाया होता तो उसे भी वैसे ही फायदा होता जैसे मिस्र को पिरामिड से हुआ था। उन्होंने अल्पसंख्यकों पर अत्याचार रोकने के लिए वैश्विक बहुपक्षीय एजेंसियों से आगे आने का आह्वान किया।

न्यूज ब्रीफ

ईरान में 17 साल के नाबालिग को फांसी, हत्या के आरोप में कार्रवाई, इस साल अब तक 684 किशोरों को मौत की सजा

तेहरान । ईरान में नाबालिगों को फांसी देना जारी है। इस बीच, एक और 17 साल के एक किशोर को फांसी दे दी गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हामिद्रेजा अजारी को रजावी खुरासान प्रांत के पूर्वी शहर सब्जेवर जेल में फांसी दी गई। अजारी पर हत्या का आरोप है। अजारी अपने परिवार का इकलौता औलाद था। वह स्क्रैप वर्कर के रूप में काम करता था। मई में 16 साल की उम्र में उसने एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी, जिसे फांसी की सजा सुनाई गई। मानवाधिकार संस्थाओं ने फांसी को संयुक्त राष्ट्र के कन्वेंशन का उल्लंघन बताया है। ईरान की मानावधिकार संस्था का कहना है कि ईरान उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जो बाल दोषियों को मौत की सजा देता है। यहां अन्य देशों की तुलना में कहीं अधिक फांसी दी जाती है। आंकड़ों के मुताबिक, इस साल में अब तक ईरान में 684 नाबालिगों को फांसी दी जा चुकी है। ईरानी मीडिया के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन किया गया है और सवालों से बचने के लिए बालक की उम्र 18 वर्ष बताई गई। पिछले महीने, ईरान की नरगिस मोहम्मदी को शांति पुरस्कार के लिए नोबेल पुरस्कार मिला था, जो फिलहाल जेल में बंद हैं। बता दें, मोहम्मदी हिजाब पहनने का विरोध कर रही हैं। इसलिए उन्हें जेल में बंद किया गया है। मोहम्मदी की रिहाई के आंदोलनकर्ताओं ने बताया था कि ईरान की कुख्यात एवियन जेल में कैद मोहम्मदी ने कैद की शर्तों और महिलाओं के हिजाब पहनने को अनिवार्य बनाए जाने के खिलाफ भूख हड़ताल शुरू की थी। उनकी मेडिकल देखभाल की मांग स्वीकार नहीं की गईहै। नरगिस मोहम्मदी जबरन हिजाब पहनने के नियम का विरोध कर रही हैं। ईरान में 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के लिए हिजाब पहनना अनिवार्य है। हालांकि, इस नियम का समय-समय पर विरोध होता रहा है। पिछले साल सितंबर में ईरान की मोरैलिटी पुलिस की हिरासत में महसा अमीनी नाम की लड़की की मौत के बाद देशव्यापी विरोध प्रदर्शन हुआ था। हिजाब नहीं पहनने के कारण मोरैलिटी पुलिस ने महसा को गिरफ्तार किया था।

वैश्विक संघर्षों में मध्यस्थता करने की क्षमता रखता है भारत, यूएन में भारत की प्रतिनिधि का बयान

न्यूयॉर्क । संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा है कि भारत की रणनीतिक स्थिति उसे विभिन्न शक्ति समूहों से रचनात्मक रूप से जुड़ने में सक्षम बनाती है। साथ ही जटिल राजनयिक हालात में भी भारत ने वैश्विक संघर्षों में मध्यस्थता करने की क्षमता दिखाई है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स में दीपक और नीरा राज सेंटर में रुचिरा कंबोज ने इंडिया इन इमर्जिंग ग्लोबल ऑर्डर नामक विषय पर दिए अपने संबोधन में ये बात कही। कंबोज ने कहा कि आज तेजी से बदलते युग में जब कई जटिल चुनौतियां हैं, ऐसे वक्त में भारत ना सिर्फ अपनी विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि वाला देश है बल्कि शांति, एक दूसरे के प्रति सम्मान को मूर्त रूप देते हुए अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक अहम खिलाड़ी भी है। कंबोज ने कहा कि भारत का प्राचीन दर्शन वसुधैव कुटुंबकम, दुनिया एक परिवार है, भारत को वैश्विक मामलों में मध्यस्थ के तौर पर स्थापित करता है।

मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति बोले- अगर वैश्विक तापमान 1.5 डिग्री पहुंचा, तो हम जीवित नहीं बचेंगे

केप टाउन । जलवायु परिवर्तन वैश्विक चिंता का विषय है। इस पर मालदीव के पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद ने कहा कि अगर दुनिया का तापमान 1.5 डिग्री से ऊपर चला जाता है तो कोई भी जीवित नहीं बचेगा। दरअसल, दक्षिण अफ्रीका की राजधानी केप टाउन में एक कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम के दूसरे दिन गार्जियंस ऑफ द कॉस्ट : आइलैंड स्टेट्स एंड क्लाइमेट चैलेंजेस विषय को संबोधित किया। पूर्व राष्ट्रपति नशीद ने कहा कि अगर विश्व का तापमान 1.5 डिग्री से अधिक चला जाता है तो हम जीवित नहीं बचेंगे। हमारा मंच 1.5 डिग्री से अधिक चला गया तो हम जीवित नहीं बचेंगे। हम बेहतर सुरक्षा के लिए बात करेंगे। हमारे पास एक जलवायु समृद्धि योजना है। 20 से अधिक देश ऐसे हैं, जो खराब मौसम के कारण अगले 20 वर्षों में डिफॉल्ट हो जाएंगे। देशों की संख्या में आगे जरूर इजाफा होगा। नशीद ने इजराइल-हमास और रूस-यूक्रेन युद्धों पर भी बात की। उन्होंने कहा कि गाजा और यूक्रेन में युद्ध ने कई पर्यावरणीय मुद्दों को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि हमें उन्हें वापस ध्यान में लाना चाहिए।

बंधन से मुक्ति–अपनों से मिलन

39 फलस्तीनी कैदियों के बदले हमास ने छोड़े 13 इजराइली बंधक, सात विदेशी भी मुक्त

तेल अवीव ।
इजराइल और हमास के बीच लंबे समय से जारी युद्ध में फिलहाल विराम जारी है। इस बीच कतर और मिस्र के मध्यस्थों का कहना है कि हमास ने 39 फलस्तीनी नागरिकों के बदले में 13 इजराइली नागरिकों को रिहा किया है। साथ ही सात विदेशी नागरिकों की भी रिहाई हुई है। इसके अलावा दो दिन पहले रिहा किए गए इजराइली नागरिक अपने परिवार से मिले। बता दें, चार दिवसीय युद्ध विराम का शनिवार को दूसरा दिन है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बंधकों की रिहाई में तय समय से अधिक वक्त लगा। दरअसल, हमास का कहना था कि इजराइल युद्ध विराम की शर्तों को उल्लंघन कर रहा है। वह मानवीय सहायता के ट्रकों को उत्तरी गाजा तक आने के लिए रोक रहा है। हमास का कहना है कि इजराइल द्वारा फलस्तीनी बंधकों की रिहाई वितरण सौदे से कम था। हमास के अधिकारी का कहना है कि इजराइल के कार्यवाही के कारण समझौता खतरे में पड़ सकता है। हमने मध्यस्थों से बात की है। हमास सशस्त्र विंग का कहना है कि उन्होंने 13 इजराइली बंधकों सहित 7 विदेशी नागरिकों को अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस को सौंप दिया है।

इजराइली बंधक अपने परिजनों से मिले – गाजा में हमास द्वारा 24 नवंबर को रिहा किए गए इजराइली बंधक श्नाइडर चिल्ड्रेन मेडिकल सेंटर में अपने परिजनों से मिले। महीनों बाद अपने परिजनों को देखते ही बंधक भावुक हो गए और भागकर उनसे लिपट गए। बंधकों में महिला और बच्चे शामिल हैं।

हमास-इजराइल युद्ध के दौरान मनोरोग दवाओं की मांग में 30 प्रतिशत का इजाफा – इजराइल-हमास युद्ध जरूर थम गया है, लेकिन इसके चलते इजराइल में मनोरोग संबंधी दवाओं की मांग 30 प्रतिशत तक बढ़ गई। यह खुलासा इजराइली समाचार पत्र सीटेक ने किया है। मांग बढ़ने की वजह युद्ध के चलते भविष्य में दवाओं की कमी होने का आशंका बताई गई है। कई मरीज तो मनोचिकित्सक के पास पास जाकर दो से तीन महीने के लिए दवा प्रिस्क्राइब (दवा लिखने) करने का अनुरोध कर रहे हैं। इजराइली फार्मासिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष डेविड पप्पो कहते हैं, इजराइल में मनोरोग दवाओं के प्रिस्क्रिप्शन (नुस्खा लिखने) में वृद्धि नहीं हुई है, लेकिन मनोरोगी डर के कारण स्टॉक जमा कर रहे हैं। जिन दवाओं की मांग बढ़ी है उनमें चिंता, अवसाद की कम, स्लीपिंग पिल्स (नींद की दवा) की ज्यादा है।

जिनके परिचित घायल या मर रहे, उनमें छाई घबराहट – राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य परिषद के प्रमुख डॉ. जवी फिशेल कहते हैं, ये दवाएं सिर्फ चिंता और अवसाद के लिए नहीं हैं बल्कि नींद के लिए भी हैं। युद्ध शुरू होने के बाद से इस्राइलियों के बीच चिंताएं भी बढ़ी हैं। नींद की कमी केवल चिंता के कारण नहीं बल्कि मोबाइल पर अंतहीन स्क्रीन टाइम की वजह से भी है। युद्ध में जिनके परिचित घायल या मर रहे हैं उनमें घबराहट है।

मैंने ख्वाब देखा, हम घर आ गए..और ख्वाब सच हो गया – हमास की कैद के बाद मां व छोटी बहन के साथ रिहा हुई चार वर्षीय रज अशर इजराइल में अस्पताल के बिस्तर पर पिता की बाहों में बैठी है। वह पिता योनी से कहती है, मैंने सपना देखा कि हम घर आ गए। बदले में उसके पिता ने कहा, हां बच्ची तुम्हारा सपना सच हो गया है। पिता-पुत्री के ये संवाद श्नाइडर चिल्ड्रेंस मेडिकल सेंटर द्वारा जारी ताजा फुटेज के हैं।

रूसी हमले में मारे गए सैनिक के सम्मान में स्मारक, वीडियो जारी कर कही यह बात

कीव । यूक्रेन ने रूसी हमले में मारे गए सैनिक को स्मारक समर्पित किया। यूक्रेनी सैनिक को वीडियो साझा कर मरणोपरांत पदक से सम्मानित किया गया। वीडियो में उसे सम्मान के तौर पर यूक्रेन की महिमा की घोषणा करते हुए दिखाया गया है। सैनिक के गृहनगर में एक प्रतिमा स्थापित कर सम्मान दिया गया। बता दें वीडियो में दिखाया गया कि सैनिक चेर्निहाइव क्षेत्र की एक इकाई के साथ एक स्नाइपर था। यह सैनिक रूस के प्रतिरोध की एक लोकप्रिय अभिव्यक्ति बन गया। वीडियो में मात्सिएवस्की को जमीन पर गिरते हुए देखा जा सकता है। जिसमें साफतौर पर दिख रहा है कि उस पर अज्ञात हमला किया गया है। यूक्रेन ने मौत के लिए रूसी को जिम्मेदार ठहराया है। यूक्रेन ने कहा, अगर सैनिक के पास ग्रेनेड होता तो शायद दुश्मन के लोगों भी जिंदा न होते। राष्ट्रपति जेलेस्की ने सैनिक को यूक्रेन का हीरो बताकर सम्मान दिया। सैनिक के मां ने कहा, वह मुझे कहता था कि मैं कभी उन्हें कब्जा नहीं करने दूंगा। उन्होंने कहा, मेरे बेटे ने सिर्फ बाते नहीं की बल्कि देश को साबित कर दिया गया। हालांकि यूक्रे ने सैनिक मात्सिएवस्की की मौत की आपराधिक जांच शुरू कर दी है। यूक्रेन में इस सैनिक को लेकर तरह-तरह की पोस्ट साझा की जा रही है। जिसमें इसे यूक्रेन का हीरो कहकर सम्मानित किया गया है।

कंगाली की कगार पर खड़ा पाकिस्तान 35 करोड़ खर्च कर लाहौर में कराएगा कृत्रिम बारिश, इस देश की लेगा मदद

लाहौर (पाकिस्तान) । पाकिस्तान लंबे समय से गहरे आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। बावजूद, इसके वह करीब 35 करोड़ रुपये खर्च कर वायु प्रदूषण को कम करने के लिए लाहौर में कृत्रिम बारिश की योजना बना रहा है। इसके लिए वह चीन की मदद लेने की तैयारी कर रहा है। देश के पंजाब प्रांत की राजधानी अभी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई है।

शुक्रवार को लाहौर एक बार फिर दुनिया में वायु प्रदूषण के मामले में पहले स्थान पर रहा। मौसम विभाग के सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि प्रांतीय राजधानी में औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 356 दर्ज किया गया। पाकिस्तान का लाहौर और भारत का दिल्ली शहर हाल के कुछ वर्षों से सर्दी के मौसम में दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर बने हुए हैं। संयोग से, दिल्ली सरकार ने भी वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कृत्रिम बारिश की संभावना की घोषणा है। वित्त मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से शुक्रवार को कहा, लाहौर में धुंध-कोहरे के गंभीर स्तर से निपटने के अपने प्रयासों के तहत पंजाब सरकार प्रांतीय राजधानी में कृत्रिम बारिश कराने की योजना बना रही है। परियोजना की अनुमानित लागत 35 करोड़ रुपये है। इस हफ्ते की शुरुआत में मुख्य मौसम विज्ञानी चौधरी असलम ने कहा था कि लाहौर में अगले महीने कृत्रिम बारिश होने की संभावना है और इसके लिए तैयारियां चल रही हैं। उन्होंने कहा था कि सरकार कोहरे पर अंकुश लगाने के लिए अपने प्रयास तेज कर रही है। खबर में कहा गया है कि पंजाब सरकार ने धुंध से निपटने के लिए कृत्रिम बारिश की व्यापक योजना को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञों से सलाह मांगी है। अखबार ने पंजाब के अंतरिम सूचना मंत्री आमिर मीर के हवाले से कहा कि चीनी विशेषज्ञों के साथ मामले पर बातचीत हुई है। क्लाउड सीडिंग सबसे प्रभावी तरीका है।

हमले में जिंदा बचे इजराइली बच्चे मोशे के दादा ने बयां किया दुख, कहा- भारत ने हमारे दर्द को अपना समझा

अफुला ।
26/11 आतंकी हमले के सुरक्षित बचे सबसे कम उम्र के इजराइली बच्चे मोशे होल्ज्जबर्ग के दादा आतंकी हमलों को याद कर भावुक हो गए। 15वीं बरसी पर मोशे के दादा ने दर्द बयां करते हुए मोशे के माता-पिता को याद किया। साथ ही उन्होंने भारत के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत ने हमारे परिवार के दर्द को अपने दर्द जैसा समझा। मोशे के दादा ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, भारत के लोगों को याद है कि 15 वर्ष पहले हम पर क्या बीती।

इस आतंकी हमलों में हमारे परिवार और अन्य इजराइली लोगों के परिवार तबाह हो गए थे। हमारी भावनाओं को समझने के लिए भारत का दिल से धन्यवाद। बता दें लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने मुंबई के कई स्थानों पर

2008 में हमला किया था। मोशे और उनके माता-पिता भी इस आतंकी हमले में फंस गए थे। हालांकि आतंकी ने मोशे के माता-पिता की हत्या कर दी थी। इस आतंकी हमले में मोशे बच गया था। साथ ही उन्होंने कहा, हम पर आतंकी हमला हुआ फिर भी हम पूरी दुनिया में शांति की उम्मीद करते हैं। इस वर्ष आतंकियों ने निर्मम यहूदियों की हत्या कर दी। मोशे का दादा का बयान उस समय आया जब इजराइल और हमास के बीच जंग छिड़ी हुई हैं।

मुंबई आतंकी हमले में मोशे से जुड़ी एक तस्वीर ने दुनियाभर का ध्यान अपनी ओर खींचा था। तस्वीर में मोशे की जान बचने के बाद सीने से लगाई नानी की तस्वीर वायरल हुई थी। उन्होंने कहा, मोशे अब बड़ा हो गया है। सैंड्रा इजराइल में है। हमारे घर में परिवार के सदस्य के रूप में उसका एक स्थान सुनिश्चित है।

ओईसीडी शेरपा शाल ने की भारत की जी20 अध्यक्षता की तारीफ, कहा–नई दिल्ली ने प्रभावशाली परिणाम दिए

केप टाउन ।
जी20-जी7 और एपीईसी के लिए ओईसीडी शेरपा एंड्रियास शाल ने भारत की जी20 अध्यक्षता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत की अध्यक्षता ने प्रभावशाली परिणाम दिए हैं। इस समय विश्व में भू-राजनीतिक चुनौतियां अधिक हैं। भारत की अध्यक्षता असल में काफी प्रभावशाली थी। भारत ने संगठन में अफ्रीकी संघ को शामिल करवाया। हम सभी अफ्रीकी संघ का समर्थन करते हैं। जी20 का 21वां सदस्य होने के कारण मुझे लगता है कि अफ्रीकी आवाजों को बढ़ाना महत्वपूर्ण है। हमने दक्षिण अफ्रीका के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। हम अपनी पहुंच और सहयोग का विस्तार कर रहे हैं। हम अफ्रीकी संघ को मेज पर देखकर बहुत खुश हैं।

भारत के साथ काम कर रहे

शेरपा शाल ने आगे कहा कि जलवायु और एसडीजी वित्त हमारे समय के महत्वपूर्ण चुनौतीपूर्ण कार्यों में से एक है। हमने कोविड-19 के दौरान एसडीजी को वित्तपोषित करने में काफी संशोधन खोए हैं। हम प्रगति दर्शा रहे हैं। हम दर्शा रहे हैं कि अभी और बहुत किया जा सकता है। हमारा मानना है कि खेल में अधिक निजी पूंजी पाने के लिए पेरिस वित्त शिखर सम्मेलन के लिए सचिवालय के रूप में काम कर रहे हैं। हम जी20 के मिश्रित वित्त सिद्धांतों को विकसित करने के लिए इंडोनेशिया और भारत के साथ काम कर रहे हैं।

अमेरिका ने जी-20 शिखर सम्मेलन को बताया पूरी तरह सफल

इससे पहले, अमेरिका भी कई मौकों पर भारत में आयोजित जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन को पूरी तरह सफल बता चुका है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने मीडिया से कहा था कि हमारा मानना है कि यह एक बड़ी सफलता है। जी-20 एक बड़ा संगठन है। रूस और चीन इसके सदस्य हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए लीड स्टोरी के शीर्षक में लिखा था- भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन में विभाजित विश्व शक्तियों के बीच समझौता कराया, पीएम मोदी की बड़ी कूटनीतिक जीत।

इमरान की पत्नी बुशरा के पूर्व पति ने दोनों के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया, लगाए ये गंभीर आरोप

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी के पूर्व पति ने उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जोड़े पर व्यभिचार और धोखाधड़ी से शादी करने का आरोप लगाया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, खावर फरीद मनेका ने 71 वर्षीय खान और 49 वर्षीय बुशरा बीबी के खिलाफ पाकिस्तान पीनल कोड के मुताबिक विभिन्न धाराओं में इस्लामाबाद पूर्व के वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश कुदरतुल्ला की अदालत में शिकायत दर्ज की।

भ्रष्टाचार के मामले में मिली थी जमानत

सुनवाई के दौरान मनेका ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 200 (शिकायतकर्ता से पूछताछ) के तहत

एक बयान भी दाखिल किया। मनेका, जिन्हें हाल ही में भ्रष्टाचार के एक मामले में जमानत दी गई थी, उन्होंने बयान में अपना दावा दोहराया कि खान ने उनकी शादीशुदा जिंदगी बर्बाद कर दी।

इसके बाद अदालत ने मामले में उल्लिखित तीन गवाहों, इस्तेखाम-ए-पाकिस्तान पार्टी के सदस्य अवन चौधरी, निकाह कराने वाले मुफ्ती मुहम्मद सईद और मनेका के घर के कर्मचारी लतीफ को नोटिस जारी किया और उन्हें 28 नवंबर को अदालत के सामने पेश होने का निर्देश दिया।

आरोपों की हुई कड़ी निंदा

इस हफ्ते मनेका ने बुशरा बीबी से शादी करने से पहले इमरान को उनकी शादीशुदा जिंदगी बर्बाद करने के लिए जिम्मेदार ठहराया था। इन आरोपों की खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के नेताओं ने कड़ी आलोचना की, जिन्होंने मनेका के साक्षात्कार की नैतिक आवश्यकता पर सवाल उठाया, जबकि उनके पीएमएल-एन विरोधियों ने पूर्व प्रधानमंत्री पर कीचड़ उछालने के लिए इसका इस्तेमाल किया।

शिकायत में मनेका ने अदालत से आग्रह किया कि खान और बुशरा को न्याय के हित में कानून के अनुसार बुलाया जाए और कड़ी सजा दी जाए। उन्होंने कहा कि पीटीआई प्रमुख अक्सर आध्यात्मिक उपचार की आड़ में उनकी अनुपस्थिति में घंटों उनके घर आते थे, जो न केवल अवांछनीय बल्कि अनैतिक था।

2017 को दे दिया था तलाक उन्होंने आगे कहा कि खान देर रात बुशरा को फोन करते थे, बुशरा को बातचीत के लिए अलग संपर्क नंबर और मोबाइल फोन भी दिए गए थे। मनेका ने कहा कि उन्होंने 14 नवंबर, 2017 को बुशरा को तलाक दे दिया। उन्होंने कहा, व्यभिचार का जघन्य अपराध प्रतिवादी नंबर 1 (इमरान) और 2 (बुशरा) द्वारा किया गया है और 1 जनवरी, 2018 को शादी का नाटक रचा गया था। इससे एक दिन पहले इसी तरह के मामले में एक याचिकाकर्ता ने तकनीकी कारणों का हवाला देते हुए अपनी याचिका वापस ले ली थी।

पेरिस की इमारत में लगी आग, तीन महिलाओं की मौत, सात अन्य घायल

पेरिस । पेरिस के उपनगर में स्थित एक इमारत में आग लगने से तीन महिलाओं की मौत हो गई है। वहीं सात अन्य लोग घायल हो गए हैं। घायलों में एक बच्चा भी शामिल है, जिसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। खबर के अनुसार, घटना पेरिस के उपनगर स्टेन्स की है, जो कि पेरिस से 15 किलोमीटर दूर स्थित है। इमारत में आग करीब सुबह दो बजे लगी और भूतल से शुरू होकर ऊपरी मंजिलों में फैल गई। मरने वालों में हैती मूल की तीन महिलाएं शामिल हैं जो इमारत की तीसरी मंजिल पर बतौर किराएदार रह रहीं थी। अग्निशमन दल के कर्मचारियों को तीनों महिलाओं के शव बरामद हो गए हैं। वहीं हादसे में घायल हुआ बच्चा छह साल का है और इमारत की पहली मंजिल पर अपने माता-पिता के साथ रहता है।

मनोहर लाल की बड़ी घोषणा

सालाना एक लाख 80 हजार आय वाले परिवारों की लड़कियों को मुफ्त शिक्षा

मुख्यमंत्री ने समालखा जन आशीर्वाद रैली के दौरान दी करोड़ों रुपए की सौगात

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बड़ी घोषणा करते हुए प्रदेश के एक लाख 80 हजार रुपए आय वाले परिवारों की लड़कियों की सरकारी व प्राइवेट कॉलेज में शिक्षा फ्री करने का ऐलान किया है। यही नहीं उन्होंने कहा कि एक लाख 80 हजार रुपए से तीन लाख आय तक के परिवारों की लड़कियों की कॉलेज की आधी फीस सरकार देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन प्राइवेट कॉलेजों में फीस देनी होगी, वह हरियाणा सरकार देगी। उन्होंने समालखा को नगर पालिका से नगर परिषद बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने यह घोषणा रविवार को पानीपत जिला के समालखा में आयोजित जन आशीर्वाद रैली के दौरान की। उन्होंने समालखा वासियों के लिए करोड़ों रुपए की सौगात का पिटारा खोल दिया। उन्होंने कहा कि जहां जमीन मिलेगी, वहां 100-100 एकड़ के दो सेक्टर समालखा में बनाए जाएंगे। समालखा में 50 बेड के सीएचसी को 100 बैड का अस्पताल बनाए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अस्पताल से लघु सचिवालय तक जाने के लिए करीब 4 किलोमीटर का लंबा रास्ता है। इस रास्ते के बीच में कुछ जमीन पड़ती है, जो लोग जमीन देने के लिए तैयार हैं। इस जमीन के मिल जाने पर लघु सचिवालय से अस्पताल तक का सीधा करीब एक किलोमीटर का रास्ता बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि करहंस गांव से पट्टीकल्याणा के पास जो माइनर है, उस पर पूर्वी बाईपास के रूप में 8 किलोमीटर लंबी सड़क बनाई जाएगी। उन्होंने रविदास सभा और कश्यप राजपूत धर्मशाला को 11-11 लाख रुपए देने की घोषणा की। समालखा से नरायणा फाटक पर अंडरपास के लिए 6 करोड़ 80 लाख रुपए के काम को करवाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि समालखा बस अड्डे के सामने हाईवे पर अंडरपास बनाया जाएगा। पंजाबी सभा के भवन के रुके हुए काम को पूरा किया जाएगा। चुलकाणा धाम पर लाइटें लगाने व सौंदर्यीकरण के लिए दो करोड़ देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि एक करोड़ 25 लाख की लागत से बापौली में सब्जी मंडी बनवाई जाएगी। बापौली गांव में बस अड्डा बनवाया जाएगा। नंगला आर ड्रेन पुल पर साढ़े चार करोड़ रुपए खर्च कर पुल बनवा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने मार्केटिंग बोर्ड की 9 सड़कों के लिए साढ़े 8 करोड़ रुपए देने और पीडब्ल्यूडी की सड़कों की मरम्मत के लिए 25 करोड़ रुपए देने की घोषणा भी की। उन्होंने अग्रवाल समाज को 2012 में मिली जमीन के विवाद को भी जल्द सुलझाने के लिए कहा। साथ ही कहा कि इससे पूर्व समालखा के लिए 57 घोषणाएं की गई थी, जिनमें से 42 पूरी हो चुकी है, बाकी घोषणाओं पर भी काम करवाया जा रहा है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि पिछले वर्ष भापरा स्टेडियम का उद्घाटन किया था लेकिन वह अभी तक खेल विभाग को नहीं मिल पाया है। यह स्टेडियम आगामी एक महीने में खेल विभाग को सौंप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकार ने वर्षों से गन्नौर में 500 एकड़ जमीन लेकर रखी हुई थी। इस पर 5600 करोड़ रुपए खर्च कर अंतर्राष्ट्रीय फल व सब्जी मंडी बनाई जा रही है। दिल्ली सराए काले खां से पानीपत तक रैपिड मेट्रो ट्रेन का जल्द टेंडर होने वाला है। इसको लेकर हरियाणा सरकार अपने हिस्से का पैसा जमा भी करवा चुकी है। उन्होंने कहा कि समालखा की फाउंड्री इंडस्ट्री से जुड़ी कुछ समस्याएं हैं, जिन्हें जल्द दूर किया जाएगा। डिकाडला के नजदीक एचएसआईआईडीसी के माध्यम से उद्योगों के लिए 100 से 500 एकड़ जमीन लेकर इंडस्ट्री को दी जाएगी।

वेदों के सिद्धांतों के प्रचारक थे महर्षि दयानंद सरस्वती : बलवीर आचार्य

हिसार (हिंस)। वैदिक विद्वान प्रोफेसर बलवीर आचार्य ने कहा है कि कि भारतीय समाज के पुनर्जागरण में आर्य समाज और महर्षि दयानंद सरस्वती ने अग्रणी भूमिका निभाई है। उन्होंने विलुप्त वेदों के सार्वभौमिक, सार्वजनिक एवं सर्वकालिक ज्ञान-विज्ञान एवं सांस्कृतिक ज्ञान का प्रचार करके यह बताया कि मानव मात्र प्रभु के पुत्र हैं। प्रो. बलबीर सिंह आर्य रविवार को आर्य समाज लाला लाजपत राय चौक नागोरी गेट के 137वें वार्षिकोत्सव के अंतिम दिन की सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वेदों के अनुसार ना कोई छोटा है और ना बड़ा। स्त्री पुरुष सब बराबर है, छुआछूत समाज का कलंक है, सबको वेद पढ़ने का अधिकार है। आधुनिक भारत में महिला और दलितों को वेद पढ़ने का अवसर आर्य समाज ने दिया। कोलकाता से पहुंचे भजनोपदेशक कैलाश कर्मठ ने ईश्वर भक्ति के मधुर भजनों के भक्ति रस से सबको आत्मिक आनंद में डुबो दिया। उन्होंने बताया कि महर्षि दयानंद के कारण ही दलित परिवारों के बच्चे वेदों के प्रचंड विद्वान बने और उन्होंने राष्ट्र के उत्थान में अपूर्व योगदान दिया।

पंजाब में ट्रेन रोकने पर 348 किसानों के खिलाफ मामला दर्ज

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में गन्ने के दाम बढ़ाने की मांग को लेकर चार दिन तक रेल मार्ग बाधित करने पर आरपीएफ ने 348 किसानों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें दो किसानों को नामजद किया गया है जबकि अन्य सभी को भीड़ के रूप में रखा गया है। आरपीएफ अब वीडियो के माध्यम से अगली कार्रवाई करेगी। गन्ने का रेट बढ़ाने और दूसरी मांगों को लेकर किसानों द्वारा नई दिल्ली-जम्मू नेशनल हाईवे एवं रेलवे ट्रैक जाम रखा गया था। हाईवे जाम होने से सैकड़ों लोगों को परेशानियों का सामान करना पड़ा था। 84 घंटे से बंद हुआ हाईवे शुक्रवार को शाम करीब साढ़े 5 बजे खोला गया था। इसके अलावा करीब 24 घंटे तक रेलवे ट्रैक बंद किया गया था। ट्रैक बंद होने से करीब 182 ट्रेन प्रभावित हुई थी। काफी संख्या में ट्रेन रद्द करनी पड़ी थी। आरपीएफ थाना जालंधर के इंचार्ज अशोक कुमार के अनुसार केस में आईपीसी की धारा 147 और 174-ए जोड़ी गई है। नामजद किसानों में बलविंदर सिंह राजू औलख और माझा किसान संघर्ष कमेटी के अध्यक्ष बलजिंदर सिंह शामिल है। फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इस मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव पर निकला नगर कीर्तन

कैथल (हिंस)। प्रथम गुरु श्री नानक देव जी का प्रकाशोत्सव के उपलक्ष्य में जिले भर के गुरुद्वारों में धार्मिक आयोजन किए गए। संगतों ने गुरुद्वारों में शीश नवाया और शब्द कीर्तन का आंनद लिया। शहर में भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। नगर कीर्तन की अगुवाई परंपरागत वेशभूषा में सजे पंज प्यारों ने की। मुख्य आयोजन गुरुद्वारा नीम साहब में हुआ। सुबह शब्द कीर्तन और अरदास हुई। इसके बाद संत महिन्द्र सिंह ने नगर कीर्तन की शुरुआत की। नगर कीर्तन में श्री गुरु ग्रंथ साहिब को भव्य पालकी में सजाया गया था। नगर कीर्तन के आगे महिलाएं सफाई कर रही थी। बैंडबाजा पार्टी ने गुरु नानक जी कि गुरुबाणी नानक नाम चढदीकला, तेरे भाणे सरबत दा भला की धुन से संगत का मनमोह लिया। नीम साहिब गुरुद्वारा रागी गुरप्रीत सिंह और मंजी साहिब रागी जत्था साहब सिंह ने नाम खुमारी नानका चढ़ी रहे दिन रात। सब सिखन को हुक्म है गुरु मान्यों ग्रंथ आदि शब्द कीर्तन कर गुरुबाणी का सिमरन किया। नगर कीर्तन डोगरा गेट, चंदाना गेट, छात्रावास रोड, पुराना बस अड्डा रोड, पिहोवा चौक से होते हुए श्री गुरु तेग बहादुर चौक पर समापन हुआ।

जयपुर जिले में 75.91 फीसदी से ज्यादा मतदाताओं ने किया मतदान

जयपुर (हिंस)। जयपुर जिले के 19 विधानसभा क्षेत्रों में 25 नवंबर को विधानसभा चुनाव-2023 के तहत सफल एवं शांतिपूर्ण मतदान हुआ। जयपुर जिले के 19 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत 75.91 से ज्यादा दर्ज किया गया है जो कि विधानसभा चुनावों में जयपुर जिले में अब तक का सर्वाधिक मतदान प्रतिशत है। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि कुल 38 लाख 34 हजार 407 मतदाताओं ने ईवीएम के जरिये, 7 हजार 50 मतदाताओं ने होम वोटिंग के जरिये, लगभग 26 हजार 293 मतदाताओं ने डाक मतपत्र के जरिये मतदान किया है, इस प्रकार जयपुर जिले लगभग 38 हजार 67 लाख 750 से ज्यादा मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव-2023 के तहत 25 नवंबर को जिले में ईवीएम के जरिये कुल 38 लाख 34 हजार 407 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिनमें 20 लाख 23 हजार 140 पुरुष मतदाता, 18 लाख 11 हजार 225 महिला मतदाता एवं 42 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। इस प्रकार 76.08 फीसदी पुरुष मतदाताओं, 74.35 महिला मतदाताओं एवं 56.58 फीसदी ट्रांसजेंडर मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव में मतदान को लेकर हर वर्ग एव आयुवर्ग के मतदाताओं में खासा उत्साह देखा गया। कोटपूतली विधानसभा क्षेत्र में 77.38 फीसदी, विराटनगर विधानसभा क्षेत्र में 76.49 फीसदी, शाहपुरा विधानसभा क्षेत्र में 84.81 फीसदी, चौमूं विधानसभा क्षेत्र में 84.41 फीसदी, फुलेरा विधानसभा क्षेत्र में 78.36 फीसदी, दूदू विधानसभा क्षेत्र में 79.30 फीसदी, झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 72.21 फीसदी, आमेर विधानसभा क्षेत्र में 78.20 फीसदी एवं जमवारामग ? विधानसभा क्षेत्र में 77.18 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। वहीं हवामहल विधानसभा क्षेत्र में 76.74 फीसदी, विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में 73.16 फीसदी, सिविल लाइन्स विधानसभा क्षेत्र में 70.66 फीसदी, किशनपोल विधानसभा क्षेत्र में 77.36 फीसदी, आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में 73.84 फीसदी, मालवीय नगर विधानसभा क्षेत्र में 70.37 फीसदी, सांगानेर विधानसभा क्षेत्र में 70.86 फीसदी, बगरू विधानसभा क्षेत्र में 72.73 फीसदी, बस्सी विधानसभा क्षेत्र में 78.98 फीसद एवं चाकसू विधानसभा क्षेत्र में 76.29 फीसदी मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जयपुर जिले में भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों की अनुपालना में 14 नवंबर से 19 नवंबर तक 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग श्रेणी के विशेष योग्यजन मतदाताओं को विधानसभा चुनाव के लिए घर पर मतदान करने की सुविधा दी गई थी। जिसमें 96 फीसदी से ज्यादा मतदाताओं ने होम वोटिंग का लाभ उठाया और 19 विधानसभा क्षेत्रों में होम वोटिंग के लिए पंजीकृत 7 हजार 230 में से 6 हजार 970 मतदाताओं ने होम वोटिंग के तहत घर से मतदान किया। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने जयपुर जिले में सफल, शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं भयमुक्त चुनाव संपन्न होने पर जिले के सभी मतदाताओं, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों, मीडिया कर्मियों, मतदान दल में नियोजित कर्मचारियों, पुलिस एवं सुरक्षा बलों के जवानों के साथ साथ संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया से प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से जुड़े सभी कार्मिकों का आभार जताया है।

वोटिंग पैटर्न को लेकर राजनीतिक हलकों में अटकलें तेज

जयपुर (हिंस)। विधानसभा चुनावों में इस बार 74.96 प्रतिशत वोटिंग हुई है। जो पिछली बार के 74.06 प्रतिशत के आंकड़े से लगभग एक फीसदी बढ़ गई है। वर्ष 2018 की तुलना में वोटिंग प्रतिशत की मामूली बढ़ोतरी भी कई सीटों पर उलटफेर कर सकती है। वोटिंग पैटर्न ने साफ सियासी अलार्मिंग वाले संकेत दे दिए हैं। गहलोत सरकार के सात मंत्रियों की सीटों पर पिछली बार की तुलना में वोटिंग प्रतिशत बढ़ा है। सीएम अशोक गहलोत और 18 मंत्रियों के इलाकों में वोट प्रतिशत घटा है। इनमें 10 मंत्रियों के इलाकों में वोट प्रतिशत घटने का आंकड़ा बहुत मामूली है। जो एक प्रतिशत से कम है। राज्य में मामूली वोटों से कई बार सियासी उलटफेर होता रहा है। इसलिए भी वोटिंग के इस पैटर्न को लेकर सियासी हलकों में अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सीट सरदारपुरा में इस बार 2.59 प्रतिशत वोटिंग में कमी आई है। 2018 में सरदारपुरा सीट पर 67.09 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। जो इस बार घटकर 64.50 फीसदी रह गई है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी नाथद्वारा में इस बार 78.20 प्रतिशत वोटिंग हुई है, जबकि 2018 में 76.44 फीसदी वोटिंग हुई थी। शांति धारीवाल, बीडी कल्ला, उदयलाल आंजना, विश्वेंद्र सिंह, प्रमोद जैन भाया, शाले मोहम्मद, अशोक चांदना, भंवर सिंह भाटी, राजेंद्र यादव, सुखराम बिश्नोई और सुभाष गर्ग के इलाकों में एक फीसदी से कम वोटिंग घटी है। मंत्री मुरारीलाल मीणा के क्षेत्र दौसा में पिछली बार से 5.98 फीसदी वोटिंग कम हुई हैं। बानसूर से शकुंतला रावत के क्षेत्र में 4.26 प्रतिशत, कामां से जाहिदा खान की सीट पर 4 प्रतिशत, सिकराय से ममता भूपेश के इलाके में 2.96 प्रतिशत और बांसवाड़ा से अर्जुन बामणिया की सीट पर 2.51 प्रतिशत वोटिंग कम हुई है। महेंद्र जीत मालवीय की सीट पर 1.44 और टीकाराम जुली की सीट पर 1.41 प्रतिशत वोट कम पड़े हैं। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की सीटों पर वोटिंग में काफी इजाफा हुआ है। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे और आरएलपी प्रमुख हनुमान बेनीवाल की सीट पर वोटिंग प्रतिशत गिरा है। डोटासरा की सीट लक्ष्मणगढ़ पर 2.08 प्रतिशत वोटिंग ज्यादा हुई है। लक्ष्मणगढ़ में 2018 में 74.39 प्रतिशत, जबकि इस बार 76.47 प्रतिशत वोटिंग हुई है। राजेंद्र राठौड़ की तारानगर सीट पर पिछली बार से 7.05 प्रतिशत वोट ज्यादा पड़े हैं। तारानगर सीट पर 2018 में 75.25 प्रतिशत वोटिंग हुई।

हरियाणवी बोली पर लाज नहीं, नाज कीजिए : नीरज चोपड़ा

सोनीपत (हिंस)। ओलंपिक स्वर्ण विजेता नीरज चोपड़ा ने कहा है कि अपनी बोली बोलने में लाज नहीं नाज कीजिए। क्षेत्रीय बोलियों को मान सम्मान दीजिए। बोलियों की क्रांति का हिस्सा बनिए। बोली खोई नहीं सोई है। हरियाणावी बोली मां तो राजस्थानी बोली मेरी मौसी है। वह रविवार को संस्कृति मार्डन स्कूल गांव खंडरा पानीपत में आयोजित पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। बोलियों में फिल्म, वेब सिरीज बनाने वाले ओटीटी प्लेटफार्म स्टेज का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त होने पर नीरज ने कहा कि घर और गांव में हम हमारी बोली में बात करते हैं। सुख दु:ख की भावनाएं व्यक्त करते हैं। एक सवाल के जवाब में कहा कि बोली मान्यता मिले या न मिले इसे छोड़कर अपनी बोली को बोलो। भले ही बोलियों का कोई व्याकरण नहीं है पर किस्से, कहानियां, लोक कथाएं सब बोलियों में हैं। जितना साहित्य बोलियों में है

उतना किसी भाषा में नहीं मिलता। गोल्डन ब्वाय नीरज चोपड़ा ने कहा की जिस बोली को बोलते बोलते हम बड़े हुए हैं। उसी बोली को ना बोलकर हम उसे क्यों छोटा करते हैं। मुझे विश्व के देशों में जाने का मौका मिला वहां सवालों के जवाब मैने अपनी बोली में दिए। सबसे खास बात यह है कि अपनी बोली में आप अपने दिल की बात सही तरीके से रखते हैं क्योकि आप उसके जानकार हैं। दूसरी बात जो आपकी बोली नहीं समझते वे भी समझने लगेंगे। जैसे हम दूसरी भाषाओं को पढते हैं बोलते हैं वो भी हमारी बोली को सुनेंगे समझेंगे। नीरज ने कहा कि स्टेज हरियाणावी, राजस्थानी बोली में काम करता है। मेरी प्रेरणा महाराणा प्रताप हैं। महाराणा प्रताप का शस्त्र भाला है और भाला ही मेरा खेल है। स्टेज के संस्थापक विनय सिंघल ने कहा कि नीरज चोपड़ा को ब्रांड ऐम्बैसडर बनाने के पीछे हमारा सबसे बड़ा कारण नीरज अपनी मां बोली को सम्मान देते हैं। खेल से तो युवाओं के लिए प्रेरणा दी, अपनी बोली और संस्कृति के प्रति प्रेम से भी प्रेरणा लेनी चाहिए। स्टेज के सह संस्थापक शशांक वैष्णव और प्रवीण सिंघल ने कहा कि क्षेत्रीय बोलियों के प्रति युवाओं का प्रेम और सम्मान बढ़ेगा। हरियाणा और राजस्थान के फिल्म मेकर जहां फिल्म बनाने के लिए संघर्षरत थे, आज इन प्रदेशों में हर महीने पांच से छह वेब सिरीज और फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं। क्षेत्रीय बोलियों के लेखकों, अभिनेताओं और फिल्म से जुड़े अन्य रोजगार मुहैया करवाने का भी प्रयास किया है। क्षेत्रीय भाषा में बने कांटेंट को पूरा विश्व देखेगा।

पंजाब में पीएम की सुरक्षा में कोताही पर दो डीएसपी समेत छह निलंबित

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में हुई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में कोताही पर राज्य सरकार ने एक एसपी को निलंबित करने के बाद अब दो डीएसपी समेत छह अन्य कर्मचारियों को निलंबित कर दिया। प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कोताही पिछले साल जनवरी में सामने आई थी। पंजाब में विधानसभा के चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी पांच जनवरी, 2022 को बठिंडा पहुंचे थे। यहां से सड़क मार्ग के जरिए प्रधानमंत्री फिरोजपुर जा रहे थे। रास्ते में किसानों ने जाम लगा दिया। इसके बाद फिरोजपुर में प्यारे आला फ्लाईओवर पर प्रधानमंत्री का काफिला बीस मिनट तक रुका रहा। यह फ्लाई ओवर भारत-पाकिस्तान हुसैनीवाला बार्डर से कुछ दूरी पर है। बीस मिनट बाद प्रधानमंत्री को वापस लौटना पड़ा। इस पूरे घटनाक्रम की जांच रिपोर्ट आने के बाद पंजाब सरकार ने एसपी गुरबिंदर सिंह को निलंबित करने के बाद डीएसपी प्रसोन सिंह, डीएसपी जगदीश कुमार, इंस्पैक्टर बलविंदर सिंह, जतिंदर सिंह, एसआई जसवंत सिंह तथा एएसआई रमेश कुमार को भी निलंबित कर दिया है।

जम्मू-कश्मीर के बारामूला से लश्कर-ए-तैयबा के तीन मददगार गिरफ्तार

बारामूला (हिंस)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रविवार को प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के तीन मददगारों को बारामूला जिले से गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से हथियार, गोला-बारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि झूला फुट ब्रिज के पास कलगाई में 13 सिखली, 185 बीएन बीएसएफ और बारामूला जिले की पुलिस टीम के साथ संयुक्त नाका चेकिंग के दौरान बैग लेकर आ रहे दो आतंकी सहयोगियों को रोका गया। उनकी तलाशी लेने पर दोनों से तीन चीनी ग्रेनेड और ढाई लाख रुपए की नकदी बरामद हुई। गिरफ्तार किए गए सहयोगियों की पहचान जमीर अहमद खांडे और मोहम्मद नसीम खांडे के रूप में हुई है। पुलिस की पूछताछ में दोनों ने बताया कि ये अवैध रूप से हासिल किए गए हथगोले और नकदी उन्हें मंजूर अहमद भट्टी निवासी मदियान कमलकोटे ने उपलब्ध कराए थे, ताकि वह आतंकी घटना को अंजाम दे सकें। इसके बाद पुलिस ने मंजूर अहमद भट्टी को भी गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान भट्ट ने बताया कि उसने आतंकी वारदात को अंजाम देने के लिए इन दोनों व्यक्तियों को अवैध रूप से प्राप्त ग्रेनेड और नकदी की आपूर्ति की है। पुलिस ने उसके पास से भी एक चीनी हथगोला और 2.17 लाख रुपए की नकदी बरामद की। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने मां त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में की पूजा-अर्चना

बांसवाड़ा (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने रविवार को प्रसिद्ध शक्तिपीठ त्रिपुरा सुंदरी में विशेष पूजा अर्चना की। भाजपा उम्मीदवारों के साथ करीब एक घंटे से अधिक समय तक मंदिर के गर्भ ग्रह में विशेष पूजा अर्चना की और भारतीय जनता पार्टी की सफलता के लिए प्रार्थना की। मतदान समाप्त होने के दूसरे ही दिन पूर्व मुख्यमंत्री मां त्रिपुरा सुंदरी मंदिर के दरबार में पहुंची। यहां पर बांसवाड़ा जिले के भारतीय जनता पार्टी के सभी विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशियों मान शंकर निनामा, कैलाश मीणा, भीमा भाई और धनसिंह रावत के साथ विशेष पूजा अर्चना की और बाद में मतदान को लेकर प्रत्याशियों एवं पदाधिकारी से फीडबैक लिया। हालांकि इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने मीडिया से दूरी बनाए रखी, लेकिन उन्होंने मां त्रिपुरा सुंदरी से भाजपा की सफलता की कामना को लेकर प्रार्थना की। पूजा कराने वाले पंडित निकुंज मोहन पंड्या ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया ने विजय श्री की कामना को लेकर पूजा अर्चना कराई है और उनकी मां के प्रति अगाध श्रद्धा है जिससे उनको सफलता प्राप्त हो सकती है। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष लाभचंद पटेल, पूर्व मंत्री भवानी जोशी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शीतल भंडारी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष, एस टी मोर्चा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य हकरू मईडा आदि उपस्थित थे।

पंजाबी फिल्म उद्योग पर गैंगस्टरों का साया

मूसेवाला की मौत के बाद कइयों को मिल चुकी हैं धमकियां

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाबी फिल्म उद्योग पर गैंगस्टरों का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। कनाडा में गायक गिप्पी ग्रेवाल के घर पर फायरिंग की घटना के बाद एक बार फिर से पंजाबी कलाकार भय के साये में आ गए हैं। करीब एक साल पहले जान से मारने की धमकी के बाद ग्रेवाल परिवार समेत मोहाली से कनाडा शिफ्ट हो गए थे, वहां भी बीती रात उनके घर पर फायरिंग हो गई। गिप्पी ग्रेवाल की गाड़ी में चार गोलियां लगी हैं। यह पहला मौका नहीं है जब गैंगस्टरों ने पंजाबी गायकों को निशाना बनाया है। इससे पहले सिद्धू मूसेवाला की हत्या को भी गैंगस्टरों ने ही अंजाम दिया था। मूसेवाला की हत्या का आरोप लारेंस बिश्नोई गैंग पर है। अब गिप्पी ग्रेवाल के घर पर हुई फायरिंग की जिम्मेदारी भी लारेंस बिश्नोई गैंग ने ली है। इससे पहले गिप्पी ग्रेवाल जब पंजाब में रहते थे तो मूसेवाला की हत्या के कुछ दिन बाद उन्हें धमकी दी गई थी। पंजाबी गायक बब्बू मान, मनकीरत औलख भी गैंगस्टरों के निशाने पर चल रहे हैं। गायक एवं अभिनेता परमीश वर्मा पर तो फायरिंग भी हो चुकी है। आए दिन मिलने वाली धमकियों व गैंगस्टरों द्वारा फिरौती मांगने की घटनाओं के बाद ज्यादातर पंजाबी कलाकार कनाडा में शिफ्ट हो रहे हैं। ताजा घटना ने एक बार फिर से पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री पर सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है।

सरजूदास महाराज को राष्ट्रीय संत की उपाधि

बीकानेर (हिंस)। इन दिनों बीकानेरवासियों की दिनचर्या पूर्णत: बदल चुकी है। 108 कुंडीय रामचरित मानस महायज्ञ व श्रीराम कथा में रोजाना करीब 25-30 हजार लोगों का शामिल होना वाकई कुम्भ सा प्रतीत हो रहा है। हवनशाला में जहां लगभग 1200-1300 लोग अनुष्ठान में शामिल रहते हैं वहीं अनुमानत: एक बार में हवन शाला की एक बार की परिक्रमा में लगभग 650 श्रद्धालु शामिल होते हैं और यह क्रम सुबह 8 बजे शुरू होता है जो निरंतर दोपहर 3 बजे तक जारी रहता है। इसके बाद शुरू होता है राम रसपान का समय यानि जगद्गुरु पद्मविभूषित स्वामी रामभद्राचार्यजी महाराज के श्रीमुख से श्रीराम कथा का वाचन हजारों श्रद्धालुओं को कृतार्थ करता है। यज्ञब्रह्मा अशोक ओझा ने बताया कि पं. जुगलकिशोर ओझा के आचार्यत्व में 108 कुंडीय रामचरित मानस महायज्ञ किया जा रहा है। रामचरित मानस की चौपाइयों, श्रीसुक्त पाठ और राम नाम मंत्र से हवन में आहुतियां प्रदान की जा रही है। दृश्य और भी विहंगम तब हो जाता है जब हवन पूर्णाहुति के बाद हनुमान चालीसा और सीतारामजी की आरती होती है। एक साथ हजारों श्रद्धालुओं द्वारा हनुमानचालीसा के पाठ करने से माहौल राममय हो जाता है। रामझरोखा कैलाशधाम के पीठाधीश्वर सरजूदासजी महाराज ने बताया कि एक आवश्यक कार्य के कारण जगद्गुरु स्पेशल चार्टर विमान से दिल्ली जाकर आए। आयोजन का आरंभ चंद्रेश हर्ष, अशोक चौधरी, सुभाष गुप्ता, महेश मोदी, मेघराज मित्तल, कमलकुमार सर्राफ, सुनीलम् पुरोहित चरण पादुका पूजन कर किया। सीताराम, अरविन्द शर्मा, राकेश, दरबार, किशन, जयदयाल, कांता, सुनीता, मनफूल, अनिता, जितेन्द्र, श्यामसुंदर आदि आरती में शामिल हुए। इस अवसर पर खत्री-मोदी समाज द्वारा माल्यार्पण कर जगद्गुरु का अभिनन्दन किया गया। जगद्गुरु रामभद्राचार्यजी महाराज ने भरत चरित्र का बहुत ही मार्मिक वर्णन किया।

उन्होंने बताया कि जब भरतजी अयोध्या पहुंचे तो उन्हें न पिता दिखे, न रामजी दिखे, कोई भी प्रसन्नता के भाव या किसी भी जीव में हर्ष नहीं दिख रहा था। माता कौशल्या से जब पूछा तो उन्होंने कहा कि यहां सूर्य भी नहीं और चंद्रमा भी नहीं है और आगे अनेक वृतांत के बाद राजसिंहासन ठुकराते हुए भरतजी निकल पड़े रामजी को मनाने। जगद्गुरु ने बताया कि जो राम प्रेम से मन भर देता है उसे भरत कहते हैं। वनवासी राम-लक्ष्मण और जानकी से मिले भरतजी और 14 वर्ष के लिए रामजी से पादुका लेकर भरत का लौटने के वृतांत ने जगद्गुरु सहित उपस्थित हजारों श्रद्धालुओं के हृदय को झकझोर दिया। महंत भगवानदासजी महाराज ने बताया कि अखाड़ा परिषद चतुष्सम्प्रदाय द्वारा रामझरोखा कैलाशधाम के पीठाधीश्वर श्रीसरजूदासजी महाराज को राष्ट्रीय संत की उपाधि प्रदान की गई। अखिल भारतीय पंच दिगम्बर अखाड़ा राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकिशोरदास महाराज ने राष्ट्रीय संत से श्रीसरजूदासजी महाराज को अलंकृत किया और जगद्गुरु पद्मविभूषित स्वामी रामभद्राचार्यजी महाराज ने तिलक निकाल कर अभिनन्दन किया। इस दौरान गुरु रामदास महाराज, श्रीमद्भगवत् अग्रपीठाधीश्वर स्वामी राघवाचार्यजी महाराज, बाहुबल देवाचार्य बलदेवाचार्यजी महाराज, रामदासजी मुरारपुर धाम, परशमदासजी, प्रियमदासजी महाराज, अखिल भारतीय पंचनिर्वाणी अखाड़ा महंत धर्मदासजी महाराज, जगद्गुरु रामनंदाचार्य स्वामी रामदिनेशा महाराज, महामंडलेश्वर परमेश्वरदासजी महाराज, केशवदासजी महाराज सहित अनेक संत-महात्माओं ने श्रीसरजूदासजी महाराज का अभिनन्दन कर मंगलकामनाएं दी।

एसएमई प्लेटफॉर्म से बीएसई के मेन बोर्ड में शामिल होने के लिए बीएसई ने जारी की नई गाइडलाइन

नई दिल्ली।

वैसे स्मॉल और मीडियम इंटरप्राइजेज जो बीएसई की एसएमई प्लेटफॉर्म से निकलकर बीएसई की मेनबोर्ड में शामिल होना चाहते हैं उन उद्यमों के लिए बीएसई ने कुछ गाइडलाइन जारी किया है। मेन बोर्ड का मतलब बीएसई की टॉप 100 या टॉप 300 कंपनियों की लिस्ट में शामिल होना है।

कब से लागू होगी ये गाइडलाइन

बीएसई ने कहा कि ये नई गाइडलाइन 1 जनवरी 2024 से लागू हो जाएगी। आपको बता दें कि बीएसई ने नई गाइडलाइन के अलावा एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्टिंग के लिए पात्रता मानदंड में भी बदलाव किया है।

क्या है नई गाइडलाइन

बीएसई की गाइडलाइन के तहत आवेदक के पास पिछले दो वित्तीय वर्षों में कम से कम 15 करोड़ रुपये का नेट वर्थ होना चाहिए। आवेदनकर्ता एसएमई उद्यमों के पास कम से कम तीन साल के लिए एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होना जरूरी है। बीएसई की मेनबोर्ड में ट्रांसफर होने से पहले आवेदनकर्ता के पास 250 पब्लिक शेयरहोल्डर होने चाहिए। एसएमई आवेदनकर्ता को कम से कम तीन वित्तीय वर्षों में से किसी दो के लिए सकारात्मक परिचालन लाभ होना चाहिए और एक्सचेंज में माइग्रेशन आवेदन करने के तत्काल वित्तीय वर्ष में प्रॉफिट आफटर टैक्स पॉजिटिव होना चाहिए। आवेदक की चुकता इक्विटी पूंजी 10 करोड़ रुपये से अधिक होनी चाहिए और एमकैप कम से कम 25 करोड़ रुपये होना चाहिए। आवेदक कंपनी को राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण द्वारा स्वीकार की गई कोई भी समापन याचिका प्राप्त नहीं होनी चाहिए और पिछले तीन साल में फर्म के खिलाफ किसी भी स्टॉक एक्सचेंज द्वारा एसएमई और उसके प्रमोटरों के खिलाफ व्यापार को निलंबित करने जैसी कोई महत्वपूर्ण नियामक कार्रवाई नहीं होनी चाहिए। आवेदक कंपनी, उसके प्रमोटरों के साथ-साथ उसकी सहायक कंपनी को बाजार नियामक सेबी द्वारा प्रतिबंधित नहीं होना चाहिए। आंकड़ों के मुताबिक अब तक, 464 कंपनियां बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुई है जिनमें से 181 कंपनियां मेनबोर्ड में ट्रांसफर हुई है।

न्यूज ब्रीफ

टाटा के आईपीओ ने तोड़ा एलआईसी का रिकॉर्ड, सबसे ज्यादा बोली पाने वाला आईपीओ बना

नई दिल्ली । टाटा ग्रुप की इंजीनियरिंग कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज का आईपीओ बाजार में छा गया है। इस आईपीओ ने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। 24 नवंबर को यह आईपीओ रिकॉर्ड 69.43 गुना अधिक सब्सक्रिप्शन के साथ बंद हुआ। एक रिपोर्ट के मुताबिक टाटा टेक आईपीओ के लिए कुल 73.5 लाख लोगों ने आवेदन किया। इसके साथ ही इसने एलआईसी के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। बता दें कि एलआईसी के आईपीओ को लगभग 73.38 लाख आवेदन मिले थे। यह टाटा ग्रुप की किसी कंपनी का अब तक का सबसे अच्छा आईपीओ प्रदर्शन भी है। टाटा ग्रुप का अब तक का सबसे सफल आईपीओ टीसीएस का था, जो इसने 19 साल पहले 2004 में लॉन्च किया था। टीसीएस के आईपीओ को 775-900 रुपये प्रति शेयर के प्राइस बैंड के साथ लॉन्च किया गया था। टीसीएस के शेयर 25 अगस्त, 2004 को 26.6 फीसदी प्रीमियम के साथ 1,076 रुपये प्रति शेयर के भाव पर लिस्ट हुए थे। टाटा टेक्नोलॉजीज के आईपीओ को इश्यू के अंतिम दिन शुक्रवार को 69.43 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। करीब दो दशक में टाटा ग्रुप की किसी कंपनी का यह पहला आईपीओ है। इश्यू खुलने से पहले कंपनी ने एंकर निवेशकों से 791 करोड़ रुपये जुटाए थे। टाटा टेक का आईपीओ 22 नवंबर को खुला था. बोली खुलने के करीब एक घंटे के अंदर ही यह आईपीओ पूरी तरह सब्सक्राइब हो गया था। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 475-500 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था। कंपनी के शेयर 5 दिसंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होने की उम्मीद है।

महेंद्र सिंह धोनी ने फिटनेस स्टार्टअप में किया निवेश, फिटनेस स्टार्टअप तगड़े रहो की शुरुआत साल 2020 में ऋषभ मल्होत्रा ने की थी

नई दिल्ली । तगड़े रहो नामक स्टार्टअप् में भारतीय क्रिकेटर और आईसीसी विश्व कप विजेता कप्तान

महेंद्र सिंह धोनी ने निवेश किया है। हालांकि कंपनी ने अभी कितना निवेश किया है, इसका खुलासा नहीं किया है। स्टार्टअप ने कहा कि इसका उद्देश्य फिटनेस के प्रति धोनी की प्रतिबद्धता के अनुरूप भारतीय भौतिक संस्कृति को पुनर्जीवित करना है। इसके अलावा कंपनी ने कहा की धोनी के साथ इस भागीदारी होने से तगड़े रहो का पूरे देश में विस्तार करने में मदद मिलेगी। तगड़े रहो की शुरुआत साल 2020 में ऋषभ मल्होत्रा द्वारा की गई थी। कंपनी ट्रेडिशनल इंडियन इक्विपमेंट को मॉडर्न ट्रेनिंग एप्लिकेशन के साथ मुहैया कराए जाते हैं, जैसे गदा, मुदगर, वज्र और सुमतोला। यह स्टार्टअप कंपनी अपनी वेबसाइट के जरिए भी ट्रेनिंग इक्विपमेंट को सेल करती है। ट्रेनिंग की बात करें तो यह स्टार्टअप बेंगलुरु में ट्रेनिंग देता है, जहां कंपनी ने एक डगआउट बनाया है। आसान भाषा में समझाएं तो डगआउट के जरिए लोगों को एक ही जगह पर कई तरह की ट्रेनिंग दी जाती है। साथ ही कई तरह के खेल भी होते हैं। अगले महीने कंपनी महाराष्ट्र में एक नया डगआउट खोलने की तैयारी कर रही है। कंपनी की योजना अगले साल तक देश के 4-5 राज्यों में अपने कारोबार को विस्तार करने का है। फिटनेस स्टार्टअप तगड़े रहो में निवेश को लेकर धोनी ने कहा कि फिटनेस मेरे जीवन का एक हिस्सा है और रही है; जब मैं छोटा था तब खेल खेलना शुरू कर दिया था और अब यह वर्कआउट को अपनी रोजमर्रा की दिनचर्या का हिस्सा बनाने के रूप में विकसित हो गया है। जब मुझे तगड़े रहो के बारे में पता चला तो कंपनी का कॉन्सेप्ट मुझे पसंद आया। उन्होंने कहा कि कंपनी इसमें इनोवेशन के तहत उस वर्कआउट को सामने लाने की कोशिश कर रही है, जिसे लोग भूल चुके हैं।

वित्त मंत्री सीतारमण ने राज्य सरकार की ओर से फंड्स की अनदेखी से जुड़े आरोपों को नकारा, कही यह बात

नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने केरल की वाम सरकार के धन आवंटन में लापरवाही के

आरोपों को खारिज किया और दावा किया कि केंद्र सरकार बिना किसी देरी के दक्षिणी राज्य के लोगों को जरूरी पैसे तुरंत भेजती है। अलग-अलग श्रेणियों के तहत धन जारी नहीं करने के वाम सरकार के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने राज्य सरकार पर उंगली उठाई और आरोप लगाया कि देरी आवश्यक मानदंडों को पूरा करने में राज्य की विफलता के कारण है। केंद्र सरकार की कथित उपेक्षा के खिलाफ जनवरी में नई दिल्ली में विरोध प्रदर्शन की घोषणा करने वाले सत्तारूढ़ माकपा नीत गठबंधन की आलोचना करते हुए वित्त मंत्री ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2009-10 से 2023-24 तक केरल को वित्त आयोग अनुदान की सबसे अधिक राशि जारी की गई है।

प्रॉपर्टी में निवेश करना आसान होगा

सेबी ने नए नियमों को मंजूरी दी, शेयर बाजार में मार्च से सेम डे ट्रेड सेटलमेंट भी लागू होगा

मुंबई।

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी बोर्ड ने रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट रेगुलेशन 2014 में संशोधन को मंजूरी दे दी है। छोटे और मध्यम के लिए नया रेगुलेटरी फ्रेमवर्क बनाने के लिए यह मंजूरी दी गई है। सेबी की बोर्ड मीटिंग के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सेबी चीफ माधबी पुरी बुच ने ये जानकारी दी।

नए नियमों के बाद लाने के लिए कंपनी के पास एसेट वैल्यू मिनिमम 50 करोड़ रुपए होनी चाहिए। पहले ये 500 करोड़ रुपए थी। एक कंपनी/ट्रस्ट है जो इनकम जनरेट करने वाली रियल एस्टेट प्रॉपर्टीज की मालिक होती है और उन्हें मैनेज भी करती है। निवेशक में शेयर खरीद सकते हैं, और बदले में, उन्हें इन प्रॉपर्टीज से मिलने वाली रेंटल इनकम का एक हिस्सा मिल जाता है।

स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट होते हैं

सीधे शब्दों में कहें तो निवेशकों को फिजिकल प्रॉपर्टी के स्वामित्व के बिना रियल एस्टेट में निवेश करने और कमाई करने का मौका देता है। स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट होते हैं, जिससे निवेशकों के लिए अपने शेयर खरीदना और बेचना आसान हो जाता है।

निवेशकों के पैसों का इस्तेमाल प्रॉपर्टी खरीदने में होता है

निवेशकों से पैसा इकट्ठा करते हैं और उस पैसे का इस्तेमाल इनकम जनरेटिंग प्रॉपर्टीज खरीदने के लिए करते हैं। फिर इन प्रॉपर्टीज को किराएदारों को लीज पर दिया जाता है, और किराए की आय निवेशकों को डिविडेंड के रूप में वितरित की जाती है। अपनी किराए की आय का कम से कम 90 प्रतिशत निवेशकों को वितरित करना आवश्यक है।

सोशल स्टॉक एक्सचेंजों के नियमों को आसान बनाया

सेबी ने सोशल स्टॉक एक्सचेंजों के लिए भी नियमों को आसान बना दिया है। एनजीओ जैसी नॉट फॉर

प्रॉफिट एंटीटी पहले मिनिमम 1 करोड़ रुपए रेज कर सकती थी। इसे अब घटाकर 50 लाख कर दिया गया है। इसके अलावा लोगों के पार्टिसिपेशन को बढ़ाने के लिए मिनिमम एप्लीकेशन साइज को 2 लाख रुपए से घटाकर 10,000 रुपए कर दिया है।

फंड रेज करने के लिए ये एंटीटी जीरो कूपन जीरो प्रिंसिपल बॉन्ड जारी करती है। क्योंकि इसमें इंटरेस्ट नहीं मिलता और ना ही प्रिंसिपल अमाउंट होता है। ये पूरी तरह से डोनेशन के लिए होते हैं। सोशल स्टॉक एक्सचेंज यानी स्श्व मौजूदा स्टॉक एक्सचेंजेज पर ही सेपरेट सेंगमेंट है। सोशल कॉज के लिए इसे शुरू किया गया है।

2024 से सेम डे ट्रेड सेटलमेंट लागू होगा

सेबी चीफ माधबी पुरी बुच ने ये भी बताया कि मार्च 2024 सेम डे ट्रेड सेटलमेंट लागू हो जाएगा। इसके लिए लिए एक रोडमैप तैयार किया गया है। वहीं तुरंत सेटलमेंट के लिए एक ऑप्शनल पैरलल सिस्टम भी बनाया जा रहा है। यानी पैसे और तुरंत अकाउंट में क्रेडिट हो जाएंगे। ये साल 2025 तक लागू होगा।

ट्रेड सेटलमेंट को लेकर अभी टी+1 नियम लागू है। इसमें डील्स का सेटलमेंट कारोबारी दिन यानी ट्रेडिंग डे के एक दिन बाद होता है। यानी कि अगर आप आज कोई भी शेयर खरीदते हैं तो वह डीमैट अकाउंट में कल क्रेडिट होगे। इसी तरह अगर आज कोई शेयर बेचतें हैं तो उसका पूरा पैसा कल ट्रेडिंग अकाउंट में क्रेडिट होगा।

हेल्थ इंश्योरेंस लेते समय पुरानी बीमारी छिपाना पड़ सकता है भारी

नई दिल्ली।

हेल्थ इंश्योरेंस उत्पाद की खरीदारी के दौरान शुगर व ब्लड प्रेशर (बीपी) जैसी अन्य पुरानी बीमारियों को छिपाना भारी पड़ सकता है। इस आधार पर इंश्योरेंस कंपनियां क्लेम को खारिज कर सकती है और प्रीमियम का पैसा जब्त कर इंश्योरेंस पॉलिसी भी रद कर सकती है।

पॉलिसी बाजार के हालिया सर्वे के मुताबिक हेल्थ इंश्योरेंस के जितने क्लेम खारिज होते हैं, उनमें 25 प्रतिशत का आधार पुरानी बीमारियों को छिपाना होता है। वहीं 50 प्रतिशत क्लेम इंश्योरेंस उत्पाद की सीमित समझ की वजह से खारिज होते हैं। कंपनी ने यह खुलासा इस साल अप्रैल से सितंबर के बीच दो लाख क्लेम में से 30 हजार अस्वीकृत क्लेम के विश्लेषण के बाद किया है। जानकारों के मुताबिक हेल्थ इंश्योरेंस के उत्पादों को लेकर उपभोक्ताओं की समझ सीमित होती है और कई बार वह ऐसी गलती कर बैठते हैं जिसका खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ता है। उदाहरण के लिए कई ऐसी बीमारी होती है जिनके क्लेम में वेटिंग पीरियड होता है। यह वेटिंग पीरियड एक माह, दो साल और चार साल तक का हो सकता है जो बीमारी पर निर्भर करता है। मान लीजिए अगर स्टोन की बीमारी का वेटिंग पीरियड दो साल का है तो इंश्योरेंस लेने के दो साल के बाद ही स्टोन के इलाज का क्लेम कंपनी देगी। पॉलिसी बाजार के सर्वे में पाया गया कि 18 प्रतिशत से अधिक क्लेम वेटिंग पीरियड पूरा न होने की वजह से खारिज कर दिए जाते हैं। मतलब क्लेम वेटिंग पीरियड पूरा होने के पहले फाइल किया गया था। सर्वे में पाया गया कि 25 प्रतिशत क्लेम इसलिए खारिज हुए क्योंकि वे कवरेज से बाहर के थे। कई बार इंश्योरेंस उत्पाद में डे केयर या ओपीडी कवरेज शामिल नहीं होता है, लेकिन उपभोक्ता उसका क्लेम भी कर देते हैं। इसलिए जरूरी है कि इंश्योरेंस खरीदने वाले कवरेज के दायरे को ठीक से समझ ले। इलाज कराने से पहले पॉलिसी दस्तावेजों को सही से पढ़ने और समझने से इस प्रकार की अस्वीकृति को कम किया जा सकता है। 4.5 प्रतिशत क्लेम गलत तरीके से फाइल करने के कारण खारिज कर दिए जाते हैं। सर्वे में पाया गया कि 50 लाख से एक करोड़ वाले हेल्थ इंश्योरेंस में क्लेम खारिज करने का प्रतिशत पांच लाख तक के इंश्योरेंस की तुलना में काफी कम था। पॉलिसी बाजार के हेड हेल्थ इंश्योरेंस अमित छाबड़ा के मुताबिक अक्सर लोग हेल्थ इंश्योरेंस लेते समय पहले से मौजूद बीमारी को छिपा लेते हैं।

तनावग्रस्त संपत्ति हस्तांतरित करने से जुड़ी पीआईएल को अदालत ने वापस लेने की अनुमति दी, ये है मामला

नई दिल्ली ।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने यस बैंक से जेसी फ्लावर्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी को 48,000 करोड़ रुपये की तनावग्रस्त संपत्ति हस्तांतरित करने के मामले में दायर पीआईएल वापस लेने की अनुमति दे दी है। पूर्व राज्यसभा सदस्य सुब्रमण्यम स्वामी ने उक्त जनहित याचिका (पीआईएल) दाखिल करते हुए इस मामले में एक विशेषज्ञ समिति के गठन की मांग की थी। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने पाया कि याचिका वापस लेने पर पक्षों को कोई आपत्ति नहीं है और इस तरह मामले में आगे की सुनवाई रद्द कर दी गई।

पीठ ने 22 नवंबर को आदेश दिया, वर्तमान रिट याचिका वापस ली गई मानकर खारिज की जाती है। अदालत ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने संपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों के लाइसेंस और संचालन के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं, जो याचिकाकर्ता के अनुसार पूंजी पर्याप्तता, शासन, जोखिम प्रबंधन और प्रकटीकरण आवश्यकताओं के मुद्दों को कवर करते हैं।

अदालत ने कहा कि कुछ मामलों में संपत्ति

पुनर्निर्माण कंपनियों (एआरसी) और बैंकों के बीच साझेदारी के लिए आरबीआई और बाजार नियामक सेबी, दोनों से मंजूरी जरूरी हो सकती है। स्वामी ने इस साल उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर केंद्रीय वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) को बैंकों/एनबीएफएस या अन्य वित्तीय संस्थानों और एआरसी के बीच की गई व्यवस्थाओं को विनियमित करने का निर्देश देने की मांग की थी।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पर भी मिलता है लोन, क्या हैं प्रोसेस और इंटरेस्ट रेट

नई दिल्ली।

गोल्ड को शुभ के साथ इन्वेस्ट के लिए भी काफी पसंद किया जाता है। इसके अलावा आपात स्थिति में इसे बेचकर यह काफी मदद भी करता है। अब तो गोल्ड को गिरवी रखकर के हम आसानी से लोन लेकर अपनी जरूरतों को पूरा कर सकते हैं। अब हम फिजिकल गोल्ड के साथ डिजिटल गोल्ड भी खरीद सकते हैं।

ऐसे में लोगों के मन में सवाल आता है कि क्या हम डिजिटल गोल्ड को भी गिरवी रखकर लोन ले सकते हैं आइए, इस सवाल का जवाब इस लेख में जानते हैं।

क्या सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पर लोन ले सकते हैं

आपको बता दें कि हां, आप सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पर भी लोन ले सकते हैं। जिस तरह से हम स्टॉक या शेयर की मदद से लोन लेते हैं। ठीक, उसी प्रकार हम एसजीबी के जरिये बैंक. वित्तीय संस्थान या गैर-बैंकिंग कंपनियों से लोन ले सकते हैं। इस लोन में एसजीबी एक सिक्योरिटी के तौर पर काम करेगी। इस लोन का मूल्य अनुपात वही होगा जो आरबीआई द्वारा समय-समय पर तय किया जाता है।

ग्राहक को सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के तहत लोन मिलेगा या नहीं यह पूरा अधिकार बैंक या वित्तीय संस्थान का होगा। आप अपनी जरूरतों या फिर खर्चों को पूरा करने के लिए लोन ले सकते हैं। बैंक एसजीबी को डीमैट या फिर भौतिक दोनों तरह से स्वीकार कर सकती है।

एसजीबी पर कितना लोन मिलेगा

देश के सभी बैंक एसजीबी पर अलग-अलग राशि में लोन देते हैं। उदाहरण के तौर पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया 20,000 रुपये से 20 लाख रुपये तक का लोन अप्रूव करती है। वहीं पंजाब नेशनल बैंक 50,000 रुपये से 10 लाख रुपये तक का लोन देती है। इसी तरह यूनियन बैंक ऑफ इंडिया भी 50,000 रुपये से 25 लाख रुपये तक का लोन देती है। देश के कुछ बैंक केवल एसजीबी डीमैट पर ही लोन देती है। ऐसे में आपको लोन लेने से पहले उसकी जांच जरूर करनी चाहिए। वहीं कई बैंक डिमटेरियलाइज्ड रूप में रखे गए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पर ही लोन देता है।

भारतीय मोबाइल इंडस्ट्री 9 साल में 20 गुना बढ़ी

वैष्णव बोले- भारत की इम्पोर्ट पर निर्भरता कम हुई, 2014 में 78 प्रतिशत मोबाइल बाहर से खरीदते थे

नई दिल्ली।

देश में मोबाइल फोन का प्रोडक्शन बीते 9 साल में 20 गुना बढ़ गया है। इलेक्ट्रॉनिक और इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने मोबाइल प्रोडक्शन की समीक्षा बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (ट्विटर) पर एक पोस्ट में ये जानकारी दी।

केंद्रीय मंत्री ने पोस्ट में बताया कि मोबाइल फोन इम्पोर्ट करने पर भारत की निर्भरता अब काफी हद तक कम हो गई है। 2014 में भारतीय मोबाइल इंडस्ट्री 78 प्रतिशत इम्पोर्ट पर निर्भर थी। यानी देश में 78 प्रतिशत मोबाइल बाहर से खरीदना पड़ता था। उन्होंने बताया कि 2023 में भारत में बिकने वाले 99.2 प्रतिशत फोन पर मेड इन इंडिया की बेजिंग है।

जुलाई-सितंबर तिमाही में 4.3 करोड़ स्मार्टफोन की थोक बिक्री हुई - देश में जुलाई-सितंबर क्वार्टर में 4.3 करोड़ स्मार्टफोन बेचे गए। मार्केट रिसर्च फर्म कैनालिस के मुताबिक, सैमसंग दूसरी तिमाही में 18 प्रतिशत मार्केट शेयर के साथ टॉप पर रही है। इस दौरान कंपनी ने इंडियन मार्केट में

79 लाख स्मार्टफोन बेचे।

वहीं, शाओमी ने पिछले क्वार्टर में 76 लाख स्मार्टफोन की थोक बिक्री की और मार्केट शेयर के लिहाज से दूसरे स्थान पर रही। वहीं, 72 लाख स्मार्टफोन की बिक्री के साथ वीवो तीसरे, रियलमी (58 लाख थोक बिक्री) चौथे और ओप्पो (44 लाख थोक बिक्री) पांचवे स्थान पर रही है।

एंट्री लेवल 5जी स्मार्टफोन की डिमांड बढ़ी - पिछले क्वार्टर में मोबाइल कंपनियों ने मार्केट में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए नए 5जी स्मार्टफोन लांच किए हैं, जिससे एंट्री लेवल 5जी स्मार्टफोन की डिमांड तेजी से बढ़ी है। प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट में भी अच्छी ग्रोथ रही है। इसमें सैमसंग की सीरीज और एपल के आइफोन-14 और आइफोन-13 पर मिलने वाले आफर्स का योगदान रहा है।

गूगल भारत में पिक्सल फोन का प्रोडक्शन शुरू करेगा - सैमसंग, शाओमी, एपल, ओप्पो, वीवो, रियलमी और वनप्लस सहित कई विदेशी स्मार्टफोन मेकर कंपनियां भारत में स्मार्टफोन का प्रोडक्शन कर रही हैं। हाल ही में गूगल ने भी घोषणा की है कि जल्द पिक्सल फोन का प्रोडक्शन भारत में होगा। इसके बाद भारत में बिकने वाले आईफोन के साथ-साथ गूगल पिक्सल जैसे प्रीमियम स्मार्टफोन भी मेड इन इंडिया होंगे।

गूगल पिक्सल फोन अब भारत में भी बनेंगे। इसकी शुरुआत पिक्सल 8 से होगी। ये डिवाइस 2024 से बाजार में आएंगे। गुरुवार को गूगल फॉर इंडिया इवेंट में डिवाइसेज हेड रिक ओस्टरलोह ने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग सेटअप के लिए कंपनी भारत में पार्टनरशिप करेगी।

ओस्टरलोह ने कहा, पिक्सल डिवाइसेज की लोकल डिमांड को पूरा करने के लिए प्रोडक्शन का विस्तार करने की दिशा में यह प्रारंभिक कदम है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह मेक इन इंडिया के लिए गूगल के कमिटमेंट में एक बड़ा कदम है।

पेट्रोल और डीजल नोएडा में सस्ता, पटना में महंगा

नई दिल्ली । कच्चे तेल में गिरावट के बीच देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। ज्यादातर राज्यों व शहरों में ईंधन के दाम में कोई बड़ा अंतर नहीं आया है। हालांकि असम में 98.70 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। आंध्र प्रदेश में पेट्रोल 111.79 प्रति लीटर है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 111.35 रुपये और डीजल 97.28 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.75 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

जोराम का ट्रेलर हुआ जारी, फिल्म में काम करके बेहद खुश हुए मनोज बाजपेयी

मुंबई (ईएमएस)। सर्वाइवल-थ्रिलर फिल्म जोराम का ट्रेलर जारी हो गया। इसमें अभिनय करने को लेकर अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कहा कि वह इसका हिस्सा बनकर खुश हैं। उन्होंने कहा कि यह फिल्म सीमाओं से परे है। द गैंग्स ऑफ वासेपुर फेम अभिनेता ने कहा, मैं जोराम का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। फिल्म ने वास्तव में सभी पहलुओं में सीमाओं को पार कर लिया है। मुझ पर विश्वास करने के लिए मैं देवाशीष का आभारी हूं। हम वास्तव में प्रतिक्रिया से अभिभूत हैं। मैं ट्रेलर देखने के लिए बहुत उत्साहित हूं क्योंकि यह वास्तव में आपको आने वाले समय की एक झलक प्रदान करता है। यह फिल्म एक छोटे से गांव के रहने वाले मनोज के किरदार पर आधारित है, जो अब अपहरण के आरोप में अपनी नवजात बेटी को अपने साथ लेकर पुलिस से भाग रहा है। पिता अपने गांव से भाग गए हैं और आसपास के दूर-दराज के इलाकों में छिपे हुए हैं, क्योंकि अधिकारी उनकी तलाश कर रहे हैं। फिल्म के लेखक-निर्देशक देवाशीष मखीजा ने कहा कि यह सर्वाइवल थ्रिलर ड्रामा सभी बाधाओं के बावजूद जीवन की खोज की गहराई को दर्शाती है।

पूरी टीम शानदार और निडर है, और सभी ने अविश्वसनीय रूप से कड़ी मेहनत की है। इस फिल्म को बनाने में वर्षों का विचार और कठिनाई लगी। फिल्म में सहायक किरदार की भूमिका निभाने वाले मोहम्मद जीशान अय्यूब ने भी अपनी भूमिका के बारे में बताते हुए कहा कि मैं शहर के पुलिसकर्मी रत्नाकर का किरदार निभा रहा हूं। उन्होंने कहा, एक व्यक्ति जो शहर में बड़ा हुआ, इस फिल्म पर काम करते हुए मुझे पहली बार जंगलों और लौह अयस्क खदानों में ले गया। इससे मुझे एहसास हुआ कि मैं रत्नाकर से कितना जुड़ सकता हूं और यह आपको इस बात की सराहना करने के लिए प्रेरित करता है कि जीवन ने आपको क्या दिया है। उन्होंने आगे कहा कि मैंने इस फिल्म से बहुत कुछ सीखा है और मुझे वाकई उम्मीद है कि हर कोई इससे कुछ सीखेगा।

विजय देवरकोंडा को डेट कर रही हैं रश्मिका मंदाना, रणबीर कपूर ने खोला राज

मुंबई (ईएमएस)। हिन्दी सिनेमा में लोकप्रियता पाने वाली दक्षिण की एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना 1 दिसम्बर को प्रदर्शित होने वाली अपनी फिल्म एनिमल को लेकर चर्चा में हैं। इसके जरिए वो पहली बार रणबीर कपूर के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आने वाली हैं। फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया जा चुका है। ऐसे में अब वो फिल्म के प्रमोशन में बिजी हैं। इसी बीच रणबीर ने उनकी और विजय देवरकोंडा की रिलेशनशिप का राज खोल दिया है। दरअसल, बीते दिनों ही रश्मिका मंदाना और रणबीर कपूर फिल्म एनिमल के प्रमोशन के लिए साउथ एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण के शो अनस्टॉपेबल विद एनबीके 2 में पहुंचे थे। इनके साथ डायरेक्टर संदीप वांगा रेड्डी भी थे। अब इसी शो में रणबीर मजाक-मजाक में रश्मिका के रिलेशनशिप की पोल खोलते दिखे। बालकृष्ण ने स्क्रीन पर संदीप को उनकी पहली फिल्म अर्जुन रेड्डी और अपकमिंग मूवी एनिमल का पोस्टर साथ में दिखाया। फिर रणबीर ने इसे लेकर कहा कि रश्मिका से उनके फेवरेड एक्टर के बारे में पूछा जाए। वो हैं या फिर विजय देवरकोंडा? वहीं, रश्मिका मंदाना इस सवाल से खुद को बचाती नजर आईं और डिप्लोमेटिक जवाब दिया और कहा कि अर्जुन रेड्डी से उनका कनेक्शन है। दूसरी ओर एनिमल उनकी फिल्म है तो दोनों ही उनके फेवरेट हैं। इसके बाद नेशनल क्रश से फिर से पूछा जाता है कि आखिर अर्जुन रेड्डी से उनका क्या कनेक्शन है? इस पर रश्मिका हिचकिचाते हुए कहती हैं कि हैदराबाद जाने के बाद उन्होंने अर्जुन रेड्डी ही पहली फिल्म देखी थी। वहीं, रश्मिका का जवाब सुनने के बाद रणबीर कपूर से रहा नहीं गया और वो कहते हैं कि संदीप, रश्मिका से अर्जुन रेड्डी की सक्सेस पार्टी में मिले थे। ये पार्टी विजय के टेरेस पर हो रही थी। इतना सुनने के बाद एक्ट्रेस शरमा जाती हैं और रणबीर से पूछती हैं कि उन्हें ये सारी जानकारी दे कौन रहा है? इतना ही नहीं, नंदमुरी बालकृष्ण के शो में विजय देवरकोंडा को कॉल भी किया गया। रश्मिका और विजय की बातचीत से एक बात तो साफ है कि दोनों के बीच कुछ तो चल रहा है। हालांकि, ये अभी ऑफिशियल नहीं हुआ है।

कैटरीना जैसा साथी पाना एक आशीर्वाद है : विक्की कौशल

बालीवुड एक्टर विक्की कौशल ने अपनी पत्नी एक्ट्रेस कैटरीना कैफ को लेकर कई बातों का खुलासा किया और उनकी खूब तारीफ की। विक्की कौशल ने कहा कि कैटरीना कैफ और उनके बीच एक खूबसूरत रिश्ता है और उनके जैसा साथी पाना एक आशीर्वाद है। विक्की कौशल ने कहा कि अपने लिए उस साथी को ढूंढना वास्तव में एक आशीर्वाद है, जहां आपको वास्तव में ऐसा महसूस होता है जैसे आप घर वापस आ गए हैं। मुझे नहीं पता कि इसे शब्दों में कैसे बयां करूं, लेकिन यह बहुत ही सुकून वाला अहसास है। यह आपकी ग्राउंडिंग है, यह आपकी धुरी है। आप जानते हैं कि यह ग्राउंड जीरो है। एक्टर ने बताया कि कैटरीना कैफ एक प्यारी इंसान हैं। मुझे नहीं पता कि इसे कैसे कहूं, लेकिन उसके साथ जीवन जीना, जीवन की खोज करना मजेदार है। मैं कभी भी ज्यादा घूमने-फिरने वाला नहीं रहा, लेकिन कैटरीना के जीवन में आने के बाद से सब कुछ बदल गया है। उन्होंने कहा कि अब बहुत ज्यादा ट्रेवल कर रहे हैं। आपको एक-दूसरे के बारे में बहुत सी नई चीजें शेयर करने को मिलती है, इसलिए यह खूबसूरत है। बता दें किएक्टर विक्की कौशल न सिर्फ फिल्मों के दमदार एक्टर हैं, बल्कि वह एक बेस्ट फैमिली मैन भी हैं।

एनिमल की टीम गुरुद्वारा में माथा टेकने पहुंची

हाल ही बालीवुड एक्टर रणबीर कपूर और बॉबी देओल सहित एनिमल फिल्म की टीम दिल्ली के बंगला साहिब गुरुद्वारा में माथा टेकने पहुंची। इस दौरान फिल्म की एक्ट्रेस रश्मिका मदान नहीं थी। गुरुद्वारे में रणबीर कपूर व्हाइट कलर के कुर्ते पायजामें में नजर आए और वे काफी हैंडसम लग रहे थे। वहीं बॉबी देओल ने बेबी पिंक शर्ट और ब्लैक पैंट में हैंडसम दिखे। प्रोड्यूसर भूषण कुमार भी रणबीर और बॉबी के साथ नजर आए। इस दौरान सभी ने एनिमल की सफलता की दुआ के लिए अरदार लगाई और माथा टेका। एनिमल की बात करें तो ये फिल्म सिनेमाघरों में 1 दिसंबर को रिलीज होगी। संदीप रेड्डी वांगा के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में रणबीर कपूर, बॉबी देओल, रश्मिका मंदाना और अनिल कपूर सहित कई कालाकार शामिल हैं। फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में रिलीज किया जाएगा। बता दें कि बीते दिनों रणबीर कपूर स्टारर एनिमल का ट्रेलर लॉन्च हुआ। ट्रेलर को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है।

दर्शकों के बीच आ रही है "मनी हाइस्ट" की पॉपुलर स्पिन-ऑफ सीरीज "बर्लिन"

नेटफ्लिक्स की "मनी हाइस्ट" वेब सीरीज का भूत अभी भी दर्शकों के दिमाग से नहीं उतरा है। मूल रूप से स्पैनिश भाषा में बनी इस सीरीज ने अपनी अनोखी पटकथा के कारण पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया। इस सीरीज के अब तक 5 एपिसोड रिलीज हो चुके हैं। इस सीरीज के फैंस इसके आखिरी एपिसोड के दौरान काफी इमोशनल थे। एक प्रोफेसर जिसके पास खोने के लिए कुछ नहीं है, एक बड़ी डकैती की योजना बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के आठ लोगों को एक साथ लाता है। इस शानदार चोरी ने दर्शकों को आखिरी क्षण तक बांधे रखा। सबसे लोकप्रिय किरदारों में से एक है "बर्लिन" पात्र की कहानी वास्तव में पहली डकैती के बाद समाप्त हो गई। लेकिन दर्शकों ने "बर्लिन" को जो प्यार दिया उसे देखते हुए इस सीरीज के मेकर्स अगले एपिसोड में भी बर्लिन को एक अलग अंदाज में लेकर आए। बर्लिन को उनकी वाणी, हाव-भाव, सम्मोहक व्यक्तित्व और इस श्रृंखला में उनके महत्व के कारण हर कोई याद करता है। पांचवें सीजन के खत्म होने के बाद भी चर्चा थी कि "बर्लिन" दोबारा आएगा। कई प्रशंसकों को बर्लिन का अंत नहीं पता था। लेकिन अब नेटफ्लिक्स ने "मनी हाइस्ट" फैंस के लिए खुशखबरी दी है। कुछ महीने पहले सोशल मीडिया पर "बर्लिन" की स्पिनऑफ सीरीज की चर्चा चल रही थी और मेकर्स ने इसकी पुष्टि भी की थी। अब नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया पर इस स्पिनऑफ सीरीज का नया पोस्टर और रिलीज डेट की घोषणा करते हुए एक पोस्ट शेयर किया है। इससे "मनी हाइस्ट" और "बर्लिन" के फैंस काफी खुश हैं। नेटफ्लिक्स ने घोषणा की है कि सीरीज "बर्लिन" 29 दिसंबर को रिलीज होगी। इतना ही नहीं इस पोस्ट से साफ है कि इस सीरीज में हमें सिर्फ बर्लिन ही नहीं बल्कि उसके परिवार की भी कहानी देखने को मिलेगी। इस किरदार को निभाने वाले अभिनेता पेड्रो अलोंसो कई अन्य नए किरदारों के साथ बर्लिन की भूमिका में नजर आएंगे। यह स्पष्ट है कि इससे भी बड़ी डकैती को अंजाम देने में बर्लिन का हाथ होने वाला है। दर्शक इसे लेकर काफी उत्साहित हैं, वहीं कुछ ने मांग की है कि सीरीज में एक प्रोफेसर हो। कुछ लोगों ने टिप्पणी की है कि वे प्रोफेसर के बिना मनी डकैती के बारे में सोच भी नहीं सकते। अब ठीक-ठीक पता चल जाएगा कि 29 दिसंबर को नेटफ्लिक्स के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इस सीरीज में क्या देखने को मिलेगा।

रश्मिका के बाद आलिया भट्ट डीपफेक वीडियो वायरल

कुछ दिनों पहले एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का एक वीडियो वायरल हुआ था। इसके बाद एक्ट्रेस आलिया भट्ट का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो से नेटीजन नाराज हैं। फिलहाल आलिया का डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस वीडियो में आलिया को बेहद बोल्ड अंदाज में दिखाने की कोशिश की गई है। वीडियो देखते ही आपको पता चल जाएगा कि ये एक फेक वीडियो है। इस वीडियो में असली लड़की कौन है? क्या करती है इस बारे में अभी जानकारी सामने नहीं आई है। साथ ही इस पर आलिया की क्या प्रतिक्रिया होगी? ये सवाल हर किसी के मन में है। इससे पहले एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना, काजोल, कैटरीना कैफ और सारा तेंदुलकर डीपफेक वीडियो का शिकार हो चुकी हैं। इसके बाद रणबीर कपूर की पत्नी एक्ट्रेस आलिया भट्ट का वीडियो वायरल हो गया है। इस वीडियो को देखकर फैंस नाराज हैं।

डीप फेक क्या है? - डीपफेक सिंथेटिक मीडिया का एक रूप है। इसके जरिए किसी फोटो या वीडियो में किसी व्यक्ति का चेहरा बदल दिया जाता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल खासतौर पर डीप फेक में किया जाता है। इसलिए बनाए गए वीडियो कभी भी नकली नहीं माने जाते। डीप फेक वीडियो की पहचान अप्राकृतिक हिस्सों, आंख और सिर के समन्वय की कमी से की जा सकती है।

कूल लुक से सबको इम्प्रेस करती नजर आईं जेनिफर

हॉलीवुड की एक्ट्रेस जेनिफर लॉरेंस अक्सर अपने लुक को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस को न्यूयॉर्क सिटी में स्पॉट किया गया। इस दौरान वह अपने कूल लुक से सबको इम्प्रेस करती नजर आईं। जेनिफर की ये तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो इस दौरान 33 वर्षीय एक्ट्रेस येलो टर्टलनेक स्वेटर और व्हाइट जींस के साथ ब्राउन कलर का लॉन्ग कोट में काफी कूल दिखी। इस लुक को उन्होंने चेहरे पर ब्लैक शेड्स और खुले बालों के साथ कंप्लीट किया और बगल में ब्लैक पर्स भी कैरी किया। अपने लुक से सबको इम्प्रेस करते हुए जेनिफर कैमरे के सामने परफेक्ट पोज देती दिखीं। फैंस को एक्ट्रेस का ये लुक काफी भा रहा है।

सलमान खान की भांजी की फिल्म 'फर्रे' रिलीज, पहले ही दिन किया निराश

अभिनेता सलमान खान की भतीजी अलिजे अग्निहोत्री ने फिल्म 'फर्रे' से बॉलीवुड में डेब्यू किया है। सलमान द्वारा निर्मित फर्रे शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, लेकिन पहले दिन के आंकड़ों पर नजर डालें तो फिल्म को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला। यह फिल्म स्कूली बच्चों पर आधारित है। सलमान की भांजी और बाकी एक्टर्स ने भी इसका जमकर प्रमोशन किया था। 'सैक्निल्क' की एक रिपोर्ट के मुताबिक 'फर्रे' ने पहले दिन 50 लाख रुपये का बिजनेस किया है, लेकिन ये शुरूआती डेटा है। फिल्म शुक्रवार को रिलीज हुई है और वीकेंड पर फिल्म की कमाई बढ़ सकती है। यह फिल्म थाईलैंड में फिल्म 'बैड जीनियस' का आधिकारिक रीमेक है। अलिजेह अग्निहोत्री की यह फिल्म परीक्षा में हाईटेक नकल पर आधारित है। फिल्म को समीक्षकों से काफी अच्छे रिव्यू मिले हैं, लेकिन दर्शकों की संख्या कम है। फिल्म की आईएमडीबी रेटिंग 9.6 है। इसका निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सौमेंद्र पाढ़ी ने किया है। इसमें अलिजेह के अलावा जैन शॉ, साहिल मेहता, प्रसन्ना बिष्ट, रोनित बोस रॉय और जूही बब्बर सोनी भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। सलमान की बात करें तो उनकी फिल्म 'टाइगर 3' 12 नवंबर को दीपावली पर रिलीज हुई। इस फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन किया है। फिल्म ने भारत में 250 करोड़ का बिजनेस किया है। तो दुनियाभर में कमाई का आंकड़ा 400 करोड़ से भी ज्यादा है। सलमान फिलहाल इस फिल्म की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इस फिल्म में कैटरीना कैफ और इमरान हाशमी अहम भूमिका में हैं।

होम्बले फिल्म्स ने की डिवाइन ब्लॉकबस्टर कांतारा के प्रीक्वल की घोषणा

होम्बले फिल्म्स की एक्शन थ्रिलर "कांतारा" बड़े पर्दे पर आने के बाद से अपनी सफलता की मिसाल कायम करती चली गई। यह फिल्म भारत के दिल से एक दिव्य और भावपूर्ण कहानी लेकर आई और लाखों लोगों के दिलों को छू गई। इसके बाद से "कांतारा" का क्रेज दर्शकों के बीच लगातार देखा गया और जिसे और ऊंचाइयों पर पहुंचाते हुए मेकर्स ने फिल्म के अगले पार्ट की घोषणा की। अब, मेकर्स फिल्म की एक मच अवेटेड अपडेट के साथ फिल्म का टाइटल लेकर सामने आए हैं, जो "कांतारा चैप्टर 1" है। फिल्म के विरासत को आगे बढ़ाते हुए, मेकर्स ने सभी को चौंका दिया है जब उन्होंने "कांतारा" के प्रीक्वेल का बड़ा एलान किया, जिसका आधिकारिक टाइटल "कांतारा - चैप्टर 1" है। फिल्म की ग्रैंड अनाउंसमेंट को सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए, निमार्ताओं ने इसके फर्स्ट लुक रिलीज के बारे में भी अपडेट दिया और साथ ही बताया कि ये फिल्म हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, बंगाली और अंग्रेजी में "पैन-वर्ल्ड" रिलीज होगी। मेकर्स ने लिखा, अतीत की पवित्र गूंज में कदम रखें, जहां दिव्यता हर फ्रेम से जुड़ी है। अनदेखी एक झलक पाने के लिए जुड़े रहें! प्रोडक्शन हाउस द्वारा की गई घोषणा निश्चित रूप से दर्शकों को बहुत पसंद आएगी क्योंकि "कांतारा" ने ग्लोबल दर्शकों को हैरान कर दिया था, और उन्होंने इसकी कहानी, प्रदर्शन, एडिटिंग और दिव्य संगीत के लिए फिल्म की सराहना की थी। जबकि फिल्म ने इंसानों के भगवान के साथ संबंध की खोज की, यह सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक बन गई। इसके अलावा, फिल्म के इंटेंस क्लाइमैक्स का दर्शकों के दिलों में एक खास स्थान है और ऋषभ शेट्टी के पहले कभी नहीं देखे गए अवतार ने देश को हिलाकर रख दिया।

जो हम दुनिया में देखते हैं, वही तो सीखते हैं: रत्ना पाठक

हाल ही में एक्ट्रेस रत्ना पाठक ने एक इंटरव्यू में दुनियादारी को लेकर अपनी बात कही है, जिसके बाद फिर वह खूब चर्चा बटोर रही हैं। जयेशभाई जोरदार की एक्ट्रेस रत्ना पाठक शाह ने हाल ही में कहा, जो हम दुनिया में देखते हैं, वही तो सीखते हैं। मैं जो आसपास देखती हूं, वहीं तो मेरी पूंजी है। वही समझ मैं अपने काम में प्रयोग करती हूं। अगर दुनिया ही नहीं देखूंगी, केवल एयरकंडिशन रूम में खुद को बंद रखूंगी, तो मेरी क्या पूंजी बनेगी, किस तरह के किरदार मैं कर पाऊंगी। फिर तो सारी भूमिकाओं को मैं एक तरीके से ही निभाऊंगी। एक्ट्रेस ने कहा, अगर मुझे ज्यादा अनुभव जुटाने हैं, तो दुनिया को और पास से देखना होगा। उसी से मेरी पूंजी बढ़ेगी, मेरे सोच-विचार बढेंगे, काम करने की क्षमता बढ़ेगी। बता दें कि रत्ना पाठक अक्सर अपने बेबाक बयानों को लेकर चर्चा में रहती हैं। वह कई बार अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में आ चुकी हैं।

सूडोकु नवताल- 6624

सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6623 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्दजाल - 7371

जी	न	त	अ	मा	न	र	तू	ग	झ	डिं
ज	प्री	ल	म	आ	ज	या	भा	दु	ड़ी	प
अं	ती	नु	दि	ल	दा	ल	व	र	ला	ल
ज	जिं	का	जो	ल	ला	क	ही	रि	श	क
स	वा	श	दे	रा	खी	स	दा	ग	वी	पा
री	रं	ल	चु	व	लि	र्त	र	ती	प	ड़ि
रा	गा	ल	के	गा	प	म	ह	कौ	या	या
नी	बा	रे	खा	त	क	छ	मा	ग	श	थ
मु	स	मि	न	व	न	ज	न	शा	जू	द
ख	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
र्जी	ऐ	श्व	र्या	रा	य	य	या	दु	र	क

शब्दजाल में दस सफल अभिनेत्रियों के नाम ढूंढिए. दिये गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

जीनत अमान,वहीदा रहमान,रेखा,जया भादुड़ी,राखी,प्रीती जिंटा,रानी मुखर्जी, काजोल, डिंपल कपाड़िया,ऐश्वर्या राय

शब्दजाल - 7370 का हल

दि	हु	मे	अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न	वि
ली	ख	शा	ह	रु	ख	खा	न	या	ड़	नो
प	पी	अ	हे	र	ग	बा	द	ह	प	द
कु	ग	ए	ज	जा	बा	बू	ल	ह	लि	ख
मा	र	रा	जा	य	ह	ला	कि	यो	रि	न्ना
र	इ	वि	मो	ग	दे	वा	शी	स	ति	श
न	रा	ल	रा	व	म	व	न	ल	क	क्ति
क	र	ज	र	य	र	ह	ग	मा	रो	रे
र	या	बा	कु	आ	मि	र	खा	न	श	ड्डी
र	ग	ल	न	मा	व	शि	का	री	न	ल
रा	जें	द्र	कु	मा	र	ले	स	सु	रा	ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6324

7	4	5	2			
	38		32	1	27	7
	3			6		2
	30		40	7	32	
6	1	4			5	3
	24		36	4	30	5
1			7		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6323 का हल

5	1	3	6	7	2	4
6	34	6	33	1	33	7
7	5	1	3	6	4	2
1	26	2	29	4	33	5
4	1	5	6	2	7	3
3	30	4	37	5	33	6
2	4	7	5	3	6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

महान श्रीलंकाई गेंदबाज मुरलीधरन ने कहा रोहित फिटनेस बना लें तो खेल सकते हैं वर्ल्ड कप

नई दिल्ली ।
अगर रोहित शर्मा अपनी फिटनेस को विराट कोहली की तरह बेहतर कर लें तो वे आसानी से अगले वर्ल्ड कप को खेल सकते हैं। यह कहना है महान गेंदबाज मुथैया मुरलीधरन का। उन्होंने बताया है कि भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा साल 2027 में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप को कैसे खेल सकते हैं। अगले विश्व कप तक रोहित शर्मा 40 और विराट कोहली 39 साल के हो जाएंगे। रोहित शर्मा ने कभी भी क्रिकेट वर्ल्ड कप नहीं जीता है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम को वर्ल्ड कप 2023 में ट्रॉफी उठाने का मौका मिल सकता था, लेकिन लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंची टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा और रोहित शर्मा का देश के लिए वनडे वर्ल्ड कप की ट्रॉफी जीतने का सपना टूट गया। अभी अगले वर्ल्ड कप में चार साल का समय है, लेकिन फैंस चाहते हैं कि वे अगला विश्व कप खेलें, लेकिन इसमें कठिनाइयां हैं। वर्ल्ड कप 2023 में 125 के स्ट्राइक रेट से 597 रन बनाने वाले रोहित शर्मा से मुथैया मुरलीधरन खुश हैं। उन्होंने कहा आप उनके वनडे वर्ल्ड कप के प्रदर्शन को देखिए। उन्होंने जो शुरुआत दिलाई, जिस तरह की स्ट्राइक रेट से उन्होंने बल्लेबाजी की। वह टूर्नामेंट में कभी असफल नहीं हुए। और वह अभी 36 वर्ष के हैं और वह युवा हैं। अगर वह विराट की तरह अपनी फिटनेस पर ध्यान दें तो वह एक और विश्व कप खेल सकते हैं।श्रीलंकाई दिग्गज ने कहा, लोग इतनी कठोर बातें क्यों कर रहे हैं कि यह उनके जाने और युवाओं को लाने का सही समय है। जब तक वे फिट होकर प्रदर्शन कर रहे हैं, उन्हें खेलने दीजिए। रोहित ने वनडे में 130 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की, जो टी20 के लिए बुरा नहीं है। वह एक अनुभवी खिलाड़ी है। आपको बस 35 के बाद अपनी फिटनेस पर अधिक मेहनत करनी होगी। अगर इच्छा है तो वह खेलेंगे। मुझे लगता है कि वह निश्चित रूप से एक और विश्व कप खेलेंगे। यह उनके दिमाग में है। उन्होंने रोहित को टी20 प्रारूप में खेलने का भी समर्थन किया और कहा कि वनडे विश्व कप में उनकी स्ट्राइक टी20 के लिए अच्छी थी और वह 2024 में अगला टी20 विश्व कप खेलने की इच्छा रखते हैं, जो निश्चित रूप से वह कर सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल से पहले चेन्नई सुपर के दीपक चाहर ने किया कमाल का प्रदर्शन

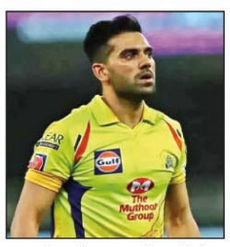

नई दिल्ली । आईपीएल 2024 के लिए रविवार को सभी 10 टीमें रीटेन करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट जारी कर सकती हैं। इस बीच एमएस धोनी की टीम चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज दीपक चाहर ने कमाल का प्रदर्शन किया है। लिस्ट-ए टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी के एक मैच में चाहर ने 6 विकेट लेकर अपनी टीम को बड़ी जीत दिलाई। गौरतलब है कि वे टी20 इंटरनेशनल में हैट्रिक भी ले चुके हैं। राजस्थान से खेल रहे दीपक चाहर ने 10 ओवर में 41 रन देकर 6 विकेट झटके। इस कारण गुजरात की टीम सिर्फ 128 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाब में राजस्थान ने लक्ष्य को 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। 31 साल के तेज गेंदबाज दीपक चाहर आईपीएल 2023 में भी चैंपियन टीम चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे थे। गुजरात की ओर से चिराग गांधी ने 43 तो क्षितिज पटेल ने 31 रन बनाए। हालांकि पूरी टीम 29 ओवर में 128 रन बनाकर सिमट गई। राजस्थान की ओर से दीपक चाहर के अलावा खलील अहमद ने 2 तो अनिकेत चौधरी व साहिल को एक-एक विकेट मिला। जवाब में राजस्थान ने कप्तान दीपक हुडा के नाबाद 76 रन के सहारे लक्ष्य को 28.4 ओवर में 5 विकेट पर हासिल कर लिया। जानकार बता रहे हैं कि दीपक चाहर का 41 रन देकर 6 विकेट लिस्ट-ए करियर का बेस्ट प्रदर्शन है। वे अब तक 2 बार 5 विकेट लिए हैं। ओवरऑल लिस्ट-ए करियर में उन्होंने अब तक 59 पारियों में 27 की औसत से 82 विकेट झटके हैं। गौरतलब है कि टीम इंडिया की ओर से दीपक चाहर ने 13 वनडे खेले हैं और 16 विकेट लिए हैं। 27 रन देकर 3 विकेट बेस्ट प्रदर्शन है। चाहर ने 24 टी20 इंटरनेशनल में 29 विकेट झटके हैं। 7 रन देकर 6 विकेट बेस्ट प्रदर्शन रहा है। दीपक चाहर के ओवरऑल टी20 करियर की बात करें, तो वे अब तक 137 मैच में 24 की औसत से 160 विकेट ले चुके हैं। 3 बार 4 और 2 बार 5 विकेट लिया है।

अल नासेर ने अल अहदोद को 3-0 से हराया, रोनाल्डो के प्रथम डिवीजन में 527 गोल

नई दिल्ली । कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो के सऊदी प्रो लीग में दूसरे हाफ में किए दो गोलों की मदद से अल नासेर ने अल अकहदोद पर 3-0 से जीत हासिल की। 38 साल के सुपरस्टार के प्रथम डिवीजन की सभी प्रतियोगिताओं में मिलाकर अपने रिकॉर्ड गोलों की संख्या 527 तक पहुंचा दी। क्लब के लिए उनके इस सीजन में लीग के 15 मैचों में 13 गोल हो गए और सभी प्रतियोगिताओं में मिलाकर वह इस सत्र में 18 गोल कर चुके हैं। उनका क्लब सऊदी प्रो लीग में दूसरे स्थान पर चल रहा है। शीर्ष पर अल हिलाल है। अल अव्वल स्टेडियम में रोनाल्डो का 80वें मिनट में किया गोल दर्शनीय था जब उन्होंने गोलकीपर को आगे देखकर लगभग चालीस गज की दूरी से गेंद को लॉब किया था और गेंद सीधे गोलपोस्ट में गई। एक समय लग रहा था कि गेंद गोलपोस्ट के ऊपर जाएगी। उसके बाद दर्शकों की ही नहीं, उनकी खुशी भी देखने वाली थी। इस गोल की तुलना मेसी की शानदार फ्री किक से की जा रही है। तीन मिनट पहले रोनाल्डो ने अपना पहला गोल किया था। टीम के लिए पहला गोल सामी ने 13वें मिनट में किया था।

वसीम अकरम ने बताया वर्ल्ड कप फाइनल में टीम इंडिया की हार का कारण

मुंबई । पाकिस्तानी क्रिकेटर वसीम अकरम ने वर्ल्ड कप में भारत की हार का कारण बताया है। वसीम का मानना है कि भारत के पुछल्ले खिलाड़ियों की लंबी सूची होने से केएल राहुल बेखौफ बल्लेबाजी नहीं कर सका और विश्व कप फाइनल में भारत की हार का यह भी एक कारण रहा। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 50 ओवर में 240 रन बनाये जिसमें राहुल ने 107 गेंद में 66 रन बनाये जिसमें एक ही चौका शामिल था। अकरम ने कहा कि अगर मुझे लगता है कि मध्यक्रम को 'करो या मरो की सोच के साथ खेलना चाहिए था। मैं समझ सकता हूं कि राहुल के दिमाग में क्या चल रहा था। जडेजा के बाद कोई बल्लेबाज नहीं था और उसे जोखिम लिए बिना टिककर खेलना था। फाइनल में भारत को हरफनमौला हार्दिक पंड्या की कमी खली जो मध्यक्रम को संतुलन देते हैं। अकरम ने कहा कि हार्दिक टीम में होता तो राहुल जोखिम ले सकता था। अगर उसने जोखिम लिया होता और आउट हो जाता तो भी लोग उसकी आलोचना करते। उन्होंने कहा कि भारत ने बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाए होते तो मैच की तस्वीर कुछ और होती। वसीम ने तेजी से शुरूआत देने वाले भारतीय कप्तान रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए कहा कि उसने पूरे विश्व कप में ऐसे ही खेला। पूरे टूर्नामेंट में किसी ने इसकी शिकायत नहीं की।

नौ साल बाद डब्लूडब्लूई में लौटे सीएम पंक

सरवाइवर सीरीज में की वापसी, ट्रिपल एच ने इस तरह कराई खुफिया एंट्री

शिकागो ।
वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट में सीएम पंक की वापसी हो चुकी है। रविवार को सरवाइवर सीरीज में रेसलर पंक ने वापसी की। उनकी नौ साल बाद डब्ल्यूडब्ल्यूई में वापसी हुई है। इस शो में पिछला मैच उन्होंने जनवरी 2014 में रॉयल रंबल में खेला था। उसके बाद डब्ल्यूडब्ल्यूई से खराब रिश्ते के कारण उन्होंने इस शो को तत्काल छोड़ दिया था और फिर कंपनी के सीओओ ट्रिपल एच और विंस मैकमेहन के बारे बयानबाजी की थी। तब ऐसा लगा था कि सीएम पंक इस कंपनी के साथ दोबारा नहीं जुड़ेंगे। हालांकि, नौ साल बाद अब उन्होंने वापसी की है। कंपनी के सीओओ ट्रिपल एच ने उनकी वापसी के लिए खुफिया प्लान बनाया था, जिसके बारे में किसी को पता नहीं था।

दरअसल, इस बार का सरवाइवर सीरीज शिकागो में आयोजित हुआ। सरवाइवर सीरीज वॉर गेम्स डब्लूडब्लूई के मेन इवेंट में से एक है, जिसमें टॉप क्लास के रेसलिंग मुकाबले खेले जाते हैं। काफी समय से इस बात की चर्चा थी कि पंक इस शो से डबल्यूडब्ल्यू में वापसी कर सकते हैं। हालांकि, सोशल मीडिया पर दो बातें चल रही थीं कि वह वापसी करेंगे और नहीं भी कर सकते हैं। सरवाइवर सीरीज में जब जजमेंट डे के साथ कोडी रोड्स की टीम का मुकाबला हुआ तो एक और वापसी हुई।

रैंडी ओर्टन ने भी इस शो से डब्ल्यूडब्ल्यूई में वापसी की और कोडी

रोड्स की टीम को जजमेंट डे की टीम पर जीत दिलाई। यह आखिरी मैच था और लग रहा था कि सीएम पंक वापसी नहीं करेंगे। मैच खत्म होते ही पंक का एंट्री सॉन्ग बजा और शिकागो में उस अरेना में मौजूद फैंस खुशी से झूम उठे। पूरे अरेना सीएम पंक सीएम पंक की गुंज से भर उठा। शिकागो सीएम पंक का होम टाउन है और अपने फैंस के बीच वापसी से बेहतर उनके लिए कुछ भी नहीं हो सकता था।

तभी पंक की एंट्री हुई और यहीं पर शो को खत्म कर दिया गया। हालांकि, मैच के बाद सेथ रॉलिन्स का एक वीडियो भी सामने आ रहा है, जिसमें वह पंक की एंट्री के बाद उनके सामने उन्हें अपशब्द कहते हुए दिख रहे हैं। ऐसे में आगे चलकर पंक और रॉलिन्स की लड़ाई देखने को मिल सकती है। दोनों के बीच पहले भी कुछ ठीक नहीं रहा है और दोनों एकदूसरे के खिलाफ बयानबाजी करते रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ट्रिपल एच ने इसको लेकर खुफिया प्लान बनाया था और पंक की वापसी की जानकारी किसी के पास नहीं थी। सीएम पंक ने अपने करीबी में कम से कम एक व्यक्ति को बताया था कि उन्होंने पिछले हफ्ते ट्रिपल एच के साथ एक घंटे लंबी बातचीत की थी। डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टाफ, प्रतिनिधि, क्रिएटिव को कोई जानकारी नहीं थी कि वह वापसी करने वाले हैं। वह डब्ल्यूडब्ल्यूई अरेना में आने के बाद सामने से एंट्री करने की बजाय पीछे के रास्ते से आए। उनके लिए उस जगह को पहले ही खाली कराया गया था। ट्रिपल एच ने आखिरी कुछ मिनटों में शो की जिम्मेदारी खुद संभाली और पंक का कॉपीराइट लोगो मंगवाया। यहां तक कि प्रोडक्शन में भी कई लोगों को इसकी जानकारी नहीं थी। ट्रिपल एच ने खुद ही एंट्री सॉन्ग बजवाया और पंक की एंट्री हुई।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पंक की डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ कई वर्षों की और कई टर्म्स एंड कंडीशंस के साथ डील हुई है। ट्रिपल एच ने शो के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पंक के साथ समझौता आसानी से हो गया। पंक से आप प्यार करें या नफरत करें या आप जो भी कहना चाहते हैं, लोग उनके बारे में हर समय बात करते हैं। ट्रिपल एच से यह भी पूछा गया कि क्या एईडब्ल्यू के साथ पंक के पिछले विवादों को देखते हुए डील करना सही था ट्रिपल एच ने कहा ऐसा नहीं है। जिस कंपनी में पंक थे, उन्होंने इस रेसलर से जरूर कुछ बकवास कहा होगा। ट्रिपल एच ने पंक के साथ तस्वीर भी साझा की है। जिसमें दोनों एक दूसरे के साथ खुश दिख रहे हैं। हालांकि, पंक की वापसी ने दुनियाभर के फैंस में खुशी भर दी है। फैंस इस रेसलर की वापसी की काफी समय से इंतजार कर रहे थे। पंक की वापसी से डब्ल्यूडब्ल्यूई को जबरदस्त फायदा होने वाला है। पंक रेसलिंग दुनिया के सबसे बड़े एंटरटेनर में से एक हैं। यह देखने वाली बात होगी कि सीएम पंक का मैच किसके साथ करवाया जाता है, लेकिन जिस तरह से सेथ रॉलिन्स की प्रतिक्रिया आई है, उससे यही लगता है कि दोनों का आगे चलकर मुकाबला हो सकता है।

भारतीय हॉकी में फिर बवाल

तेलंगाना ने हॉकी इंडिया के महासचिव पर जबरन वसूली का आरोप लगाया

नई दिल्ली ।
भारतीय हॉकी एक बार फिर गलत कारणों से चर्चा में है क्योंकि एक राज्य संघ तेलंगाना हॉकी ने हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह पर उसके चुनाव कराने के लिए 25 लाख रुपए की जबरन वसूली करने का आरोप लगाया है।तेलंगाना हॉकी के चुनाव इस साल अप्रैल में होने थे लेकिन इस राज्य संघ के अध्यक्ष सरस तलवार के अनुसार वे चुनाव कराने के प्रयास कर रहे हैं लेकिन भोलानाथ विभिन्न कारणों से इसमें रोड़ा अटका रहे हैं।

बाद में हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ ने तेलंगाना हॉकी के कामकाज को चलाने के लिए छत्तीसगढ़ हॉकी के महासचिव फिरोज अंसारी की अगुवाई में तीन सदस्यीय समिति गठित की इसके बाद तलवार नेशिकायत दर्ज कराई थी। तलवार ने कहा,''चुनाव अप्रैल में होने वाले थे और हम इन्हें कराने की प्रक्रिया में थे लेकिन हॉकी इंडिया का एक अधिकारी इसमें रोड़ा अटका रहा था। हॉकी इंडिया ने कहा कि कुछ शिकायतें हैं और हमने उनका जवाब दिया। आखिर में मैं उनसे (भोलानाथ) मिला तो उन्होंने कहा कि अगर आप इससे बाहर निकलना चाहते हो तो 25 (लाख रुपए) का भुगतान करो। तब कमरे में केवल मैं और वह थे।

तलवार ने कहा,''इसके बाद उन्होंने कहा कि मैं इस पर विचार करने के लिए सात दिन का समय दूंगा। मैं उनसे तीन नवंबर को मिला था। भोलानाथ ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा इस खेल को बढ़ावा देने के लिए काम किया है। भोलानाथ ने पीटीआई से कहा,''यह आरोप पूरी तरह से आधारहीन हैं। मैंने 25 लाख तो छोड़िए, कभी किसी से यहां तक की 25 पैसे भी नहीं लिए हैं। मैंने हमेशा खेल को बढ़ावा देने के लिए काम किया है।

हार्दिक पांड्या के बाद जोफ्रा आर्चर और कैमरून ग्रीन भी होंगे मुंबई इंडियंस से बाहर

नई दिल्ली ।
मुंबई इंडियंस टीम से हार्दिक पांड्या के बाद जोफ्रा आर्चर और कैमरून ग्रीन भी बाहर हो सकते हैं। क्योंकि मुंबई इंडियंस आईपीएल 2024 को लेकर सख्त फैसले लेती हुई नजर आ रही है। हालांकि पहले खबर आई थी कि मुंबई इंडियंस प्रबंधन ने हार्दिक पांड्या को गुजरात टाइटंस से ट्रेड कर लिया है। अब खबर है कि मुंबई ने जोफ्रा आर्चर और कैमरून ग्रीन को भी रिलीज करने का फैसला कर लिया है। खबर है कि हार्दिक पांड्या के लिए 15 करोड़ रुपए फीस निर्धारित की गई थी।

अगर पांड्या मुंबई में आते हैं तो वह सीधे कप्तानी के दावेदार होंगे। गुजरात द्वारा हार्दिक को रिलीज करते ही उनके वेतन कैप में 15 करोड़ रुपए बढ़ जाएंगे जिससे वह और प्लेयर खरीद सकते हैं। जानकारी मिली है कि मुंबई इंडियंस पंड्या की रिलीज क्लॉज को तोड़ने के लिए गुजरात टाइटन्स को अतिरिक्त पैसे भी देगी, जिन्होंने टाइटन्स को उनके पहले सीज़न में प्रतिष्ठित खिताब जीतने में मदद करने से पहले एक उभरते एमआई युवा खिलाड़ी के रूप में अपनी यात्रा शुरू की थी। इसकी असल कीमत का खुलासा करने के अधिकार बीसीसीआई और फ्रेंचाइजी के पास ही हैं।

बता दें कि कैमरून ग्रीन ने एमआई के लिए आईपीएल 2023 में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। उन्होंने 16 मैचों में 50.22 की औसत से 452 रन बनाए थे और साथ ही 6 विकेट भी लिए थे। ऐसा लगता है कि मुंबई इंडियंस के पास लंबे कद के ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर को रिलीज करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है, क्योंकि उन्हें हार्दिक के साथ जुड़ने के बाद अपने संतुलन में सुधारने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर, आर्चर के लिए आईपीएल 2023 का सीजन भूलने वाला रहा। इंग्लिश तेज गेंदबाज, जो राजस्थान रॉयल्स के लिए शानदार फॉर्म में थे, रोहित शर्मा एंड कंपनी के लिए अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रहे, उन्होंने 5 मैचों में 2 विकेट लिए थे।

मणिपुर को हराकर पंजाब सेमीफाइनल में पहुंचा, अब कर्नाटक से होगा मुकाबला

चेन्नई ।
भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल की मदद से पंजाब ने यहां मणिपुर को 4-2 से हराकर हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया जिसमें उसका सामना कर्नाटक से होगा। दूसरे क्वार्टरफाइनल मैच में कर्नाटक ने झारखंड को 4-1 से शिकस्त दी जिसमें हरीश मुतागर ने 46वें और 49वें मिनट में, कप्तान शेशे गौड़ा ने 23वें मिनट और लिखित बेम ने 32वें मिनट में गोल किए। झारखंड के लिए सांत्वना गोल दिलबर बार्ला ने 39वें मिनट में किया। दूसरा सेमीफाइनल सोमवार को हरियाणा और तमिलनाडु के बीच खेला जाएगा। हरियाणा ने पेनल्टी शूटआउट में ओडिशा को 3-2 से पराजित किया।

नियमित समय तक दोनों टीमें 2-2 की बराबरी पर थीं। एक अन्य मैच में तमिलनाडु ने वापसी करते हुए उत्तर प्रदेश पर 3-2 से रोमांचक जीत हासिल की। उत्तर प्रदेश ने मनीष साहनी के 27वें और सुनील यादव के 30वें मिनट में किए गए गोल से 2-0 से बढ़त बना ली थी। लेकिन फिर कर्नाटक ने जे

केविन किशोर (33वें मिनट) और कप्तान जे जोशुआ बेनेडिक्ट वेस्ले (52वें और 59वें मिनट) की बदौलत वापसी करते हुए जीत दर्ज की। उत्तराखंड के खिलाफ पिछले मैच में हैट्रिक लगाने वाले पंजाब के हरमनप्रीत ने 31वें और 51वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किए। भारतीय फॉरवर्ड सुखजीत सिंह (20वें मिनट) और प्रदीप सिंह (छठे मिनट) ने भी टीम के लिए गोल दागे। मणिपुर के लिए कप्तान चिंगलेनसाना सिंह ने 36वें और ऋषि युमनाम ने 45वें मिनट में गोल किए।

विश्व चैंपियन कॉलिन जैक्सन अंतरराष्ट्रीय इवेंट एंबेसडर घोषित, कहा- दौड़ को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं

कोलकाता ।
टाटा स्टील कोलकाता 25के के 2023 के लिए पूर्व 110 मीटर बाधा दौड़ विश्व रिकॉर्ड धारक कॉलिन जैक्सन को अंतरराष्ट्रीय इवेंट एंबेसडर घोषित किया। प्रोकैम इंटरनेशनल प्रमोटर्स ने यह घोषणा की। उल्लेखनीय है कि 2014 में स्थापित, पूर्वी भारत में एक क्रांति ला दी और यह एक विश्व एथलेटिक्स एलीट लेबल रोड रेस है। यह आयोजन अब कोलकाता की जीवंत खेल भावना और ऊर्जा का उत्सव है। कॉलिन जैक्सन जैसे प्रतिष्ठित एथलीट की उपस्थिति अब आमार कोलकाता, आमार रन और भी बड़ा आकर्षक बनेगा। जैक्सन ने 1986 में राष्ट्रमंडल खेलों में 110 मीटर बाधा दौड़ में रजत पदक जीता था। उन्होंने 1993 में स्टटगार्ट विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने का विश्व रिकॉर्ड बनाया और 1999 में फिर से विश्व खिताब जीता। उनके करियर का सर्वोच्च बिंदु तब आया जब उन्होंने 1993 में स्टटगार्ट में विश्व चैंपियनशिप में 12.91 सेकिंड में स्वर्ण पदक जीता। इस मौके पर जैक्सन ने कहा, दौड़ एक सार्वभौमिक भाषा है जिसमें समुदाय को प्रेरित करने और एक साथ लाने की क्षमता है। यह एक संपूर्ण खेल है जो आपको अच्छा स्वास्थ्य रखने में मदद करता है और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह आपको समाज में बदलाव लाने की क्षमता देता है। दौड़ना मूल रूप से मेरा पूरा जीवन रहा है - ट्रैक पर और उसके बाहर। इसने मुझे जीवन में आगे बढ़ने में मदद की है और मुझे बेहतर बनने और बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की है। मैं टीएसके 25के का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं और मैं सभी से इस सबसे बड़े खेल उत्सव में मेरे साथ आने का आग्रह करता हूं! आइए, मेरे साथ जुड़िए और दौड़ को अपने जीवन का हिस्सा बनाइए। टाटा स्टील के कॉर्पोरेट सर्विसेज के उपाध्यक्ष, चाणक्य चौधरी ने कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि कॉलिन जैक्सन टीएसके 25के इंटरनेशनल इवेंट एंबेसडर के रूप में हमारे साथ शामिल होंगे। 110 मीटर

बाधा दौड़ में उनका 10 साल का विश्व रिकॉर्ड और 60 मीटर बाधा दौड़ में 27 साल का विश्व रिकॉर्ड आज भी धावकों लिए प्रेरणा है। हमारा मानना है कि टीएसके 25के के लिए उनकी उपस्थिति और भागीदारी प्रतिभागियों को अपनी सीमा से आगे बढ़ने और एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेगी। हम कॉलिन जैक्सन के साथ एक सफल सहयोग की आशा करते हैं क्योंकि हम टीएसके 25के को सभी के लिए एक उल्लेखनीय अनुभव बनाने का प्रयास करते हैं।

यह है कॉलिस का रिकॉर्ड - वह लगातार 12 वर्षों तक यूरोपीय चैंपियनशिप में अपराजित रहे, लेकिन जैक्सन का पीस डी प्रतिरोध 12.91 सेकंड 110 मीटर बाधा दौड़ का विश्व रिकॉर्ड बना हुआ है, जो एक दशक से अधिक समय तक कायम रहा। 2021 में ग्रांट होलोवे द्वारा इसे तोड़ने तक वह 60 मीटर बाधा दौड़ के विश्व रिकॉर्ड धारक भी थे। उनकी जीत की सूची में दो राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण (1990 और 1994), एक विश्व इंडोर बाधा दौड़ चैम्पियनशिप और दो यूरोपीय इंडोर चैम्पियनशिप शामिल हैं। ट्रैक और फील्ड में अपना बेहद सफल करियर खत्म करने के बाद, जैक्सन ने खुद को फिर से स्थापित किया और उसी उत्साह के साथ अन्य क्षेत्रों का पता लगाने के लिए आगे बढ़े। उन्होंने कई किताबें लिखीं - लाइफ्स न्यू हर्डल्स, जहां उन्होंने एक शानदार करियर के बाद अचानक बदलाव के साथ तालमेल बिठाने के सदमे का वर्णन किया, द यंग एथलीट, जिसने युवा उम्मीदवारों को आश्चर्यजनक चरण-दर-चरण फोटोग्राफी, स्पष्ट, संक्षिप्त पाठ और उपयोगी युक्तियों के साथ मदद की। दौड़ना शुरू किया और उनकी जीवनी का शीर्षक द ऑटोबायोग्राफी रखा, जहां उन्होंने ट्रैक पर अपने जीवन के बारे में खुलकर बात की। इसके अलावा, कॉलिन और उनकी बहन सुज़ैन पैकर ने गो डैड रन की स्थापना की, जो प्रोस्टेट कैंसर यूके के लिए धन जुटाता है और उतना ही महत्वपूर्ण रूप से, स्थिति के बारे में अतिरिक्त जागरूकता पैदा करने में मदद करता है। अब, गो डैड रन विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है जिन पर चर्चा करने या विचार करने में पुरुष अक्सर झिझकते हैं, जहां अज्ञात समस्याओं और लक्षणों के लंबे समय में गंभीर परिणाम हो सकते हैं। विवेक सिंह, जेटी. प्रोकैम इंटरनेशनल के एमडी ने कहा, कॉलिन जैक्सन संकल्प के प्रतीक हैं और दुनिया भर में कई लोगों के लिए प्रेरणा रहे हैं। वह ऐसे व्यक्ति हैं जो अपने दृढ़ संकल्प और इच्छानुसार ट्रैक पर क्षमता के लिए जाने जाते हैं। टाटा स्टील कोलकाता 25के श्रेणियों जैसे 10के, आनंदा रन (4.5 किमी), सिल्वर रन (2.3 किमी), और चैंपियंस विद डिसेबिलिटी (2.3 किमी) के लिए इस लिंक पर जाकर पंजीकरण करा सकते हैं।

गुरु नानक का प्रेम, ज्ञान और वीरता से भरा जीवन

कार्तिक पूर्णिमा के दिन श्री गुरु नानक जी का जन्मदिन भी मनाया जाता है। गुरू नानक जी की जयंती या गुरुपूरब /गुरु पर्व सिख समुदाय मनाया जाने वाला सबसे सम्मानित दिन है। गुरू नानक जी की जयंती, गुरु नानक जी के जन्म को स्मरण करते हैं। इसे गुरुपूरब/गुरु पर्व के नाम से भी जाना जाता है, जिसका अर्थ है *गुरुओं का उत्सव*। गुरु नानक जी निहित नैतिकता, कड़ी मेहनत और सच्चाई का संदेश देते हैं। यह दिन महान आस्था और सामूहिक भावना और प्रयास के साथ, पूरे विश्व में उत्साह के साथ मनाया जाता है। गुरु नानक जी का जीवन प्रेम, ज्ञान और वीरता से भरा था। 500 साल पहले भारत में गुरु नानक देव जी नामक एक महान संत थे। गुरु नानक देव जी पंजाब के रहने वाले थे। गुरु नानक देव जी ने बगदाद तक आध्यात्मिकता, परमेश्वर के साथ एकता, और भक्ति के महत्व को फैलाया था। आज, सिख समुदाय गुरु नानक देव जी का जन्मदिन मनाता है और सिख समुदाय के लिए यह एक महत्वपूर्ण दिन है। आज कार्तिक पूर्णिमा भी है, और आज ही के दिन जैन धर्म के प्रधानाध्यापक भगवान महावीर को ज्ञान प्राप्त हुआ था। सिख धर्म में दस गुरु थे, और गुरु नानक देव जी प्रथम गुरु थे (सिख धर्म के संस्थापक)। सिख परंपरा के सभी दस गुरुओं की कहानियां हर्षित और उत्थान हैं - वह उनके त्याग को दर्शाती हैं।

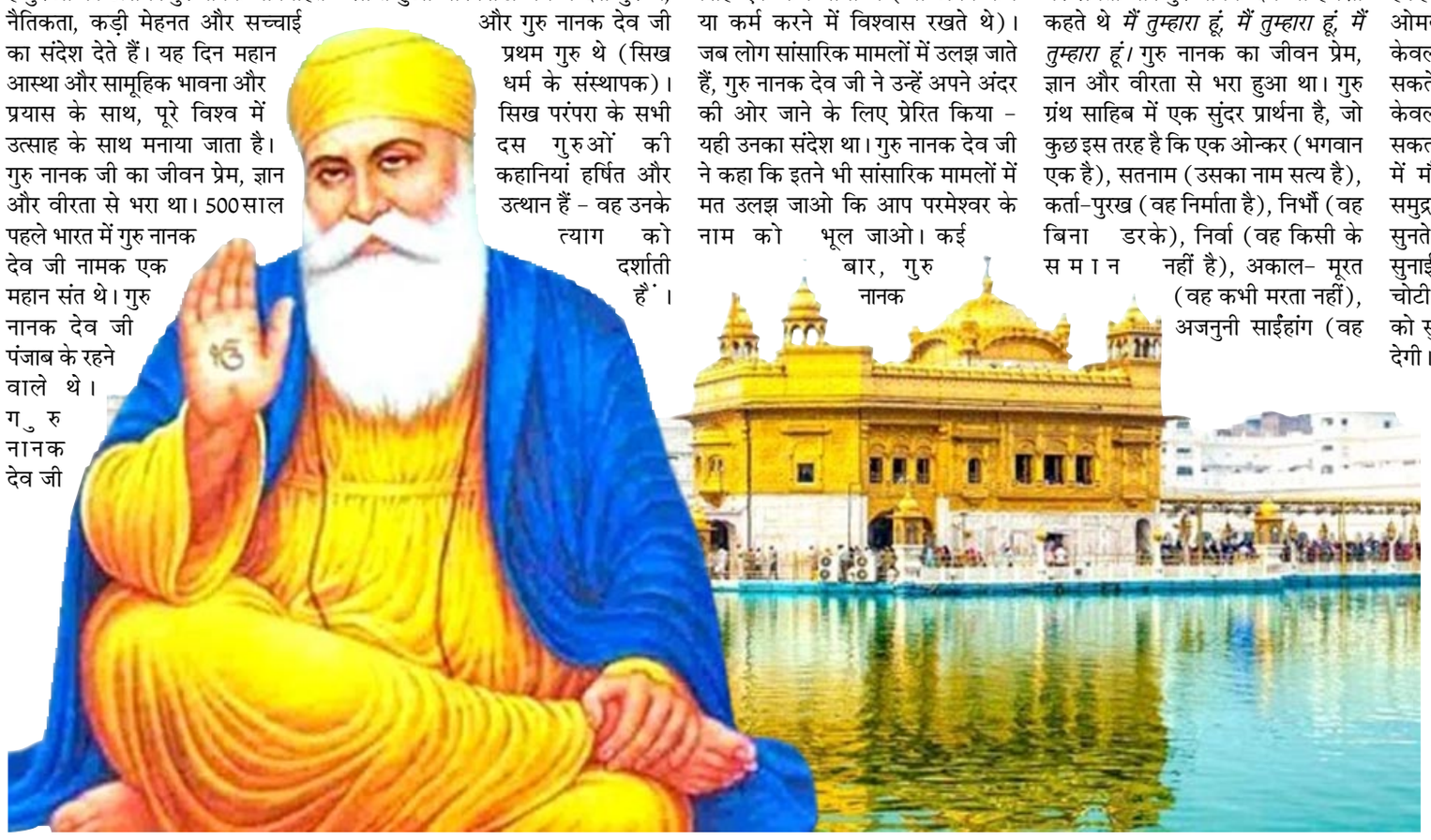

गुरुओं ने अच्छे, निर्दोष और धार्मिक लोगों की रक्षा के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया था। साधारण शब्दों में लोगों को गुरुओं द्वारा ज्ञान दिया गया था। गुरु नानक देव जी ने भक्ति के अमृत-भक्ति रस के बारे में बात की थी। गुरु नानक देव जी भक्ति योग में पूरी तरह से विसर्जित एक भक्त थे, जबकि गुरु गोबिंद सिंह एक कर्म योगी थे (जो अपने कर्म या कर्म करने में विश्वास रखते थे)। जब लोग सांसारिक मामलों में उलझ जाते हैं, गुरु नानक देव जी ने उन्हें अपने अंदर की ओर जाने के लिए प्रेरित किया - यही उनका संदेश था। गुरु नानक देव जी ने कहा कि इतने भी सांसारिक मामलों में मत उलझ जाओ कि आप परमेश्वर के नाम को भूल जाओ। कई बार, गुरु नानक देव जी के पिता उन्हें बाजार में सब्जियां बेचने के लिए कहते थे। सब्जियां बेचते समय, जैसे वह गिनती शुरू करते थे, वह 13 नंबर पर रुक जाते थे, जिसका अर्थ *तुम्हारा* भी होता है। तेरा शब्द सुनकर, वह दैवीय विचारों में विसर्जित हो जाते थे। इसलिए, काम करते समय भी, उनका मन काम में नहीं बल्कि सिर्फ परमात्मा पर लगता था। गुरु नानक देव जी हमेशा कहते थे *मैं तुम्हारा हूं, मैं तुम्हारा हूं, मैं तुम्हारा हूं।* गुरु नानक का जीवन प्रेम, ज्ञान और वीरता से भरा हुआ था। गुरु ग्रंथ साहिब में एक सुंदर प्रार्थना है, जो कुछ इस तरह है कि एक ओन्कर (भगवान एक है), सतनाम (उसका नाम सत्य है), कर्ता-पुरख (वह निर्माता है), निर्भौ (वह बिना डर के), निर्वा (वह किसी के समान नहीं है), अकाल- मूरत (वह कभी मरता नहीं), अजनुनी साईंहांग (वह जन्म और मृत्यु से परे है), गुरप्रसाद (वह सच्चे गुरु की दया से महसूस होता है), जप (उसका नाम दोहराएं), आदम सच (वह सच है), जुगाड सच (वह कभी भी सच है), है भी सच (वह अब सच्चाई है), नानक होस भी सच (वह भविष्य में सच हो जाएगा)। पूरी दुनिया एक ओमकार (एक दिव्यता) से पैदा होती है। हमारे चारों तरफ सब कुछ एक अकेले ओमकार के स्पंदन से बना है और आप केवल गुरु की कृपा से ही ओम को जान सकते हैं। यह हर जगह है, लेकिन यह केवल गुरु के माध्यम से ही समझा जा सकता है। ओम एक चेतना की गहराई में मौजूद अनन्त ध्वनि है। यदि आप समुद्र में जाते हैं और लहरों को ध्यान से सुनते हैं, तो आपको एक ही आवाज सुनाई देगी - ओम, यदि आप पहाड़ की चोटी पर जाते हैं और बहने वाली हवा को सुनते हैं, तो आपको ओम ही सुनाई देगी। इस जन्म से पहले, हम सब ओम में थे। इस जन्म के बाद, हम उस ओम की ध्वनि में विलय करेंगे। सृजन की गहराई में, वह आवाज अभी भी प्रतिध्वनित है। इन सभी धर्मों में बौद्ध धर्म, जैन धर्म, सिख धर्म, हिंदू धर्म, ताओवाद, या शिंटोवाद - ओमकार (ओम जप) को बहुत महत्व दिया जाता है। आज, गुरु नानक देव जी के जन्मदिन पर हमें अपने आपको याद दिलाना चाहिए की हमें माया में उलझना नहीं चाहिए। आइए हम खुश रहे, दूसरों को खुश रखें, प्रार्थना करें, सेवा करें और धर्म की रक्षा के लिए कार्य करें।

नानक नाम जहाज है चढ़े सो उतरे पार...

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष कार्तिक मास की पूर्णिमा को गुरु नानक जयंती मनाई जाती है और इस वर्ष 27 नवंबर को यह पर्व पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाने की तैयारी है। सिखों के प्रथम गुरु गुरु नानक जयंती को प्रकाश पर्व भी कहा जाता है। इस बार गुरु नानक का 554वां प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है। पाखण्डों के घोर विरोधी रहे गुरु नानक देव की यात्राओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों को परमात्मा का ज्ञान कराना और बाह्य आडम्बरों से दूर रखना था। गुरु नानक जयंती के अवसर पर उनके जीवन, आदर्शों तथा उनकी दी हुई शिक्षाओं का स्मरण किया जाता है। इस दिन धर्म गुरु और समाज के सम्माननीय लोग गुरु नानक की शिक्षाओं और संदेशों को दोहराते हैं ताकि लोगों के बीच उनके पवित्र विचारों को फिर से ताजा किया जा सके। सितंबर 2019 में प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में नेपाल ने सौ, एक हजार तथा ढाई हजार रुपए के तीन स्मारक सिक्कों का सेट जारी किया था। पाकिस्तान सरकार भी 50 रुपए का एक सिक्का जारी कर चुकी है। कोलकाता टकसाल द्वारा 550वें प्रकाशोत्सव पर 12 नवम्बर 2019 को 44 मिलीमीटर गोलाई वाला 35 ग्राम वजनी 550 रुपए का एक स्मारक सिक्का जारी किया था। सिक्के के एक ओर गुरुद्वारा श्री बेर साहिब का चित्र उकेरा गया और उसी ओर सिक्के पर देवनागरी व अंग्रेजी में श्री गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व लिखा गया। गुरु नानक का विवाह 19 वर्ष की आयु में गुरदासपुर के मूलचंद खत्री की पुत्री सुलखनी के साथ हुआ था किन्तु धार्मिक प्रवृत्ति के नानक को गृहस्थाश्रम रास नहीं आया और वे सांसारिक मायाजाल से दूर रहने का प्रयास करने लगे। पिता ने उन्हें व्यवसाय में लगाना चाहा किन्तु व्यवसाय में भी उनका मन न लगा। एक बार पिता ने कोई काम-धंधा शुरू करने के लिए उन्हें कुछ धन दिया लेकिन नानक ने सारा धन साधु-संतों और जरूरतमंदों में बांट दिया और एक दिन घर का त्याग कर परमात्मा की खोज में निकल पड़े। पाखंड के घोर विरोधी रहे गुरु नानक की यात्राओं का वास्तविक उद्देश्य लोगों को परमात्मा का ज्ञान कराना किन्तु बाह्य आडम्बर से दूर रखना ही था। वे सदैव छोटे-बड़े का भेद मिटाने के लिए प्रयासरत रहे और उन्होंने निम्न कुल के समझे जाने वाले लोगों को सदैव उच्च स्थान दिलाने के लिए प्रयास किया। *एक पिता एकस के हम बारिक* नामक उनका सिद्धांत समाज में ऊंच-नीच और अमीर-गरीब के भेद को मिटाता है। इस प्रकाश पर्व के अवसर पर गुरु नानक से जुड़ी कुछ ऐसी घटनाओं और किस्सों का उल्लेख करना अनिवार्य हो जाता है, जो उनकी महानता और चमत्कारिक शक्तियों को स्पष्ट परिलक्षित करती हैं। गुरु नानक एक बार हरिद्वार पहुंचे तो उन्होंने देखा कि बहुत से लोग गंगा में स्नान करते समय अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पूर्व दिशा की ओर उलट रहे हैं। उन्होंने विचार किया कि लोग किसी अंधविश्वास के कारण ऐसा कर रहे हैं। तब उन्होंने लोगों को वास्तविकता का बोध कराने के उद्देश्य से अपनी अंजुली में पानी भर-भरकर पश्चिम दिशा की ओर उलटना शुरू कर दिया। जब लोगों ने काफी देर तक उन्हें इसी प्रकार पश्चिम दिशा की ओर पानी उलटते देखा तो उन्होंने पूछ ही लिया कि भाई तुम कौन हो और पश्चिम दिशा में जल देने का तुम्हारा क्या अभिप्राय है? नानक ने उन्हीं से पूछा कि पहले आप लोग बताएं कि आप पूर्व दिशा में पानी क्यों दे रहे हैं? लोगों ने कहा कि वे अपने पूर्वजों को जल अर्पित कर रहे हैं ताकि उनकी प्यासी आत्मा को तृप्ति मिल सके।

देश के इन गुरुद्वारे पर लोगों की है अटूट आस्था

गुरु नानक जयंती 27 नवंबर को मनाई जाएगी। इस दिन को गुरु पूरब और प्रकाश पर्व के नाम से भी जाना जाता है। सिख सुमदाय के लिए गुरु नानक जयंती का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण रखता है। मान्यताओं के मुताबिक, कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को सिख धर्म के पहले गुरु नानक देव जी का जन्म हुआ था, इसलिए हर साल कार्तिक पूर्णिमा के दिन गुरु नानक जयंती मनाई जाती है। इस खास और पावन अवसर पर सभी गुरुद्वारे को फूलों और लाइटों से सजाया जाता है। ऐसे में देश के हर गुरुद्वारों में एक अलग ही रौनक देखने को मिलती हैं। तो आज हम आपको देश के उन 10 गुरुद्वारे के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां दूर-दूर से लोग मत्था टेकने आते हैं।

1. गुरुद्वारा श्री हरमंदिर जी (पटना, बिहार)

बिहार की राजधानी पटना में स्थित गुरुद्वारा के निर्माण महाराजा रंजीत सिंह ने करवाया था। गुरुद्वारा श्री हरमंदिर जी सिखों के पांच पवित्र तख्तों में से एक माना जाता है। इस गुरुद्वारे से जुड़ी मान्यता के अनुसार, यहां सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह का जन्म हुआ था। प्रकाश पर्व के मौके पर यहां कीर्तन और पाठ का किया जाता है। इसके अलावा अन्य कई कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाता है।

2. गुरुद्वारा बंगला साहिब (दिल्ली)

देश की राजधानी में स्थित इस गुरुद्वारे में हर दिन लोगों की काफी भीड़ नजर आती है। सिख समुदाय समेत अन्य धर्मों के लोग भी यहां मत्था टेकने आते हैं। गुरुद्वारा बंगला साहिब को गुरु हरकृष्ण देव जी के सम्मान में बनाया गया था। मान्यताओं के मुताबिक, गुरुद्वारा बंगला साहिब के प्रांगण में स्थित तालाब के पानी को काफी पवित्र माना जाता है।

3. गुरुद्वारा हरमंदिर साहिब सिंह (अमृतसर)

पंजाब के अमृतसर में स्थित इस गुरुद्वारे को दुनियाभर में स्वर्ण मंदिर यानी गोल्डन टेंपस के नाम से जाना जाता है। गुरुद्वारा हरमंदिर साहिब सिंह में मत्था टेकने के लिए देश-दुनिया से लोग आते हैं। सिख समुदाय समेत अन्य धर्मों के लोगों की भी इस गुरुद्वारे में अटूट आस्था हैं। कहा जाता है कि महाराजा रणजीत सिंह जी ने गुरुद्वारे का ऊपरी हिस्सा सोने से ढका था, इसलिए इसे स्वर्ण मंदिर का नाम भी दिया गया है।

4.गुरुद्वारा पौंटा साहिब (हिमाचल प्रदेश)

गुरुद्वारा पौंटा साहिब के बारे में सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह ने सिख धर्म के शास्त्र दसवें ग्रंथ में इस पर एक बड़ा हिस्सा लिखा था। इस गुरुद्वारे को लेकर मान्यता है कि यहां गुरु गोबिंद सिंह चार साल यहां रुके थे।

5. गुरुद्वारा शीशगंज (दिल्ली)

गुरुद्वारा शीशगंज दिल्ली के चांदनी चौक में स्थित है। यह गुरुद्वारा 9वीं पातशाही गुरु तेगबहादुर जी से संबंधित है। गुरुद्वारा शीशगंज दिल्ली के नौ ऐतिहासिक गुरुद्वारों में से एक माना जाता है। इस गुरुद्वारे का निर्माण गुरु तेग बहादुर की शहादत स्थल की याद में बनवाया गया था।

6. तख्त श्री दमदमा साहिब (तलवंडी, पंजाब)

तख्त श्री ददमदमा साहिब गुरुद्वारा सिखों के पांच पवित्र तख्तों में से एक मानी जाती है। अन्य चार तख्त हैं अकाल तख्त, तख्त श्री केशगढ़ साहिब, तख्त श्री पटना साहिब और तख्त श्री हजूर साहिब है। इस स्थान पर दसवें सिख गुरु गोबिंद सिंह ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब नामक सिख धर्मग्रंथ का पूर्ण संस्करण तैयार किया था। यह भी कहा जाता है कि इस जगह पर गुरु गोबिंद सिंह जी ने तलवंडी साहू में जंग के बाद आराम किया था।

7. गुरुद्वारा मट्टन साहिब (अनंतनाग, श्रीनगर)

कश्मीर की हसीन वादियों में स्थित गुरुद्वारा मटन साहिब, प्राकृतिक रूप से समृद्ध होने के साथ ही ऐतिहासिक महत्व भी रखता है। गुरुद्वारा मटन साहिब से जुड़ी मान्यता के अनुसार, श्री गुरुनानक देव जी अपनी यात्रा के दौरान यहां 30 दिन के लिए ठहरे थे। कहते हैं कि इस जगह पर नानक साहब ने अपने अमृत वचन बोले थे।

8. गुरुद्वारा श्री हेमकुंठ साहिब (उत्तराखंड)

गुरुद्वारा श्री हेमकुंठ साहिब उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित है। यह दसवें सिख गुरु, गुरु गोबिंद सिंह को समर्पित है और इसका उल्लेख दशम ग्रंथ में मिलता है। हेमकुंड साहिब समुद्र तल से करीब 4329 मीटर की ऊंचाई पर है। बर्फ पड़ने की वजह से अक्तूबर से लेकर अप्रैल महीने तक गुरुद्वारा श्री हेमकुंठ साहिब बंद रहता है।

9. गुरुद्वारा सेहरा साहिब (सुल्तानपुर)

गुरुद्वारा सेहरा साहिब पंजाब के सुल्तानपुर में स्थित है। इस गुरुद्वारे को लेकर मान्यता है कि यहां से गुरु हर गोविंद सिंह जी की बारात यहां से गुजरी थी। इसी जगह पर उनकी सेहरा बांधने की रस्म पूरी की गई थी। इसी वजह से इस गुरुद्वारे का नाम सेहरा साहिब रखा गया।

10. श्री हजूर साहिब अब्चालनगर साहिब गुरुद्वारा, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र में स्थित यह गुरुद्वारा 5 तख्तों में से एक है। श्री हजूर साहिब अब्चालनगर साहिब गुरुद्वारा का निर्माण महाराज रणजीत सिंह जी ने करवाया था। इस गुरुद्वारे को लेकर मान्यता है कि यहीं पर गुरू गोबिंद सिंह जी ने अपनी आखिरी सांस ली थी। महाराष्ट्र के नांदेड़ में स्थित हजूर साहिब सचखंड गुरुद्वारा में दुनियाभर से श्रद्धालु मत्था टेकने के लिए आते हैं।

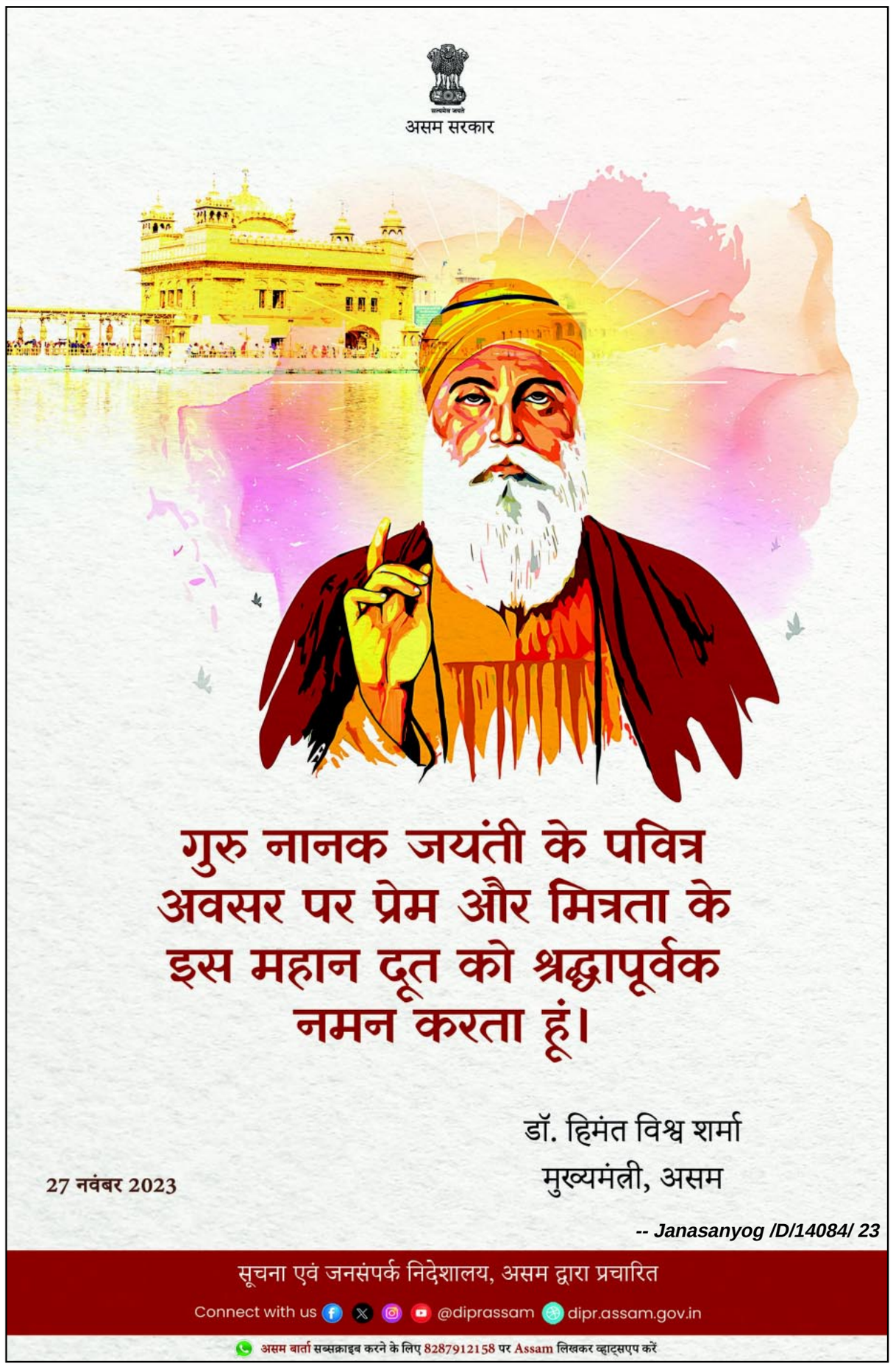

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**